THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 85 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.12 2083 शुक्रवार, 26 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

262 अयोग्य उम्मीदवारों को धोखाधड़ी से पॉलिटेक्निक लेक्चरर बनाया

तैयार किया ओएमआर शीट का एक अतिरिक्त सेट

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) के चेन्नई जोनल ऑफिस ने 23 जून को चेन्नई, मदुरै, त्रिची और कोयंबटूर में 21 जगहों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई 'प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002' के तहत की गई है। ये मामला 2017 में टीचर्स रिक्रूटमेंट बोर्ड (टीआरबी) द्वारा सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेजों में लेक्चरर भर्ती परीक्षा में ओएमआर शीट के साथ छेड़छाड़ से जुड़ा है। 262 अयोग्य उम्मीदवारों को धोखाधड़ी से पॉलिटेक्निक लेक्चरर बनाने के लिए ओएमआर शीट का एक अतिरिक्त सेट तैयार किया गया था।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दो विमान आमने-सामने आए

टक्कर होते-होते बची, 200 मीटर दूरी रह गई थी, एअर इंडिया फ्लाइट ने लिया था रॉन्ग टर्न

अहमदाबाद, 25 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बुधवार शाम एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एअर इंडिया और इंडिगो के दो विमान एक ही टैक्सीवे (रनवे का एक हिस्सा) पर आमने-सामने आ गए। हालांकि दोनों विमानों को समय रहते रोक लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान मुंबई से अहमदाबाद पहुंची एअर इंडिया की फ्लाइट पार्किंग बे की ओर जाते समय गलती से गलत मोड़ ले बैठी और उसी टैक्सीवे पर पहुंच गई, जहां इंडिगो का विमान मौजूद था।

भूकंप के झटके ने मचाई तबाही

> अब तक 164 की मौत, 971 घायल > तीव्रता 7.5 > बड़ी जनहानि की आशंका

कराकस (वेनेजुएला), 25 जून (एजेंसियां)। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे।

लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44 प्रतिशत आशंका है। वहीं, 30 प्रतिशत आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया। वेनेजुएला में यह पिछले 126 साल का सबसे बड़ा भूकंप है, इससे पहले 1900 में 7.7 का तीव्रता का भूकंप आया था।

'कभी माफ न करें, कभी न भूलें'

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लगाए गए आपातकाल की 51वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने नागरिकों से कहा कि इस दाग को बार-बार याद करने की जरूरत है, ताकि देश में फिर कोई ऐसा पैदा न हो, जिसको इस पाप के रास्ते पर जाने की इच्छा हो जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर हैशटैग 'संविधान हत्या दिवस' के साथ पोस्ट किया, क्या आप जानते हैं कि हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून इतना महत्वपूर्ण क्यों है? उन्होंने लिखा, आपातकाल लगाने वालों के माथे पर उस गंभीर पाप का कलंक हमेशा के लिए लग गया है।

अमेजन का भारत में बड़ा दांव : 48 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश

> प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद सीईओ का एलान

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। दुनिया की दिग्गज ई-कॉमर्स और आईटी कंपनी अमेजन ने गुरुवार को भारत में 2026 से 2030 के बीच 48 अरब डॉलर की पूंजी निवेश करने की बात कही है। अमेजन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद इसका एलान किया।

जेसी ने कहा, हमने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। पिछले साल के अंत में हमने 2026 से 2030 के बीच भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया और अब हम इस राशि को बढ़ाकर 48 अरब डॉलर कर रहे हैं। अमेजन का यह निवेश भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। अमेजन के इस एलान के बाद कुल मिलाकर, 2010 से 2030 तक भारत में अमेजन की कुल वित्तीय प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। यह निवेश ई-कॉमर्स नेटवर्क, त्वरित वाणिज्य संचालन और प्रौद्योगिकी इंफ्रास्ट्रक्चर में संतुलित रहेगा। अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री के पिछले 12 वर्षों के दृष्टिकोण को जेसी ने उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लगभग हर पहलू में महत्वपूर्ण देश बन गया है। प्रधानमंत्री के पास देश को हर आयाम पर बेहतर बनाने के कई विचार हैं। बढ़ी हुई वित्तीय प्रतिबद्धता का मुख्य कारण डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग है। कंपनी ने अपनी संसाधन आवंटन योजना को बढ़ाया है। इस पूंजी का एक विशिष्ट हिस्सा उन्नत डिजिटल प्रणालियों को लक्षित करता है। 13 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास में तेजी लाएगा। इससे क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में कुल नियोजित निवेश 21 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में पहली एफआईआर दर्ज

पांच आरोपी नामजद, इन लोगों को बनाया गया आरोपी

अयोध्या, 25 जून (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी के मामले में गुरुवार को पहली एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मुकदमा कृष्णमोहन की तहरीर पर दर्ज किया गया है। एफआईआर में अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि चढ़ावे की राशि के संग्रहण और जमा प्रक्रिया में सामने आई कथित अनियमितताओं की जांच के बाद यह मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक पड़ताल में कुछ तथ्यों को चिन्हित किया था। जिसके आधार पर पुलिस ने विधिक कार्रवाई शुरू की। एफआईआर दर्ज होने के बाद अब आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेनदेन, चढ़ावे के प्रबंधन और अन्य संबंधित पहलुओं की विस्तृत जांच की जाएगी। जांच एजेंसियां दस्तावेजों, रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण कर रही हैं। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) बृहस्पतिवार को भी अयोध्या नहीं पहुंची। हालांकि दिन भर प्रशासनिक और धार्मिक हलकों में एसआईटी के आने को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा। >14

सरकार ने कहा-पासपोर्ट यात्रा दस्तावेज, नागरिकता का प्रमाण नहीं

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, ये सिर्फ एक यात्रा दस्तावेज है। 14वीं पासपोर्ट सेवा दिवस सरकार ने कहा कि पासपोर्ट केवल अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए जारी किया जाता है।

इससे पहले एसआईआर से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं। सोशल मीडिया पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि पासपोर्ट एक यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का दस्तावेज नहीं। तो फिर कौन सा दस्तावेज नागरिकता का सबूत है। वहीं, गीतकार और स्क्रिप्ट राइटर जावेद अख्तर ने पूछा कि जब पासपोर्ट को नागरिकता का 100 प्रतिशत अकेला और अंतिम सबूत नहीं माना जाता, तो ऐसा कानून क्यों लाया जा रहा है। पासपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा जारी किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान पत्र है, जिसका मुख्य इस्तेमाल भारत से बाहर किसी भी देश में यात्रा करने के लिए होता है। विदेश जाने के लिए जरूरी 'वीजा' इसी पर लगता है और दूसरे देश में रहने के दौरान यही आपकी पहचान, नाम और पते का सबसे बड़ा सरकारी सबूत बनता है। आसान शब्दों में कहें तो विदेश में कानूनी एंट्री करने और वहां किसी भी मुसीबत में फंसने पर भारत सरकार से मदद पाने के लिए पासपोर्ट ही सबसे जरूरी दस्तावेज है। हां, पासपोर्ट राष्ट्रीय की पहचान देता है। राष्ट्रीयता बताती है कि आप किस देश से संबंध रखते हैं। जबकि नागरिकता बताती है कि उस देश में आपको कौन-कौन से कानूनी अधिकार मिले हैं। >14

'युवाओं से माफी मांगें और इस्तीफा दें'

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की समस्याओं को सुनने के बजाय उनकी आवाज उठाने वालों को ही निशाना बना रही है।

राहुल गांधी का यह बयान उस विवाद के बाद आया है, जिसमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के लिए 'आतंकवादी' जैसी टिप्पणी करने का आरोप लगा। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोल रही है और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि निष्पक्ष परीक्षाओं, सुरक्षित भविष्य और अपने अधिकारों की मांग करने वाले छात्रों को आतंकवादी बताना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक और परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार सवाल पूछने वालों को देशविरोधी बताने की राजनीति कर रही है। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में कहा कि मौजूदा शिक्षा व्यवस्था युवाओं पर आर्थिक बोझ बनती जा रही है। उन्होंने हाल ही में कोटा में भी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के बढ़ते खर्च को लेकर सवाल उठाए थे और इसे वसूली तंत्र बताया था।

वाह रे एमपी के अफसर! जिस महिला को कागजों में बताया मृत; अब जिंदा साबित करने की लगा रही गुहार

रतलाम, 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के खेड़ा कलालिया गांव की रहने वाली एक महिला रईसा बाई को पिछले 5 माह पहले सरकारी सिस्टम ने कागजों में मृत साबित कर दिया। अब हाल यह है कि पति और पत्नी दोनों ही जिले पर के सरकारी अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। पांच माह से अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। महिला रईसा बाई के पति का कहना है कि ग्राम सचिव ने एक बड़ी लापरवाही की है। महिला के पति का कहना है कि 5 महीने से वह अपनी पत्नी को साथ लेकर सिस्टम से पत्नी को जिंदा साबित करने की गुहार लगा रहा है। उसने जिला कलेक्टर, तहसील के एसडीएम, जनपद के सीईओ और जनप्रतिनिधियों में क्षेत्र के विधायक से भी गुहार लगा चुके हैं। महिला के पति ने लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

डिजिटल अरेस्ट ठगी के नेटवर्क पर सीबीआई का एक्शन

16 राज्यों में 80 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। डिजिटल अरेस्ट ठगी के नेटवर्क पर सीबीआई का बड़ा एक्शन हुआ है। जांच एजेंसी ने देशभर में 80 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र-नीआई के तहत 16 राज्यों में 80 से ज्यादा ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। सीबीआई की करीब 60 विशेष टीमों ने पंजाब, गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, कर्नाटक और ओडिशा समेत कई राज्यों में कार्रवाई की। जांच एजेंसी के मुताबिक, यह कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट ठगी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क को तोड़ने के लिए की गई है। इस गिरोह पर 200 से ज्यादा साइबर ठगी के मामलों में शामिल होने का शक है।

सीबीआई ने चेन्नई और कोलकाता से दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोप है कि ये लोग फर्जी कंपनियां (शेल कंपनियां) बनाकर और फर्जी बैंक खातों (म्यूल अकाउंट) के जरिए ठगी के पैसों को इधर-उधर करने में मदद कर रहे थे। जांच में करीब 2 करोड़ रुपये की संदिग्ध रकम के लेन-देन का पता चला है। सीबीआई ने हाल ही में एक ऐसी फर्जी वेबसाइट का भी पता लगाया था, जिसका लिंक सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट जैसा दिखता था। ठग इस वेबसाइट का इस्तेमाल लोगों को डराने और डिजिटल अरेस्ट के नाम पर पैसे ऐंठने के लिए कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री की शिकायत के बाद सीबीआई ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि साइबर ठग लोगों को भरोसा दिलाने के लिए फर्जी दस्तावेज, नकली कोर्ट ऑर्डर और जांच एजेंसियों के नाम से बनाए गए कागजात का इस्तेमाल करते थे।

इसके जरिए वे लोगों को डराकर पैसे ट्रांसफर करवाते थे। सीबीआई की कार्रवाई के दौरान कई मोबाइल फोन, डिजिटल डिवाइस, दस्तावेज और बैंक लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड बरामद किए गए हैं। इनकी जांच फॉरेंसिक टीम कर रही है। सीबीआई को यह भी जानकारी मिली है कि इस नेटवर्क ने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दूसरे देशों के लोगों को भी ठगी का शिकार बनाया है। संबंधित देशों की एजेंसियों को भी इसकी जानकारी दी जा रही है।

नई दुल्हन ने की आत्महत्या

विशाखापत्तनम, 25 जून (एजेंसियां)। आरएच कॉलोनी में एक नई दुल्हन ने आत्महत्या कर ली। शादी के 40 दिन बाद यांद्रापु कृष्णावेनी (25) ने आत्महत्या कर ली। पति की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस साल 13 मई को कृष्णावेनी की शादी विजयनगर जिले के मेंटाडा के रहने वाले यांद्रापु मुरली से हुई थी। जून के पहले हफ्ते में उन्होंने पीएम पालेम में किराए पर घर लिया था।पति मुरली एक स्थानीय कंपनी में काम करते हैं। कृष्णावेनी गोपालपटनम में एक दुकान में काम करती थीं। हमेशा की तरह, मुरली सुबह काम पर गए और रात को घर लौटे। घर में छत के पंखे से एक काला घूंघट लटका हुआ था। वह अजीब तरह से हिल रहा था। इस बारे में उन्होंने अपने परिवार वालों को बताया और स्थानीय पुलिस से भी शिकायत की। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया।

एसआईटी के सामने पेश हुए संजय सिंह

बोले- आठ करोड़ में खरीदी गई चार करोड़ की जमीन, महाघोटाला हुआ, सबूत सौंपे

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह बृहस्पतिवार को राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच के लिए बनाई गई विशेष जांच समिति के मुखिया विजय विश्वास पंत के सामने पेश हुए और अयोध्या में जमीनों की खरीद में हुए घोटालों का सबूत दिया। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या में जमीनों की खरीद में महाघोटाला हुआ है। चार करोड़ की जमीन कुछ ही दिनों के बाद आठ करोड़ में खरीदी गईं और इसमें राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से जुड़े लोग शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि महाघोटाले से जुड़े सबूत दस्तावेजों के रूप में एसआईटी को सौंप दिए गए हैं जिस पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है। अब देखते हैं कि क्या कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के नाम पर महाघोटाला हुआ है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के बीच एक ऐसा तथ्य सामने आया है, जिसने ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्ष 2020 में ट्रस्ट के गठन के कुछ ही महीनों बाद निजी ऑडिट फर्म ने दान प्रबंधन, आभूषणों के रिकॉर्ड, वित्तीय निगरानी और प्रशासनिक व्यवस्था में गंभीर खामियों की ओर संकेत कर सुधार की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद ध्यान नहीं दिया गया। सूत्रों के मुताबिक फर्म ने रिपोर्ट में कहा था कि वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए जरूरी अभिलेखों का अभाव है और प्रबंधन की जवाबदेही तय करने वाली स्पष्ट प्रशासनिक व्यवस्था भी नहीं है।

एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में भी चढ़ावे और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल उठे हैं, ऐसे में छह साल पुरानी इस ऑडिट रिपोर्ट को अपनी जांच का अहम आधार बन सकती है। सबकुछ पता था तब भी की अनदेखी : ट्रस्ट को चेताया गया था कि बिना मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के वित्तीय और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना कठिन होगा। फर्म ने लेन-देन, डाटा प्रबंधन, मानव संसाधन और रिकॉर्ड संधारण के लिए विस्तृत एसओपी लागू करने की सिफारिश की थी।

भिखारी बनकर घर में घुसकर की चोरी

नंद्याल, 25 जून (एजेंसियां)। नंद्याल ज़िले के कोवेलकुंटला मंडल के सौरदिन्ने गाँव में एक अपराधी ने फ़कीर का वेश धरकर एक महिला को धोखा दिया और 50 हज़ार रुपये नकद चुरा लिए। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। उसने पूजा-पाठ का झांसा देकर लोगों का भरोसा जीता और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इस घटना का मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सौरदिन्ने गाँव की रहने वाली कासिम्भी नाम की महिला अपने घर पर थी, तभी एक व्यक्ति भिखारी के वेश में वहाँ आया। उसने कहा कि महिला का परिवार कुछ परेशानियों और मुश्किलों का सामना कर रहा है और अगर वे पूजा करें तो सब ठीक हो जाएगा। महिला उसकी बातों पर यकीन कर बैठी। अपराधी ने महिला को एक विशेष पूजा करने के लिए राजी कर लिया।

पूजा के लिए ज़रूरी सामान लाने के लिए कासिम्भी पास की दुकान पर चली गई। भिखारी ने इस मौके का फ़ायदा उठाया और घर में घुसकर नकदी ले ली। उसने घर में रखे 50 हज़ार रुपये नकद चुराए और वहाँ से भाग निकला। कुछ देर बाद जब कासिम्भी घर लौटी तो नकदी गायब देखकर हैरान रह गई। भिखारी के भी वहाँ न होने पर उसे ठगे जाने का एहसास हुआ। उसने तुरंत परिवार वालों को जानकारी दी और फिर पुलिस से संपर्क किया।

महायुति सरकार के अत्यधिक खर्च से महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था पर संकट: शिवसेना यूबीटी

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) ने गुरुवार को दावा किया कि 2026-27 के वार्षिक बजट के महज तीन महीने बाद महायुति सरकार द्वारा 97,706.40 करोड़ रुपए की पूरक मांगें पेश करने का कदम महाराष्ट्र के वित्तीय अनुशासन में आई गिरावट को उजागर करता है। पार्टी ने कहा कि सार्वजनिक ऋण लगभग 11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने, 60,000 करोड़ रुपए के वार्षिक ब्याज बोझ और राज्य के खजाने से मनमाने ढंग से खर्च किए जाने के कारण महाराष्ट्र सरकार की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) ने पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में कहा कि वर्तमान स्थिति उस अर्थशास्त्र के छात्र की तरह है, जो परीक्षा के दौरान अपनी उत्तर पुस्तिका में एक के बाद एक कई अनुपूरक प्रश्न जोड़ता है, और परिणाम घोषित होने पर मुश्किल से उत्तीर्ण हो पाता है। मुख्यपत्र 'सामना' में टिप्पणी की गई, महाराष्ट्र की अनुपूरक प्रश्न मांगने वाली सरकार अनुपूरक प्रश्नों की मांग में रिकॉर्ड बनाकर राज्य की तबाह अर्थव्यवस्था का सार्वजनिक रूप से मजाक उड़ा रही है। संपादकीय में तर्क दिया गया कि किसी भी सरकार के लिए बजट के तुरंत बाद पूरक मांग बेहद शर्मनाक होता है। संपादकीय में कहा गया, अनुत्पादक गतिविधियों पर अंधाधुंध खर्च के कारण राज्य सरकार की वित्तीय योजना पूरी तरह से पटरी से उतर गई है।

महाराष्ट्र कभी वित्तीय अनुशासन के लिए प्रसिद्ध था, लेकिन पिछले चार वर्षों में यह प्रतिष्ठा पूरी तरह से धूमिल हो गई है। इन चार वर्षों के दौरान महायुति सरकार ने लगभग 5 लाख करोड़ रुपए की पूरक मांगें लाने का सिलसिला जारी रखा है। यह बजट से अधिक खर्च का विश्व रिकॉर्ड है। शिवसेना (यूबीटी) का कहना है कि आदर्श रूप से यदि वित्तीय वर्ष के अंत में आवंटित धनराशि कम पड़ जाए या कोई नई योजना अचानक शुरू हो जाए तो अगले बजट से कुछ ही दिन पहले पूरक मांगों का उपयोग किया जाना चाहिए, लेकिन आज आवंटन जानबूझकर मुख्य बजट में छिपाए जाते हैं, और राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरक मागों के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए की मांग की जाती है।

बठिंडा में बीजेपी नेता की क्लीनिक पर बम हमले के दो आरोपी गिरफ्तार, भागने की कोशिश में फ्लाईओवर से कूदने पर घायल

बठिंडा, 25 जून (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा में भाजपा नेता के क्लीनिक पर हुए पेट्रोल बम हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में शामिल तीन आरोपियों की पहचान कर ली है। इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने इस मामले में अबोहर निवासी नकुल कुमार और गुरविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए बठिंडा लाया जा रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने पुलिस को चकमा देने की कोशिश की और बहाना बनाकर वाहन रुकवाया। मौके का फायदा उठाते हुए दोनों आरोपी हिरासत से भागने के इरादे से एक फ्लाईओवर से नीचे कूद गए। फ्लाईओवर से छलांग लगाने के कारण दोनों आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरविंदर सिंह के पैर में फ्रैक्चर आया है, जबकि नकुल कुमार के हाथ में फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने दोनों को दोबारा अपने कब्जे में लेकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अंडे के कॉन्ट्रैक्टर की गड़बड़ी

अंडे सप्लाई करने वाले कॉन्ट्रैक्टर की गड़बड़ी को एपी मंत्री ने रंगे हाथों पकड़ा

तुक्कुलुरु, 25 जून (एजेंसियां)। एपी मंत्री कोलुसु पार्थसारथी के सामने आ गई। मंत्री ने आईसीडी के तहत सप्लाई होने वाले अंडों की हेराफेरी करते हुए कॉन्ट्रैक्टर को रंगे हाथों पकड़ा। उन्होंने तुरंत इस मामले की जानकारी महिला एवं बाल कल्याण मंत्री संध्या रानी और वरिष्ठ अधिकारियों को दी। मंत्री पार्थसारथी एलुरु जिले के दौरे पर थे और वहां एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। वापसी के समय, नुजीविडु मंडल के तुक्कुलुरु के पास उनकी गाड़ी रुकी।

जब मंत्री टीडीपी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे, तभी उधर से एक गाड़ी गुजरी। उस गाड़ी को देखकर उन्हें शक हुआ।मंत्री पार्थसारथी ने उस गाड़ी के ड्राइवर से पूछा कि वह सामान कहाँ ले जा रहा था। ड्राइवर हिचकिचाया और बेतुके जवाब दिए। मंत्री ने तुरंत गाड़ी में रखे अंडों की जांच की और पूछा कि उन पर स्टैम्प क्यों नहीं लगा है। स्टॉक रिकॉर्ड में बिना असल सप्लाई के ही कागजों पर अंडे देने की एंट्री की जा रही थी। मंत्री ने हस्ताक्षरों की संख्या पर ध्यान दिया। पता चला कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को अंडे देने के बजाय उनकी तस्करी की जा रही थी।

मंत्री ने चिंता जताई कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए ज़रूरी पौष्टिक भोजन उन तक नहीं पहुँच पा रहा है।मंत्री पार्थसारथी ने तुरंत नुजीविडु के सीडीपीओ विजयकुमार को वीडियो कॉल किया और साथ में मौजूद गाड़ी भी दिखाई। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, 'आप सीडीपीओ होकर भी गुमराह करने वाली बातें कर रहे हैं।' उन्होंने तुरंत विभागीय कार्रवाई करने और कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया।

पुलिस एस्कॉर्ट के साथ उस गाड़ी को नुजीविडु स्थित आईसीडी कार्यालय ले जाया गया। साथ ही, इस हेराफेरी के मामले की शिकायत महिला एवं बाल कल्याण मंत्री संध्या रानी से भी की गई। मंत्री संध्या रानी ने कहा कि इस हरकत के लिए दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संजय राउत ने बागी सांसद पाटिल पर लगाए गंभीर आरोप, गिरफ्तारी और एफआईआर दर्ज करने की मांग

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती को पत्र लिखा है। उन्होंने शिवसेना-यूबीटी छोड़कर एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हुए सांसद संजय पाटिल पर धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही, राउत ने सांसद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। संजय राउत ने कथित बयानों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि 'बागी' सांसद संजय पाटिल ने प्रदर्शनकारियों को जान से मारने की धमकी दी है। राउत ने कहा कि संजय पाटिल के सभी बयान आतंकवाद और आपराधिक गतिविधियों में उनकी संलिप्तता का सबूत हैं। उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए, वरना मुझे जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने पर मजबूर होना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा, सांसद पाटिल की धमकियों ने समाज में डर का माहौल बना दिया है। मैं यहां स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि अगर इस दौरान किसी राजनीतिक कार्यकर्ता पर हमला या हत्या होती है, तो इसके लिए पूरी तरह से संजय पाटिल जिम्मेदार होंगे। मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती को भेजे अपने पत्र में शिवसेना-यूबीटी के सांसद ने लिखा, मैं आपका ध्यान एक गंभीर मामले की ओर दिलाना चाहता हूं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब) पार्टी से अलग हुए छह सांसद पूरे देश में जनता की नाराजगी का शिकार बन गए हैं। इस दल-बदल को लेकर महाराष्ट्र के लोगों में भारी आक्रोश है। खुद को ठगा हुआ महसूस करते हुए मतदाता कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

विरोध करना और चुने हुए प्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। हालांकि, उत्तर-पूर्व मुंबई के 'बागी' सांसद संजय पाटिल ने प्रदर्शनकारियों को जान से मारने की धमकी दी है। संजय राउत के अनुसार, सांसद पाटिल ने प्रदर्शनकारियों को धमकी देते हुए अपने तथाकथित बयान में कहा, मुझसे पंगा मत लो। मेरे खिलाफ विरोध करने से पहले अपना जीवन बीमा (लाइफ इंश्योरेंस) करवा लो। मैं तुम्हें सीधे श्मशान या अस्पताल भेज दूंगा। धमकी देते हुए वे आगे कहते हैं, मैंने पहले भी पांच लोगों को मारा है। अगर कोई मेरे खिलाफ विरोध करेगा, तो मैं उन पर बम फेंकूंगा। मैं उनके घरों में घुसकर उन्हें मार डालूंगा।

'पति की प्रॉपर्टी नहीं है पत्नी'

एचसी ने ये कहकर खारिज की याचिका, 50000 का जुर्माना भी लगाया

कटक, 25 जून (एजेंसियां)। हेवियस कार्पस मामले को अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए एक अस्त्र के तौर पर अक्सर इस्तेमाल करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। विपक्ष के ऊपर दबाव डालने के लिए इस तरह की मामले का आश्रय लिया जा रहा है। यह बात स्पष्ट करने के साथ-साथ हाईकोर्ट आवेदनकारी पति को 50 हज़ार रूपये की जुर्माना राशि से दंडित किया है। आवेदनकारी पति लंबोदर पात्र वैवाहिक कलह के चलते घर छोड़कर चले जाने वाली पत्नी को वापस लाने के लिए इस तरह का मामला हाई कोर्ट में दर्ज किया था। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस हरीश टंडन और न्यायाधीश जस्टिस एम। एस रमण को लेकर गठित खंडपीठ मामले की सुनवाई के मौके पर पत्नी पति की संपत्ति नहीं है, यह कहा है।

यह बात कहने के साथ-साथ आवेदनकारी की याचिका को हाईकोर्ट खारिज कर दिया है। आवेदनकारी हाईकोर्ट में एक पिटीशन दर्ज करते हुए अपने पत्नी को खोज निकालने के लिए गुहार लगाया था। लेकिन मामले की सुनवाई के समय हाई कोर्ट को पता चला कि, पति-पत्नी के बीच मतभेद तथा कलह था। जिसके चलते पत्नी घर छोड़कर चली गई थी। हाई कोर्ट ने कहा की, पत्नी सवालिक है, वह इस संबंध में खुद निर्णय ले सकेगी। इसलिए पत्नी को पति की संपत्ति नहीं कहा जा सकेगा। अगर पत्नी पति को छोड़कर जाना चाहती है तो, इस क्षेत्र में हाई कोर्ट उनके अदालत में आने के लिए या फिर उनके पति के घर पर हाजिर होने के लिए नहीं कह सकेगा। पति-पत्नी के बीच मतभेद बढ़ने के साथ विवाद आगे जा रहा है। उस क्षेत्र में इस मामले को दर्ज करते हुए निजी स्वास्थ्य को पूरा नहीं किया जा सकता है ।

पत्नी अपनी मर्जी से घर छोड़कर चली गई है। यह बात आवेदनकारी याचिका से पता चल रहा है। लेकिन आवेदनकारी ठीक उद्देश्य से अदालत को नहीं आने के चलते हाई कोर्ट उनके ऊपर 50 हज़ार रूपये की जुर्माना लगाया है। यह रकम दो सप्ताह के अंदर राज्य कानून सेवा प्राधिकरण में जमा किया जाएगा। इस राशि को बाल अपराधियों की कल्याण की क्षेत्र में निवेश किया जाएगा।

फोरलेन पर एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, स्कॉर्पियो से 101 ग्राम हेरोइन बरामद

बिलासपुर, 25 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) मंडी की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बिलासपुर के धराड़सानी फोरलेन पर एक स्कॉर्पियो वाहन से 101 ग्राम हेरोइन, जिसे स्थानीय भाषा में चिट्टा भी कहा जाता है, बरामद की गई है। इस मामले में पुलिस ने पंजाब के मोगा निवासी तीन युवकों को गिरफ्तार किया है और उनके खिलाफ एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, एसटीएफ मंडी की टीम धराड़सानी फोरलेन के समीप नियमित गश्त और नाकाबंदी पर तैनात थी। इसी दौरान, पंजाब नंबर की एक स्कॉर्पियो वाहन को जांच के लिए रोका गया। वाहन में सवार तीन युवकों से जब पूछताछ की गई, तो उनके जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। पुलिस को संदेह हुआ और उन्होंने वाहन की गहन तलाशी लेने का निर्णय लिया। तलाशी के दौरान, पुलिस को स्कॉर्पियो के डैशबोर्ड के अंदर छिपाकर रखी गई एक सफेद रंग की जुराब बरामद हुई। इस जुराब के भीतर मिले संदिग्ध पदार्थ को इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौला गया, जिसका वजन 101 ग्राम पाया गया। प्रारंभिक जांच में यह पदार्थ हेरोइन (चिट्टा) निकला, जो एक अत्यंत नशीला पदार्थ है।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया नया मोड़

जैकलीन फर्नांडिस ने कोर्ट से वापस ली याचिका

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार, 25 जून 2026 को बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को पटियाला हाउस कोर्ट की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपनी स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) वापस लेने की इजाजत दे दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने याचिका वापस लेने की अनुमति दी है। 30 मई 2026 को कोर्ट ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के कथित जबरन वसूली रैकेट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उनके खिलाफ आरोप तय किए थे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की वेकेशन बेंच ने याचिका वापस लेने की इजाजत तब दी, जब एक्ट्रेस जैकलीन के वकील ने याचिका वापस लेने और उचित कानूनी रास्ता अपनाने की अनुमति मांगी। यह मामला अगस्त 2021 में अदिति सिंह की शिकायत से शुरू हुआ था।

उन्होंने आरोप लगाया था कि कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के नेतृत्व वाले एक सिंडिकेट ने उनके साथ लगभग 200 करोड़ की धोखाधड़ी की। यह सिंडिकेट जेल से ही सीनियर सरकारी अधिकारिक बन काम करता

था। दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज मुख्य अपराध (प्रेडिकेट ऑफेंस) के आधार पर ईडी ने पीएमएलए के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया। ईडी के अनुसार सुकेश ने अपराध से मिली रकम का इस्तेमाल कई मशहूर हस्तियों के लिए लग्जरी तोहफे और फायदे के लिए किया था। आरोप है कि जैकलीन फर्नांडिस को भी इसका फायदा मिला था, क्योंकि सुकेश ने लगभग 5.71 करोड़ रुपये के तोहफे उन्हें दिए थे, जिनमें लग्जरी बैग, गहने, घड़ियां, परिवार के सदस्यों के लिए गाड़ियां, विदेशी फंड ट्रांसफर और अन्य महंगी चीजें शामिल थीं। 3 जुलाई 2025 को दिल्ली हाई कोर्ट ने ईसीआईआर और प्रॉसिक्यूशन की शिकायत को रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जैकलीन को 200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की कितनी जानकारी थी और उनका इरादा क्या था? इसका फैसला सिर्फ ट्रायल के दौरान ही किया जा सकता है, चार्ज तय करने से पहले नहीं। कोर्ट ने माना कि चार्ज तय करने की कार्यवाही अभी लंबित है और प्रॉसिक्यूशन के मामले को पूरे ट्रायल के बिना खारिज नहीं किया जा सकता। इसके बाद 30 मई 2026 को पटियाला हाउस कोर्ट स्थित स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने सुकेश चंद्रशेखर, जैकलीन फर्नांडिस और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्ज तय करने का आदेश दिया।

आजम को झटका: जौहर ट्रस्ट पर रजिस्ट्रेशन रद्द होने पर पड़ेगी भारी आयकर की मार! लगाई जा सकती है बड़ी पेनाल्टी

रामपुर, 25 जून (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने जौहर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद ट्रस्ट पर भारी कर और पेनाल्टी लगाई जा सकती है। हालांकि, ट्रस्ट के पास ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प खुला है। आयकर विभाग ने यह कार्रवाई सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खां से जुड़े जौहर ट्रस्ट पर की है। यह निर्णय वर्ष 2023 में आयकर छापों के दौरान मिली गड़बड़ियों के आधार पर लिया गया है। विभाग ने ट्रस्ट से इन गड़बड़ियों पर स्पष्टीकरण मांगा था लेकिन ट्रस्ट तय समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जीएसटी और आयकर अधिवक्ता गौरव गुप्ता के अनुसार, आयकर विभाग ने ट्रस्ट का 12एबी रजिस्ट्रेशन खत्म कर दिया है। अब ये ट्रस्ट चैरिटेबल नहीं रहेगा। इससे ट्रस्ट की पूरी कमाई को अब एक सामान्य कारोबार की तरह माना जाएगा।

ट्रस्ट की आय पर सामान्य व्यावसायिक दरों से भारी कर वसूला जा सकता है। रजिस्ट्रेशन रद्द होने के बाद आयकर विभाग ट्रस्ट की चल-अचल संपत्ति का बाजार मूल्य पर मूल्यांकन करेगा। इसमें जमीन, इमारत और बैंक बैलेंस शामिल हैं। इसके अलावा, विभाग कार्रवाई की अवधि से लेकर अब तक की आय, चंदे और संपत्ति पर भारी कर के साथ ब्याज और पेनाल्टी भी लगा सकता है। ऐसा होने पर में ट्रस्ट की मुश्किलें बढ़ना तय है। गौरव गुप्ता के अनुसार 12एबी का पंजीकरण मुख्य रूप से एनजीओ, ट्रस्ट, और गैर-लाभकारी संगठनों के लिए होता है। इसे प्राप्त करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि संगठन को अपनी प्राप्त आय (दान या अनुदान) पर कोई आयकर नहीं देना पड़ता, बशर्ते उस धन का उपयोग सामाजिक या धार्मिक कार्यों में किया गया हो। पूर्व मंत्री आजम खां और उनके परिजनों के जौहर ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन आयकर विभाग ने निरस्त कर दिया है। विभाग ने ट्रस्ट को अपना पक्ष प्रस्तुत करने एवं स्पष्टीकरण देने के लिए पर्याप्त अवसर दिया था। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कार्रवाई की है। वर्ष 2023 में जौहर ट्रस्ट पर आयकर विभाग के छापों में ट्रस्ट द्वारा की गईं गड़बड़ियों की गहन जांच के बाद रजिस्ट्रेशन निरस्त किया गया है।

जांच में ट्रस्ट की गतिविधियां अवास्तविक पाई गईं, जो पंजीकरण की शर्तों का उल्लंघन था। आयकर विभाग, लखनऊ के प्रधान आयुक्त (केंद्रीय) गौरव बॉथम ने बीते दिनों ट्रस्ट पर लगे तमाम आरोपों को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब दाखिल करने को कहा था। सूत्रों के मुताबिक ट्रस्ट की ओर से इस बाबत कोई जवाब नहीं दिया गया। जिसके बाद रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 26 जून, 2026 3

सुविचार

लोभ को अभी जीतने का प्रयास करें, क्योंकि 'मानव जब बूढ़ा भयो, तृष्णा भई जवान'

बीसी गुरुकुलों में बड़े सुधार, संस्थान का नाम बदला जाएगा

> मंत्री पोन्नम प्रभाकर की अध्यक्षता में अहम बैठक

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में बीसी (पिछड़ा वर्ग) विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना बीसी वेलफेयर रेसिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी की 6वीं बोर्ड ऑफ गवर्नर्स बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इस बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना के परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने की। बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, प्रशासनिक सुधार और आधारभूत ढांचे के विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सबसे बड़ा निर्णय यह रहा कि बीसी गुरुकुल स्कूलों का नाम बदलकर तेलंगाना पिछड़ा वर्ग कल्याण महात्मा ज्योतिबा फुले शैक्षणिक संस्थान सोसाइटी करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया। अधिकारियों के अनुसार यह कदम संस्थानों के प्रशासन और

संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। इसके अलावा बीसी गुरुकुलों से पढ़कर आईआईटी, आईआईआईटी और एनआईटी जैसे राष्ट्रीय संस्थानों में चयनित छात्रों को लैपटॉप देने का निर्णय लिया गया है, जिससे छात्रों की डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि एमजेपी कृषि कॉलेजों में अब केवल बीसी गुरुकुल छात्रों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

साथ ही छात्र-छात्राओं के हित में कई अन्य शैक्षणिक सुधारों को भी मंजूरी दी गई। छात्रों की मृत्यु की स्थिति में उनके परिजनों को 2 लाख की अनुग्रह राशि देने का निर्णय भी लिया गया है। वहीं प्रिंसिपल पदों पर 70 प्रतिशत पदोन्नति और 30 प्रतिशत सीधी भर्ती की मौजूदा व्यवस्था को जारी रखने पर सहमति बनी। क्षणिक संस्थानों में डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए डेस्कटॉप कंप्यूटर और जूनियर कॉलेजों में इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। ठक में यह भी कहा गया कि सेवानिवृत्त प्रिंसिपलों को अकादमिक सलाहकार के रूप में उपयोग करने के लिए एक समिति गठित की जाएगी।

इसके अलावा राज्य में 12 सैनिक स्कूलों की स्थापना से जुड़े प्रस्ताव पर केंद्र सरकार से स्थिति रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बीसी छात्रों को बेहतर शिक्षा और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अधिक अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ये निर्णय शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएंगे।

29 जून को तेलंगाना के 8 स्थानों पर

ईपीएफओ का निधि आपके निकट 2.0 अभियान

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के रंगारेड्डी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा निधि आपके निकट 2.0 (निधि आपके निकट 2.0) नामक जिला स्तरीय जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन 29 जून को तेलंगाना के आठ अलग-अलग स्थानों पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों और नियोक्ताओं को ईपीएफ सेवाओं और लाभों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 5:45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन विकाराबाद के सेंट जूड्स हाई स्कूल, महबूबनगर स्थित पालमुर विश्वविद्यालय, शादनगर के दिव्यश्री इस्पात प्रा. लि. (पर्गी रोड), नागरकर्नूल के कालवाकुर्थी स्थित पीएसीएस, हैदराबाद के माधापुर स्थित जगदंबा सिक्योरिटी सर्विसेज प्रा. लि., नारायणपेट के बीड़ी वर्क्स (बशीरुद्दीन बीड़ी वर्क्स), गडवाल जिले के जोगुलाम्बा स्थित पीएसीएस पुट्टंडोड्डी तथा वनपर्ती के कोठाकोटा स्थित पीएसीएस में किया जाएगा।

'इंदिरम्मा घरों' का निर्माण 10 मंजिला इमारतों में होगा : पोंगुलेटी

> सरकार दिशा-निर्देशों वाली विस्तृत ब्रोशर जारी करेगी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने गरीबों के लिए आवास योजना के तहत बड़ा निर्णय लेते हुए इंदिरम्मा घरों का निर्माण अब सीयूआरई (क्योर) क्षेत्र में 10 मंजिला इमारतों के रूप में करने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य लाभार्थियों को उनके आजीविका स्थल के निकट ही

सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। यह जानकारी राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद दी।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की सोच के अनुरूप सरकार का लक्ष्य गरीबों को उनकी आजीविका, बच्चों की शिक्षा और पारिवारिक जीवन को प्रभावित किए बिना आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए विधानसभा क्षेत्र को इकाई मानते हुए निर्माण कार्य किया जा रहा है। सरकार ने इस योजना के तहत पहले चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 500 घर बनाने का निर्णय लिया है। पूरे सीयूआरई क्षेत्र में इस वर्ष लगभग एक लाख घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने बताया कि 26 विधानसभा क्षेत्रों में से लगभग 20 स्थानों पर जमीन की पहचान हो चुकी है और शेष स्थानों को 28 जून तक अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी स्थलों के लिए डिजाइन, प्लान और निर्माण मॉडल भी इसी समय सीमा में तैयार करने को कहा गया है। सरकार जुलाई के पहले सप्ताह में इंदिरम्मा घर योजना से जुड़ी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और दिशा-निर्देशों वाली विस्तृत ब्रोशर जारी करेगी।

मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि इन घरों में महिलाओं को संपत्ति अधिकार के तहत हिस्सेदारी दी जाएगी और रजिस्ट्रेशन भी महिलाओं के नाम पर किया जाएगा। इसके अलावा राज्य में राजस्व विभाग के अंतर्गत आरडीओ और तहसीलदार कार्यालयों के लिए एक समान मॉडल पर स्थायी भवनों के निर्माण की योजना पर भी काम चल रहा है। अधिकारियों को जिलों के कलेक्टरों के साथ समन्वय कर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और आवास योजनाओं से जुड़े कई तकनीकी एवं प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

मागंटी गोपीनाथ की पुण्यतिथि पर केटीआर ने दी श्रद्धांजलि

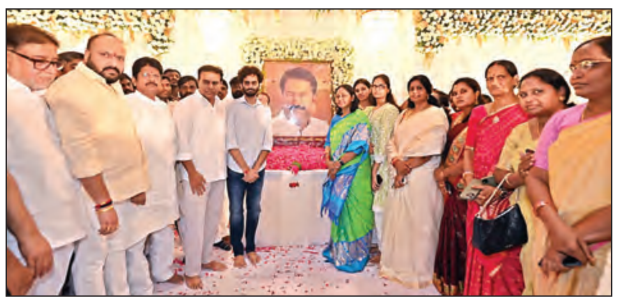

हैदराबाद 25 जून (स्वतंत्र वार्ता) । दिवंगत पूर्व विधायक मागंटी गोपीनाथ की पुण्यतिथि के अवसर पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने उनके चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। शौर्य कन्वेंशन में आयोजित पुण्यतिथि कार्यक्रम में बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर दिवंगत नेता के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद किया गया। केटीआर ने कहा कि मागंटी गोपीनाथ ने जनसेवा और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य किया। उनके योगदान और सेवाओं को हमेशा याद रखा जाएगा।

उन्होंने दिवंगत नेता के साथ बिताए अनुभवों को साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी दिवंगत पूर्व विधायक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा किए गए जनहित कार्यों को स्मरण किया। बीआरएस नेताओं ने कहा कि मागंटी गोपीनाथ की सेवाएं और जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

संविदा, आउटसोर्सिंग और अन्य अस्थायी कर्मचारियों को भी लाभ : उपमुख्यमंत्री

सरकारी कर्मचारियों के लिए 1.25 करोड़ रुपये के मुफ्त दुर्घटना बीमा की घोषणा की

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि जन सरकार ने राज्य भर में लाखों सरकारी कर्मचारियों के परिवारों को सुरक्षा और आश्वासन प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने कर्मचारियों के लिए एक अभिनव मुफ्त बीमा योजना को मंजूरी दी है, जो देश में अभूतपूर्व है। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार ने बैंकों के साथ बातचीत करके यह सुनिश्चित किया है कि सरकार या कर्मचारियों पर एक रुपये का भी अतिरिक्त बोझ डाले बिना यह व्यापक बीमा सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि इस बीमा योजना के तहत, सामान्य दुर्घटना में मरने वाले कर्मचारी के परिवार को 1.25 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि हवाई दुर्घटना की स्थिति में मुआवजा 2 करोड़ रुपये से 3 करोड़ रुपये के बीच होगा। 18 से 60 वर्ष की आयु के कर्मचारियों को 10 लाख रुपये की जीवन बीमा पॉलिसी का लाभ मिलेगा। यह योजना दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाली स्थायी पूर्ण विकलांगता या आंशिक विकलांगता के मामलों में वित्तीय सहायता

भी प्रदान करती है। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कवरेज न केवल नियमित कर्मचारियों बल्कि संविदा, आउटसोर्सिंग और अन्य अस्थायी कर्मचारियों तक भी विस्तारित है, जिनका वेतन हर महीने सरकारी रिकॉर्ड के माध्यम से भुगतान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार को अपने परिवार के मुखिया से जुड़ी किसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण रातोंरात आर्थिक संकट में नहीं धकेलना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कर्मचारी केवल वेतनभोगी नहीं हैं, सरकार चाहती है कि उनके परिवार को यह महसूस हो कि जरूरत के समय सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार कर्मचारियों के स्वास्थ्य कार्ड के लंबे समय से लंबित मुद्दे का स्थायी समाधान प्रदान कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रिमंडल ने एक समर्पित ट्रस्ट स्थापित करने का भी निर्णय लिया है जो सभी कर्मचारियों को व्यापक कैशलेस चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा में उल्लेखनीय मजबूती आएगी।

बंदरों के आतंक से परेशान किसान

अब धान की नर्सरियां भी बना रहे निशाना

सिद्दिपेट, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नांगनूर मंडल में बंदरों का बढ़ता आतंक किसानों के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। पहले फल और सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले बंदर अब धान की नर्सरियों को भी अपना निशाना बना रहे हैं। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है और उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

नांगनूर के बाहरी क्षेत्र में स्थित अपनी धान की नर्सरी का निरीक्षण करने पहुंचे किसान नेल्लुतला कनकैय्या उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने देखा कि बड़ी संख्या में बंदर नर्सरी में घुसकर धान के पौधों को खा रहे हैं और उन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं। कनकैय्या ने दो एकड़ भूमि में रोपाई के लिए पर्याप्त धान की नर्सरी तैयार की थी और लगभग 20 दिनों बाद रोपाई का कार्य शुरू करने की योजना बना रहे थे। लेकिन बंदरों के हमले ने उनकी मेहनत और उम्मीदों को गहरा झटका पहुंचाया। किसानों का कहना है कि यह समस्या केवल कनकैय्या तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे नांगनूर मंडल में धान की नर्सरियां बंदरों के हमलों का सामना कर रही हैं। जब जंगलों और आसपास के क्षेत्रों में बंदरों को पर्याप्त भोजन नहीं मिलता, तो वे खेतों में पहुंचकर धान की नर्सरियों और अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाने लगते हैं। कनकैय्या ने बताया कि बंदरों के लगातार हमलों के कारण गांव के कई किसानों ने फल और सब्जियों की खेती करना ही छोड़ दिया है। उन्हें डर रहता है कि बंदर फसल तैयार होने से पहले ही उसे नष्ट कर देंगे, जिससे उनकी पूरी मेहनत और निवेश बेकार हो जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि लोगों ने अपने घरों के पीछे फलदार पौधे लगाना भी बंद कर दिया है। बंदर केवल फलों को नुकसान नहीं पहुंचाते, बल्कि घरों में घुसकर सामान भी खराब कर देते हैं और कई बार लोगों पर हमला भी कर देते हैं।

चालक की सतर्कता से टला बड़ा हादसा चलती बस के इंजन से निकला धुआं

आदिलाबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के डोंगरगांव के पास गुरुवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब एक टीजीएसआरटीसी बस के इंजन से अचानक धुआं निकलने लगा। बस चालक की तत्परता और सूझबूझ के कारण सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, टीजीएसआरटीसी की बस आदिलाबाद से निर्मल की ओर जा रही थी। बस में लगभग 20 यात्री सवार थे। यात्रा के दौरान डोंगरगांव गांव के निकट चालक ने बस के इंजन से धुआं निकलते देखा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उसने बिना समय गंवाए बस को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रोक दिया।

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.05/2026/एआईसीआरपीडीए

अस्थायी तौरपर यंग प्रोफेशनल-॥ (1 पद) की भर्ती हेतु दि.07-07-2026 के 10.00 बजे साक्षात्कार का आयोजन हो रहा है। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.06/2026/बीयूआर

अस्थायी तौरपर रीसर्च एसोसिएट (1 पद) की भर्ती हेतु दि.08-07-2026 के 10.00 बजे साक्षात्कार का आयोजन हो रहा है। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph: 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax: 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail: hoa.crida@icar.org.in

विज्ञापन सं.07/2026/सीआरआईडीए

अस्थायी तौरपर यंग प्रोफेशनल-। (1 पद) की भर्ती हेतु दि.10-07-2026 के 10.00 बजे साक्षात्कार का आयोजन हो रहा है। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

लूट की वारदात का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने एक लूट मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 20 जून की तड़के वट्टेपल्ली क्षेत्र में एक ऑटो चालक को चाकू की धमकी देकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार आरोपी महबूब उर्फ बाबा, सद्दाम उर्फ खलील और रहील ने गुन्टल शाह बाबा दरगाह के पास ऑटो चालक को रोककर उससे मोबाइल फोन और 1,600 नकद लूट लिए थे। पुलिस ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए वट्टेपल्ली स्थित एक होटल के पास तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में से दो आरोपी महबूब उर्फ बाबा और सद्दाम उर्फ अब्दुल कलीम मैलारदेवपल्ली थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर बताए गए हैं।

आरोपियों में मोहम्मद महबूब उर्फ बाबा (25 वर्ष), निवासी स्टार कॉलोनी, वट्टेपल्ली, मोहम्मद सद्दाम उर्फ खलील (29 वर्ष), निवासी गुन्टल बाबा दरगाह, वट्टेपल्ली, शेख रहील (36) निवासी रोशन कॉलोनी, वट्टेपल्ली शामिल है। आरोपियों के पास से 16 सौ रुपए, एक चाकू, मोबाइल फोन, एक होंडा एक्टिवा स्कूटर, एक बाइक, एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी रहा है, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर बी. सत्यनारायण और एसआई पी. विश्वनाथ रेड्डी के नेतृत्व में मैलारदेवपल्ली पुलिस टीम द्वारा की गई।

छात्रों की आवाज से बनेगा देश का भविष्य : महेश कुमार गौड़

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोता रोहित मुदिराज के नेतृत्व में नारायणगुड़ा में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने सामाजिक, शैक्षणिक और तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने नवाचारपूर्ण विचार, सुझाव और राय प्रस्तुत की। इस अवसर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार के अवसर, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। अपने संबोधन में पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि आज के छात्रों की सोच और दृष्टिकोण ही कल के भारत की दिशा तय करेंगे। उन्होंने युवाओं से समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। खैरताबाद जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मोता रोहित मुदिराज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी युवाओं को अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए मंच उपलब्ध कराना अपनी जिम्मेदारी मानती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि छात्रों में नेतृत्व क्षमता, विश्लेषणात्मक सोच और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी की भावना और अधिक विकसित होगी। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। छात्रों ने भी अपने विचार रखकर शिक्षा और रोजगार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सुझाव दिए। कार्यक्रम को युवाओं और छात्रों की भागीदारी के लिहाज से सफल बताया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के पहले दिन जिला निर्वाचन अधिकारी एवं ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आयुक्त आर.वी. कर्णन ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर प्रक्रिया की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पूरी पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जाए। अभियान के तहत कर्णन ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के फिल्म नगर स्थित ज्ञानी जैल सिंह नगर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर वितरित किए जा रहे चुनावी गणना प्रपत्रों की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से अभियान की प्रगति की जानकारी प्राप्त की।

पूर्व मंत्री हरीश राव ने युवक को दिलाया कृत्रिम पैर, लौटी नई जिंदगी की उम्मीद

सिद्दिपेट, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए पहचान रखने वाले पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने एक दुर्घटना में अपना पैर गंवा चुके युवक की मदद कर उसे कृत्रिम पैर उपलब्ध कराया। कृत्रिम पैर लगने के बाद युवक एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा हो सका, जिससे उसके जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। जानकारी के अनुसार, पेद्दा कोडुर गांव निवासी 20 वर्षीय वी. रंजीत एक वर्ष पहले सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया था। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के कारण डॉक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए उसका दाहिना पैर काटना पड़ा था। इस घटना से रंजीत और उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था।

रंजीत के पिता मल्लेशम दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि उसकी मां सलवा परिवार की आर्थिक मदद के लिए बीड़ी बनाने का काम करती हैं। सीमित आय के कारण परिवार पहले से ही आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहा था। ऐसे में बेटे के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था करना उनके लिए असंभव प्रतीत हो रहा था। परिवार ने कई अस्पतालों में संपर्क किया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि रंजीत के लिए उपयुक्त कृत्रिम पैर लगाने में लगभग आठ लाख रुपये का खर्च आएगा। इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण माता-पिता निराश हो गए थे और उन्हें लगने लगा था कि उनका बेटा दोबारा सामान्य जीवन नहीं जी पाएगा।

रंजीत उस समय स्नातक पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र था। पैर खोने के बाद उसकी पढ़ाई भी प्रभावित हो गई थी। उसे यह चिंता सताने लगी थी कि वह दोबारा कॉलेज कैसे जाएगा और भविष्य में रोजगार कैसे प्राप्त करेगा। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास भी कम होने लगा था। इसी दौरान गांव की सरपंच समाला सुनीता मधु के माध्यम से पूर्व मंत्री टी हरीश राव को रंजीत और उसके परिवार की स्थिति की जानकारी मिली। इसके बाद हरीश राव ने परिवार को अपने कार्यालय बुलाया और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों से संपर्क कर रंजीत के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था करवाई। बताया गया कि लगभग पांच लाख रुपये की लागत से महज 15 दिनों के भीतर कृत्रिम पैर उपलब्ध करा दिया गया।

कृत्रिम पैर लगने के बाद रंजीत पहली बार फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सका। इस क्षण ने न केवल रंजीत बल्कि उसके पूरे परिवार को भावुक कर दिया। इस अवसर पर रंजीत ने कहा कि पैर खोने के बाद उसने जीवन से लगभग सारी उम्मीदें छोड़ दी थीं। उसे लगने लगा था कि वह अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाएगा और न ही भविष्य में नौकरी कर सकेगा। लेकिन दोबारा अपने पैरों पर खड़े होने के बाद उसका आत्मविश्वास लौट आया है और अब वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए फिर से प्रयास करेगा। रंजीत के माता-पिता मल्लेशम और सलवा ने पूर्व मंत्री टी हरीश राव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मदद से उनके बेटे को नया जीवन मिला है।

ट्रेनिंग के बाद पहली पोस्टिंग 35 हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया, जॉइनिंग के महज 49 दिन बाद सिपाही विवेक बर्खास्त

शाहजहांपुर, 25 जून (एजेंसियां)। ट्रेनिंग के बाद पहली पोस्टिंग में ही 35 हजार की रिश्वत लेते पकड़े गए सिपाही विवेक कुमार को एसपी शाहजहांपुर ने बर्खास्त कर दिया है। बुलंदशहर के थाना शिकारपुर के गांव शिवनगर धूंसरी का रहने वाला विवेक कुमार 2025 में सिपाही के पद पर भर्ती हुआ था। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद 24 अप्रैल 2026 को उसे शाहजहांपुर के जैतीपुर थाने में पहली नियुक्ति मिली थी। प्रोबेशन पीरियड में ही वह हत्या के मुकदमे में आरोपी से 35 हजार रुपए वसूलते रंगे हाथों पकड़ा गया था। इस मामले की जांच एसपी शाहजहांपुर ने सीओ सिटी को सौंपी थी। सीओ सिटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसपी ने बुधवार को सिपाही विवेक कुमार को बर्खास्त कर दिया। महज 49 दिन की नौकरी के बाद विवेक कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई है। वह थाना जैतीपुर में थाना प्रभारी अश्वनी कुमार के हमराही के रूप में काम कर रहा था।

आपातकाल की 51वीं बरसी

पर सीएम योगी ने बताया 'लोकतंत्र का काला अध्याय'

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। देश में आज 25 जून 2026 को इमरजेंसी की 51 वीं सालगिरह हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे देश के लिए काला अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान देश में लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों को चोट पहुंचाई गई और लोकतंत्र की लड़ाई लड़ने वालों को कठोर यातनाएं सहनी पड़ीं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए इमरजेंसी को याद किया।

उन्होंने लिखा- '25 जून, 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब 'आपातकाल' थोप कर देश की संवैधानिक आत्मा को कुचलने का प्रयास किया गया। सत्ता के अहंकार में कांग्रेस द्वारा थोपे गए 'आपातकाल' के अंधकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व नागरिक अधिकारों को गहरी चोट पहुंचाई। उस कठिन दौर में

कठोर यातनाएं सहकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सभी महान लोकतंत्र सेनानियों को कोटिशः नमन।' यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस अवसर पर पोस्ट किया और इसे संविधान की हत्या का दिवस बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून, 1975 वह काला दिन है, जब कांग्रेस, खासकर तब की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने 'सत्ता के अहंकार' में चूर होकर देश पर आपातकाल थोपा था। इसके ज़रिए उन्होंने संविधान को अपने शिकंजे में कसकर जनता के मूलभूत अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर जमकर प्रहार किया। उन्हें गहरी चोट पहुंचाई। 'संविधान हत्या दिवस' हमें उस काले दौर की याद दिलाता है, जब असहमति की आवाज़ों को कुचला गया, प्रेस की स्वतंत्रता पर पहरा बिठाया गया और लोकतंत्र सेनानियों को बेरहमी से जेलों की सलाख़ों के पीछे डाल दिया गया।

यह आपातकाल कांग्रेस की 'तानाशाही मानसिकता' का नतीजा था। लोकतंत्र की रक्षा के लिए तब की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अडिग रहकर संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का साहस, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। इस काले दौर का डटकर मुकाबला करने वाले उन सभी लोकतंत्र सेनानियों को बारंबार कोटि-कोटि नमन!'

मां को खोने का दर्द, चाचा की प्रेरणा और बचपन का सपना; असिस्टेंट प्रोफेसर से एसडीएम बनीं हिमाली

पटना, 25 जून (एजेंसियां)। कठिन परिस्थितियों में भी लक्ष्य पर अडिग रहने का परिणाम क्या होता है, इसकी मिसाल 70वीं बीपीएससी परीक्षा में एसडीएम पद के लिए चयनित हिमाली राज ने पेश की है। वर्तमान में वह पटना वीमेंस कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। पढ़ाई और नौकरी के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने दूसरे प्रयास में सफलता हासिल की है। अब जुलाई से शुरू होने वाली ट्रेनिंग की तैयारी में जुटी हैं। हिमाली बताती हैं कि उनके चाचा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। बचपन में उन्हें देखकर ही उन्होंने तय कर लिया था कि उन्हें भी प्रशासनिक सेवा में जाना है।

तभी से उन्होंने अपनी पढ़ाई और तैयारी को उसी दिशा में आगे बढ़ाया। उनके अनुसार सिविल सेवा ही उनका सपना था और उन्होंने कभी दूसरा विकल्प नहीं सोचा। हिमाली के जीवन में सबसे बड़ा झटका तब लगा जब कम उम्र में उनकी मां का निधन हो गया। वह कहती हैं कि मां हमेशा बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करती थीं और शिक्षा का महत्व

समझाती थीं। मां के जाने के बाद उनकी और उनके भाई-बहनों की पढ़ाई नानी के घर में हुई। हिमाली अपनी सफलता का बड़ा श्रेय नानी घर के माहौल और मामा-मामी के सहयोग को देती हैं। उनका कहना है कि कठिन समय में परिवार ने उनका हौसला बनाए रखा। इसी सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने की ताकत दी। पहले प्रयास में सफलता नहीं मिलने पर उन्हें निराशा जरूर हुई, लेकिन उन्होंने तैयारी नहीं छोड़ी। हिमाली कहती हैं कि उन्होंने हर असफलता से सीख ली और अपनी कमजोरियों पर काम किया। यही निरंतर प्रयास आखिरकार उन्हें सफलता तक ले गया।

भरत की मां रिटायर्ड जज से बोलीं- बेटे के हत्यारों को फांसी हो

एसडीएम भी दोषी, बिलौटी पहुंचकर विनोद कुमार सिन्हा ने की जांच

भोजपुर, 25 जून (एजेंसियां)। भोजपुर के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। बिहार स्टेट लॉ कमिशन की टीम गांव पहुंची। जांच आयोग के अध्यक्ष और पटना हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने मौके का निरीक्षण किया। उनके साथ शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश, भोजपुर के डीएम तनय सुल्तानिया, एसपी राज और कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। जांच के दौरान रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने भरत तिवारी के माता-पिता और भाई से मुलाकात की।

उन्होंने परिवार का पक्ष सुना और घटना से जुड़े स्थानों का निरीक्षण किया। आयोग ने मामले की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की। रिटायर्ड जज विनोद कुमार सिन्हा ने भरत के परिवार से मुलाकात की। हालांकि उन्होंने अभी मामले पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। बोले अभी शुरूआती जांच है, कुछ नहीं कहूंगा। भरत तिवारी की मां आशा देवी ने जांच टीम के सामने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि उनके बेटे की हत्या करने वालों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

आशा देवी ने कहा कि जज साहब ने पूछा कि आप क्या चाहती हैं। मैंने कहा कि मेरे बेटे को मारने वाले सभी लोगों को फांसी होनी चाहिए। जिस एसडीएम पर हमें शक है, वह भी उनके साथ आया था। मैंने उसके सामने भी यही बात कही। उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराने की भी मांग की। एनकाउंटर के आठ दिन बाद भोजपुर के एसपी राज भरत तिवारी के घर पहुंचे। उन्होंने करीब एक घंटे तक परिवार से बातचीत की। एसपी ने परिजनों से कहा कि वे कोई सफाई देने नहीं आए हैं, बल्कि परिवार की पीड़ा सुनने आए हैं।

उन्होंने निष्पक्ष जांच का भरोसा भी दिलाया। इस दौरान भरत की मां ने फिर से सीबीआई जांच और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग उठाई।

मायावती का बड़ा दांव, संगठन में फेरबदल कर इन दिग्गजों को सौंपी नई जिम्मेदारी

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। यूपी 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बीएसपी ने एक बार फिर संगठन में कई बदलाव किए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती पारंपरिक वोट बैंक को दोबारा संगठित करने और संगठन में नई जान फूंकने की कोशिश में जुटीं हैं। पार्टी ने गौतमबुद्ध नगर समेत 6 जिलों में संगठनात्मक बदलाव किया है। इसी क्रम में केंद्रीय कोऑर्डिनेटर रणधीर सिंह बेनीवाल को सहारनपुर के साथ मुरादाबाद की जिम्मेदारी दी गई है। नरेश गौतम को एक बार फिर गौतमबुद्ध नगर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पूर्व एमएलसी भीमराव अम्बेडकर, पूर्व मंत्री गयाचरन दिनकर, पूर्व एमएलसी विजय प्रताप सिंह को कानपुर मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरी तरफ पूर्व जिलाध्यक्ष लखमी सिंह, सूरज पाल और दीपक बौद्ध को नई जिम्मेदारी देते हुए मेरठ मंडल का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं पार्टी ने मनोज वर्मा को अकबरपुर सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी का मानना है कि वरिष्ठ नेताओं के दूसरे दलों में शामिल होने से रोकने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की आवश्यकता है।

पिता उदय प्रताप के साथ राजा भैया हाउस अरेस्ट

शांति व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन ने किया नजरबंद

प्रतापगढ़, 25 जून (एजेंसियां)। जिला प्रशासन ने मोहर्रम के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को उनके पिता राजा उदय प्रताप सिंह व 13 समर्थकों के साथ हाउस अरेस्ट (नजरबंद) किया है। यह एहतियाती कदम भदरी कोठी के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती के साथ उठाया गया। पुलिस सूत्रों की माने तो कुंडा के शेखपुर में वर्ष 2012 में एक बंदर की मौत के बाद ग्रामीणों ने सड़क किनारे एक हनुमान मंदिर का निर्माण किया था। राजा उदय प्रताप सिंह इसी मंदिर में हर वर्ष मोहर्रम के दिन हनुमान पाठ और भंडारे का आयोजन करते हैं। तनाव की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने हाउस अरेस्ट की कार्रवाई की है।

वर्ष 2013-14 में जुलूस और भंडारा साथ आयोजित होने पर स्थिति बिगड़ गई थी। राजा भैया के आवास के बाहर पुलिस ने हाउस अरेस्ट की नोटिस चस्पा की है। समर्थकों में निर्भय सिंह बेंती, जुगनू विश्वकर्मा हथिगवां, हनुमान पांडेय कुंडा, जीतेंद्र यादव, आनंद पाल, रमाकांत मिश्रा, भवानी विश्वकर्मा, रवि सिंह, केशरी नंदन पांडेय, जमुना प्रसाद मौर्य, गया प्रयास प्रजापति, मोहन हथिगवां शामिल हैं। सीओ कुंडा शिव नारायण वैस ने बताया कि हाउस अरेस्ट किए गए लोगों के घर पर नोटिस चस्पा कर दी गई। पुलिस फोर्स की तैनाती भी की गई है। शुक्रवार की रात नौ बजे हाउस अरेस्ट की कार्रवाई जारी रहेगी।

ज्वेलरी शोरूम में 40.95 लाख का साइबर फ्रॉड

अलग-अलग खातों से खरीदी ज्वेलरी शाहपुर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

शाहपुर, 25 जून (एजेंसियां)। क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शोरूम में अलग-अलग बैंक खातों और फर्मों के माध्यम से लाखों रुपये की ज्वेलरी खरीद के मामले में साइबर फ्रॉड और वित्तीय फर्जीवाड़े की आशंका है। बैंक की ओर से शोरूम का खाता होल्ड किए जाने के बाद मामले का पर्दाफाश हुआ। शोरूम प्रबंधन की शिकायत पर शाहपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, असुरन चौक स्थित परिवार ज्वेल्स एंड जेम्स के मैनेजर इरफान अहमद ने तहरीर देकर बताया कि चार जून को हिमेश कुमार सिंह नामक व्यक्ति शोरूम पर पहुंचा। उसने अपना आधार कार्ड और एक अन्य बैंक खाताधारक के आधार व पैन कार्ड के आधार पर आरटीजीएस के जरिये 1.48 लाख रुपये का भुगतान कर ज्वेलरी खरीदी। इसके बाद उसी दिन अलग-अलग खातों से 1.65 लाख और 8.30 लाख रुपये का भुगतान कर फिर गहने खरीदे। तहरीर के मुताबिक, आरोपी ने पांच जून को 5.49 लाख रुपये और 8 जून को 23.03 लाख रुपये का भुगतान कर ज्वेलरी खरीदी। इस तरह चार दिनों के भीतर कुल 40.95 लाख रुपये के गहनों की खरीदारी की गई। इसके बाद 11 जून को वह दोबारा शोरूम पहुंचा और एयूएम सोल्यूशंस नामक फर्म के खाते से 10 लाख रुपये का भुगतान कर ज्वेलरी लेने की कोशिश की।

लगातार अलग-अलग खातों और फर्मों से भुगतान किए जाने पर शोरूम प्रबंधन को संदेह हुआ और इसकी सूचना पुलिस को दे दी गई। शाहपुर पुलिस ने आरोपी हिमेश कुमार सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। लेन-देन, बैंक खातों, फर्मों और खरीदारी से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

ज्ञानवापी केस में फैसला सुनाने वाले जज रवि कुमार दिवाकर को हत्या का डर, एसएसपी से मांगी सुरक्षा

मुजफ्फरनगर, 25 जून (एजेंसियां)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट-संख्या-3 के न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने जिला न्यायाधीश तथा एसएसपी संजय कुमार वर्मा को पत्र भेजकर सुरक्षा मांगी है। पत्र में कहा कि ज्ञानवापी निर्णय के बाद उन्हें धमकी मिली थी। आतंकी अदनान खां ने अपनी इंस्टाग्राम आइडी पर उनकी तस्वीर लगाकर धमकी दी थी। यूपी एटीएस बरेली व वाराणसी में केस दर्ज कर आतंकी अदनान खां के विरुद्ध कार्रवाई कर चुकी है। न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें आशंका है कि आतंकी संगठन धर्म विशेष के लोगों का ब्रेनवाश कर उनकी हत्या के लिए दुष्प्रेरित कर रहे हैं।

उन्हें दो सुरक्षाकर्मी दिए गए हैं, लेकिन आवासीय सुरक्षा नहीं मिली है। हाई कोर्ट ने जिला चित्रकूट से 29 नवंबर 2025 को न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर को मुजफ्फरनगर में तैनात किया था। वे यहां अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, फास्ट ट्रैक-

तृतीय में न्यायाधीश हैं। एसएसपी संजय कुमार वर्मा को भेजे गए पत्र में न्यायाधीश ने कहा कि उन्होंने वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का निर्णय सुनाया था। उसके बाद उन्हें सुरक्षाकर्मी के अलावा आवासीय गारद दी गई थी।

यहां उन्हें सुरक्षाकर्मी तो मिले हैं, लेकिन आवास पर गारद तैनात नहीं है। न्यायाधीश ने बताया कि ज्ञानवापी के निर्णय के बाद आतंकी अदनान खां ने अपनी इंस्टाग्राम आइडी पर पोस्ट लिखकर कहा था कि "काफिर का खून तुम्हारे लिए हलाल है, जो तुम्हारे दीन के खिलाफ लड़ रहे हैं"। इसके साथ न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर की फोटो लगाकर धमकी दी थी। इसके अलावा बरेली में उनकी तैनाती के दौरान इस्लामिक स्टेट आफ इराक एंड सीरिया (आइएसआइएस) से जुड़े आतंकवादियों अदनान खां और मोहम्मद अनदान ने उन्हें काफिर बुतपरस्त (मूर्तिपूजक) हिंदू न्यायाधीश बताया था।

न्यायाधीश ने पत्र में कहा कि इस्लामिक कट्टरपंथी शक्तियों के द्वारा धर्म विशेष के लोगों का ब्रेन वाश कर उनकी तथा उनके परिवार की हत्या के लिए दुष्प्रेरित किया जा रहा है। उन्हें काफिर घोषित कर हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा है। मुजफ्फरनगर में दो पीएसओ तो दिए गए हैं, लेकिन आवासीय गारद नहीं दी गई है। वर्तमान में बरेली से ज्यादा परिस्थितियां अब गंभीर हो गई हैं, उनकी सुरक्षा बढ़ने के बजाय घटा दी गई है।

डाक विभाग की गलती से परीक्षा से वंचित रह गई थीं प्रियंका गौतम, अब इलाहाबाद हाई कोर्ट से मिली राहत

प्रयागराज, 25 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रियंका गौतम को सहायक अभियोजन अधिकारी मुख्य परीक्षा में अनंतिम रूप से सम्मिलित होने की अनुमति प्रदान की। याची ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के विरुद्ध याचिका दायर की थी। इनका कहना था कि उन्होंने आनलाइन आवेदन फार्म की हार्डकापी और आवश्यक दस्तावेज कटआफ तिथि 29 मई 2026 से पहले डाक द्वारा भेज दिए थे, लेकिन डाक विभाग की लापरवाही के कारण दस्तावेज नियत तारीख के बाद आयोग को प्राप्त हुए। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने यह देखते हुए कि आयोग ने भी इस तथ्य से इन्कार नहीं किया, याची को राहत दी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अभ्यर्थी को 24 घंटे के भीतर डाक प्रेषण का वैध प्रमाण आयोग के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। प्रमाण प्रस्तुत होने पर आयोग आवेदन फार्म स्वीकार करने की व्यवस्था करेगा। अभ्यर्थी को अनंतिम रूप से परीक्षा में बैठने और प्रवेश पत्र जारी करने की अनुमति होगी।

'10 साल तक सरकार सोती रही क्या?'

लखनऊ अग्निकांड के बाद 'कोचिंग बंदी' पर अखिलेश यादव का बड़ा हमला

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर सुरक्षा मानदंडों को लागू करने की आड़ में जनता को परेशान करने के लिए उत्तर प्रदेश में कोचिंग संस्थानों पर चल रही कार्रवाई का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उनकी टिप्पणी हाल में लखनऊ में अलीगंज की एक इमारत में आग लगने की घटना के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए राज्यव्यापी अभियान के बीच आई है। इस अग्निकांड में 15 लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने राज्य भर में कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण तेज कर दिया है, कई संस्थानों को सील कर दिया है और अग्नि सुरक्षा तथा भवन नियमों के कथित उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए हैं। 'एक्स' पर एक पोस्ट में यादव ने कहा, अब भाजपा सरकार 'कोचिंग बंदी' ले आई।" उन्होंने कहा, "भाजपा अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए जनता को सुरक्षा मानकों के नाम पर परेशान कर रही है। माना कि सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए लेकिन क्या पिछले 10 साल से सरकार सो रही थी। सरकार के पास एक दिन में इतना स्टाफ कहां से आया कि पूरे प्रदेश में हज़ारों लोगों को जांच के बाद नोटिस थमा दिया गया।" उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया, "सच्चाई यह है कि अब सुरक्षा मानकों और अनुमति आदि के नाम पर करोड़ों रुपये की उगाही का खेल शुरू हो गया है।

भाजपाई आपदा में सम्पदा ढूंढ़ लेते हैं।" यादव ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों पर कार्रवाई के प्रभाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "कोचिंग संस्थानों को बंद करने से, उन लाखों बच्चों का क्या होगा जो तैयारी कर रहे हैं। इससे अच्छा तो नोटिस देकर सुरक्षा मानकों के लिए तुरंत व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं, जिससे किराये पर रह रहे बच्चों के कोर्स समय पर ख़त्म हो सकें। इस तरह की 'कोचिंग बंदी' से तो महंगाई से परेशान लोगों के ख़र्चे और भी बढ़ जाएंगे।" सत्ताधारी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "भाजपा अगर अपनी 'भ्रष्टाचार बंदी' कर दे तो हर समस्या का हल निकल आए।"

यूपी में मिशन 2027 के लिए टीम पंकज तैयार, सपा के पीडीए की निकाली काट! साधे जातीय समीकरण

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई की नई टीम का ऐलान जल्द ही होने वाला है। यूपी बीजेपी के अध्यक्ष पंकज चौधरी अपनी नई टीम में कई नए और बड़े चेहरों को शामिल कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो यूपी बीजेपी की टीम में 5 महामंत्री, 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष और 18 उपाध्यक्षों की नियुक्ति की जानी है। महामंत्रियों की संभावित लिस्ट में संजय राय, अभिजात मिश्रा, राजेश चौधरी, रामप्रताप चौहान, गीता शाक्य के नाम महामंत्री की लिस्ट में शामिल हैं।

अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, यूपी बीजेपी में 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाए जाए सकते हैं, जिनमें गोरखपुर से विनोद राय, अवध से अवधेश द्विवेदी, काशी से अशोक चौरसिया, कानपुर से रामकिशोर साहू, पश्चिम से नवाब सिंह नागर और बृज से पूरन लोधी के नाम शामिल होने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि 18 उपाध्यक्षों की नियुक्ति की संभावनाओं के बीच कुछ नाम चर्चा में आए हैं जिन्हें उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इनमें कामेश्वर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सत्येन्द्र सिसोदिया, बृजबहादुर, अर्चना मिश्रा, शंकर गिरी, दिलीप पटेल और प्रकाश पाल के नाम शामिल हैं।

राबड़ी का बंगला, लालू की सेहत और 29 जून की डेडलाइन; आखिर क्या होगा अगला कदम?

पटना, 25 जून (एजेंसियां)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर एक बार फिर सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। भवन निर्माण विभाग ने 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए अंतिम नोटिस जारी कर दिया है। विभाग ने 29 जून तक का समय दिया है, जिसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि राबड़ी देवी को आवास खाली करने के लिए पहले भी कई बार पत्र और रिमाइंडर भेजे जा चुके हैं। अब उन्हें अंतिम अवसर देते हुए सात दिनों के भीतर सरकारी बंगला खाली करने को कहा गया है।

विभाग का कहना है कि समय सीमा समाप्त होने के बाद प्रशासनिक कार्रवाई की जा सकती है। इधर, नोटिस के बाद 10 सर्कुलर रोड से सामान हटाने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, फर्नीचर, एसी और अन्य घरेलू सामान को अलग-अलग स्थानों पर भेजा जा रहा है। हाल के दिनों में कई सामान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आवास और अन्य ठिकानों पर शिफ्ट किए गए हैं। राबड़ी देवी को पहले ही 39 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास आवंटित किया जा

चुका है। हालांकि उन्होंने सरकार से नए आवास में कुछ अतिरिक्त व्यवस्थाएं करने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि परिवार की जरूरतों और विशेष परिस्थितियों को देखते हुए कुछ सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। राबड़ी देवी ने सरकार को लिखे पत्र में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की स्वास्थ्य स्थिति का भी उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने संक्रमण के खतरे को देखते हुए लालू यादव के लिए अलग रहने की सलाह दी है।

इसी कारण नए आवास में भी विशेष कमरे की व्यवस्था की मांग की गई है। अब सभी की निगाहें 29 जून पर टिकी हैं। एक तरफ विभाग की ओर से सख्त रुख अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, तो दूसरी ओर लगातार हो रही शिफ्टिंग से यह साफ है कि आवास खाली करने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

'हमें बचा लीजिए साहब!' हाजीपुर के प्रेमी जोड़े ने सोशल मीडिया पर वीडियो डाल प्रशासन से मांगी सुरक्षा

वैशाली, 25 जून (एजेंसियां)। जिले के हाजीपुर से प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जहां घर से निकलकर शादी करने का दावा करने वाले एक युवक और युवती ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है। वीडियो में दोनों ने अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताते हुए हाजीपुर पुलिस और जिला प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में युवती ने अपनी पहचान हाजीपुर के वीर कुंवर सिंह कॉलोनी, पोखरा मोहल्ला निवासी के रूप में बताई है, जबकि युवक ने खुद को छोटी यूसुफपुर निवासी बताया है। दोनों का दावा है कि वे पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे और अपनी मर्जी से घर छोड़कर विवाह किया है।

वीडियो में युवती ने कहा कि उसने अपने परिजनों को अपने रिश्ते के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन परिवार इस विवाह के पक्ष में नहीं था। युवती का दावा है कि परिवार उसकी शादी कहीं और कराने की तैयारी कर रहा था, जिसके बाद उसने घर छोड़ने का निर्णय लिया। वीडियो में दोनों ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से विवाह किया है और इस फैसले में किसी भी परिवार के सदस्य की कोई भूमिका नहीं है।

ईडी के सामने पेश हुईं पूर्व सीएम पिनाराई विजयन की बेटी

कोच्चि, 25 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और उसकी बेटी वीणा विजयन से जुड़े मामले को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया, जब इस महीने पूछताछ के दूसरे दौर के लिए कोच्चि में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के सामने वीणा 'अचानक' से पेश हुईं। खबरों के मुताबिक, वीणा को 29 जून को केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था, लेकिन वह गुरुवार की सुबह लगभग 9.15 बजे ईडी कार्यालय पहुंची, जो निर्धारित तिथि से चार दिन पहले था।

इस बीच, खबरों के मुताबिक, ईडी ने ही वीणा को गुरुवार को पेश होने के लिए कहा था। यह अप्रत्याशित उपस्थिति उनकी अब बंद हो चुकी आईटी फर्म एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस से जुड़े विवादास्पद वित्तीय लेन-देन और कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से प्राप्त भुगतानों से संबंधित आरोपों से जुड़ी चल रही जांच में

एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हुई है। वैसे, ईडी की जांच टीम ने अब तक सीएमआरएल के शीर्ष अधिकारियों से व्यापक पूछताछ का एक दौर पूरा कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी के अधिकारियों को हाल ही में गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा एकत्र किए गए रिकॉर्ड और सामग्री प्राप्त हुई है, जो इस मामले से जुड़े कथित लेनदेन और कॉर्पोरेट व्यवस्थाओं की जांच कर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि जांचकर्ता वित्तीय लेन-देन, कंपनी के रिकॉर्ड, बैंकिंग लेनदेन और पूछताछ के पिछले दौर के दौरान दर्ज किए गए बयानों की जांच कर रहे हैं। यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि ईडी एसएफआईओ की जांच में पहले से ही सामने आए निष्कर्षों को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

ऐसा माना जा रहा है कि अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि एक्सालॉजिक को किए गए भुगतान का कोई वैध व्यावसायिक औचित्य था या नहीं, या वे वित्तीय और मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानूनों के तहत संभावित उल्लंघनों की ओर इशारा करते हैं। गुरुवार को होने वाली पूछताछ पर भी बारीकी से नजर रखी जा रही है, क्योंकि इसके संभावित राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं।

यह मामला लंबे समय से विपक्षी दलों के लिए एकजुटता का केंद्र रहा है, जिन्होंने विजयन परिवार पर जांच के दायरे में आए लेन-देन के बारे में पर्याप्त स्पष्टीकरण देने में विफल रहने का आरोप लगाया है। पूर्व मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी ने लगातार किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया और उनका कहना है कि जांच राजनीतिक रूप से प्रेरित है।

ईडी द्वारा अपनी जांच को तेज करने और समानांतर जांचों से जुटाई गई नई सामग्री के साथ, विजयन परिवार पर एक बार फिर से पूरी तरह से ध्यान केंद्रित हो गया है। जांचकर्ताओं के सामने वीणा की अप्रत्याशित उपस्थिति से आने वाले दिनों में जांच की दिशा और गति को लेकर और अधिक अटकलें लगने की संभावना है।

पटियाला में फौजी ने पत्नी को कार में बैठाया, फिर भाखड़ा नहर में गिरा दी गाड़ी

पटियाला, 25 जून (एजेंसियां)। पंजाब के पटियाला से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक प्रेम विवाह का अंत मौत के साथ हुआ। आरोप है कि भारतीय सेना के जवान हैप्पी सिंह ने अपनी पत्नी रमनदीप कौर को कार समेत भाखड़ा नहर में गिराकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हैप्पी सिंह मानसा जिले के बाजेवाला गांव का रहने वाला है और अभी असम में तैनात है। जानकारी के अनुसार, घटना 23 जून की है। हैप्पी सिंह अपनी पत्नी को कार में बैठाकर पटियाला-संगरूर रोड पर स्थित पसियाना पुल के पास ले गया। पुलिस का आरोप है कि उसने जानबूझकर कार को भाखड़ा नहर में गिरा दिया। कार तेज बहाव में डूब गई। हैप्पी सिंह किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया, लेकिन 30 वर्षीय रमनदीप कौर कार के अंदर ही फंस गई और डूबने से उसकी मौत हो गई।

सीमा पार अवैध तस्करी पर वार, हथियार-ड्रग्स और हवाला मनी के साथ सात गिरफ्तार; आरोपियों में एक अफगानी

अमृतसर, 25 जून (एजेंसियां)। अमृतसर शहरी पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान के दौरान सीमा पार संचालित अवैध हथियार, नशीले पदार्थ और हवाला नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अफगान नागरिक और नाबालिग सहित सात आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने इन आरोपियों से 10 अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं, जिनमें दो सब-मशीन गन भी शामिल हैं। इसके अलावा 5.048 किलोग्राम हेरोइन और हवाला कारोबार से जुड़ी 30.38 लाख रुपये की नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों के संबंध विदेश में बैठे संचालकों से थे, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से नेटवर्क संचालित कर रहे थे। आरोपियों को विभिन्न स्थानों पर नशीले पदार्थ और हथियारों की खेप प्राप्त होती थी, जिन्हें आगे आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाता था।

कर्नाटक के मंड्या में कावेरी नदी में फोटो खिंचवाने के दौरान डूबे एक ही परिवार के 5 सदस्य, सभी की मौत

मंड्या, 25 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंड्या जिले के मलवल्ली तालुक में मशहूर टूरिस्ट डेस्टिनेशन मुत्तथी के पास कावेरी नदी में एक ही परिवार के पांच सदस्य डूब गए। बताया जा रहा है कि वे तस्वीरें लेने के लिए पानी में घुसे थे। मरने वालों की पहचान चैत्रा (20), प्रियंका (28), श्वेता (38), विजयम्मा (50) और महेश के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि ये सभी लोग चन्नपट्टना के ब्यादरहल्ली के रहने वाले थे। परिवार मशहूर मुत्तथीराया मंदिर के दर्शन के लिए मुत्तथी गया था। पूजा-अर्चना के बाद वे नदी के किनारे गए। हादसा तब हुआ जब वे कावेरी नदी के पानी में उतरे। कहा जा रहा है कि वे तस्वीरें खींचने के लिए ऐसा कर रहे थे और लापरवाही के चलते सभी पानी में बह गए।

सूचना मिलने पर हलागुरु पुलिस स्टेशन के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। फायर और रेस्क्यू टीम ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया और कुछ देर में सभी पांचों शव बरामद कर लिए। मंड्या की पुलिस अधीक्षक डॉ। वीजे। शोभारानी ने घटनास्थल का दौरा किया और पुष्टि की कि पीड़ितों के शवों को मंड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमआईएमएस) अस्पताल भेज दिया गया है। हलागुरु पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

केंद्रीय विद्यालय एडमिशन पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, प्रवेश के लिए नियमित कर्मचारियों से अलग नहीं माने जाएंगे अतिथि शिक्षक

चंडीगढ़, 25 जून (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा की एक गेस्ट टीचर के छह वर्षीय बेटे को केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश देने के मामले में अहम फैसला सुनाते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदन पर नए सिरे से विचार करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि हरियाणा गेस्ट टीचर्स सर्विस एक्ट, 2019 के तहत अतिथि शिक्षकों की सेवा शर्तें विनियमित हैं और उन्हें केवल इस आधार पर नियमित सरकारी कर्मचारियों से अलग नहीं माना जा सकता कि वे गेस्ट टीचर हैं।

जस्टिस कुलदीप तिवारी ने नूंह निवासी छह वर्षीय छात्र आशुतोष की याचिका का निपटारा करते हुए यह आदेश पारित किया। याचिका बच्चे की मां और प्राकृतिक संरक्षक के माध्यम से दाखिल की गई थी। बच्चे ने केंद्रीय विद्यालय, नूंह में पहली कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन किया था, याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया कि बच्चे की मां वर्ष 2007 से हरियाणा शिक्षा विभाग में गेस्ट प्राइमरी टीचर के रूप में कार्यरत हैं और वर्तमान में जीपीएस गांडबास में जेबीटी गेस्ट टीचर के पद पर स्वीकृत पद के विरुद्ध सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने हरियाणा गेस्ट टीचर्स सर्विस एक्ट, 2019 का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने अतिथि शिक्षकों की सेवा शर्तों को विधिक मान्यता दी है तथा उन्हें 58 वर्ष की आयु तक कार्य करने का अधिकार प्राप्त है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अधिनियम के परविधान स्पष्ट करते हैं कि सरकार ने गेस्ट शिक्षकों की सेवाओं को नियमित करने और उनकी कार्यशैली को विनियमित करने के लिए विशेष कानून बनाया है।

निर्यातकों से धोखाधड़ी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

18 लोग गिरफ्तार; 20 फोन, 35 सिम बरामद

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की साइबर सेल पुलिस ने निर्यातकों से धोखाधड़ी करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का पता लगाकर 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह विदेशी खरीदार और निर्यात प्रमाण पत्र दिलाने के नाम पर ठगी करता था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर मिली शिकायतों के विश्लेषण से यह मामला सामने आया। इंडिया 2एक्सपोर्ट्स।

कॉम वेबसाइट के जरिये फर्जी सेवाएं दी जा रही थीं। शिकायतकर्ताओं को विदेशी खरीदारों से ऑर्डर दिलाने का वादा किया जाता था। उनसे पहले 5,000 रुपये पंजीकरण शुल्क लिया जाता था। फिर 19,780 रुपये सेवा पैकेज के लिए मांगे जाते थे। ग्लोबल जीएपी और अन्य प्रमाण पत्रों के लिए 41,300 रुपये अतिरिक्त लिए जाते थे। आरोपी अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबरों का इस्तेमाल कर विदेशी खरीदार बनते थे। वे बनावटी बातचीत दिखाकर पीड़ितों का भरोसा जीतते थे। भुगतान मिलने के बाद वे संपर्क तोड़ देते थे। अब तक कुल 19 शिकायतों में 10,57,780 रुपये की धोखाधड़ी हुई है।

नई दिल्ली जिले के साइबर पुलिस स्टेशन की टीम ने छापा मारा। इस दौरान एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने कॉल सेंटर के मालिक प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया है। सम्मी कुमार गिरी और 16 टेलीकॉलर भी पकड़े गए हैं। इनमें 14 महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।

कोलकाता हादसा: विधानसभा में बोले सीएम- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

मृतकों के परिजन और घायलों को मिलेगा मुआवजा

कोलकाता में गोदाम गिरने से नौ लोगों की मौत हुई है। इस हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 10 लाख रुपये और घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

शुभेंदु अधिकारी, मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

कोलकाता, 25 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी गुरुवार को राज्य विधानसभा में कोलकाता के ताराताला इलाके में हुई घटना पर एक बयान दिया। इस घटना में अब तक नौ लोगों की मौत हुई है। वहीं, 20 गंभीर रूप से घायल हैं। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा में इस दुर्घटना पर आधिकारिक बयान में कहा, गोदाम ढहने की घटना में जान गंवाए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 10 लाख रुपये और घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

कोलकाता में ढहे गोदाम के भवन से जुड़ी जरूरी अनुमति के पहलू पर सीएम शुभेंदु ने कहा, रिकॉर्ड पर उपलब्ध भवन के नक्शे पर कोलकाता के पूर्व महापौर और तृणमूल कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे फिरहाद हकीम के हस्ताक्षर थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कोलकाता की घटना पर मुख्यमंत्री का बयान काफी अहम है। खासकर उन गंभीर आरोपों को देखते हुए, जो गोदाम के मालिक शंभूनाथ बेहरा पर लगे हैं। आरोप है कि उन्होंने कोलकाता नगर निगम के पिछले तृणमूल कांग्रेस-शासित बोर्ड के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से यह गोदाम अवैध रूप से बनवाया था। शंभूनाथ बेहरा को गुरुवार की सुबह कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में पूछताछ के लिए बुधवार रात हिरासत में लिए गए तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनमें गोदाम का सुपरवाइजर मोहम्मद गुलजार, लेबर कॉन्ट्रैक्टर मोहम्मद अतायुल और सुभाष चौधरी शामिल हैं।

शिर्डी में साईं प्रसाद के नाम पर बिक रहे थे संदिग्ध पेड़े

700 किलो माल जब्त कर जेसीबी से कराया गया नष्ट

शिर्डी, 25 जून (एजेंसियां)। शिर्डी से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। साईं बाबा मंदिर क्षेत्र में चल रहे पेड़ा कारोबार पर छापेमारी करते हुए अधिकारियों ने करीब 600 से 700 किलो संदिग्ध और खराब गुणवत्ता के पेड़े जब्त किए हैं। इन पेड़ों की बाजार कीमत लगभग दो लाख रुपये बताई जा रही है। मिली शिकायतों के बाद खाद्य एवं औषधि आयुक्त तुकाराम मुंढे के निर्देश पर प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों की संयुक्त टीम ने शिर्डी के कई दुकानों और तीन बड़े पेड़ा निर्माण कारखानों पर एक साथ छापेमारी की।

जांच के दौरान अधिकारियों को पेड़ों की गुणवत्ता पर गंभीर संदेह हुआ। आशंका जताई गई कि इनमें मिलावट और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्वों का इस्तेमाल किया गया हो सकता है। इसके बाद पूरे स्टॉक को जब्त कर लिया गया और जांच के लिए नमूने सरकारी प्रयोगशाला भेजे गए हैं। अहिल्यानगर की सहायक आयुक्त अपर्णा भोईटे ने बताया कि श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जब्त किए गए सभी पेड़ों को शिर्डी नगर परिषद के डंपिंग ग्राउंड में ले जाकर जेसीबी मशीन की मदद से नष्ट कर दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रयोगशाला रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होती है तो संबंधित कारखाना संचालकों और दुकानदारों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कड़ी कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद शिर्डी के व्यापारिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। वहीं श्रद्धालुओं ने प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई का स्वागत किया है। फिलहाल प्रशासन ने श्रद्धालुओं से केवल लाइसेंस प्राप्त और अधिकृत दुकानों से ही प्रसाद खरीदने की अपील की है।

तमिलनाडु में 300 नई बसों का शुभारंभ मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने किया उद्घाटन

चेन्नई, 25 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय ने चेन्नई में तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की ओर से संचालित 300 नई बसों की सेवाओं का उद्घाटन किया। यह सार्वजनिक परिवहन बेड़े में एक बड़ी बढ़ोतरी है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने सचिवालय में आयोजित समारोह में 300 नई डीजल और सीएनजी बसों को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद, उन्होंने नई बस में सवार होकर सफर किया।

मुख्यमंत्री ने ड्राइवरों का अभिवादन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। जोसेफ विजय बस में आगे बैठकर सफर करते हुए वीडियो रिकॉर्ड करते हुए भी नजर आए। गौरतलब है कि तमिलनाडु में आठ राज्य-स्वामित्व वाली परिवहन निगम संचालित होती हैं, जिनमें चेन्नई स्थित मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एमटीसी), तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की अलग-अलग इकाइयां (विल्लुपुरम, कुंभकोणम, सलेम, कोयंबटूर, मदुरै और तिरुनेलवेली) और राज्य एक्सप्रेस परिवहन निगम (एसईटीसी) शामिल हैं, जो लंबी दूरी की अंतर-शहर सेवाएं संचालित करती है। नई शामिल की गई बसों का बेड़ा इन आठ में से सात परिवहन निगमों के लिए खरीदा गया है, जिसमें राज्य एक्सप्रेस परिवहन निगम शामिल नहीं है।

इन बसों को राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को मजबूत करने और रोजाना सफर करने वालों के लिए यात्रियों कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए शुरू किया गया है। इस बेड़े में डीजल और सीएनजी दोनों प्रकार की बसें शामिल हैं, जो सरकार के सार्वजनिक परिवहन के आधुनिकीकरण और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाओं के विस्तार के प्रयासों को दर्शाती हैं। उम्मीद है कि इन नई बसों के आने से पुरानी गाड़ियां हटाई जा सकेंगी और राज्य परिवहन उपक्रमों की ओर से चलाई जाने वाली यात्री सेवाओं की विश्वसनीयता, सुरक्षा और आराम में सुधार होगा।

महाकाल मंदिर में चढ़ावे ने तोड़ा रिकॉर्ड

सोने-चांदी का लगा अंबार; इस साल 142 करोड़ रुपए दान मिला

उज्जैन, 25 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के विवाद के बीच उज्जैन के महाकाल मंदिर में इस बार चढ़ावे का नया रिकॉर्ड बना है। इस वर्ष मंदिर को मिली दान राशि का हिसाब लगाया तो हैरान कर देने वाला आंकड़ा सामने आया। देश-विदेश से आने वाले भक्त न सिर्फ बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, बल्कि दिल खोलकर दान भी कर रहे हैं। महाकाल मंदिर में पिछले एक साल में 142 करोड़ रुपये से ज़्यादा का चढ़ावा आया है। पिछले साल की तुलना में इस साल 27 करोड़ रुपये का दान ज्यादा आया है। ये रकम, चढ़ावे में दिए गए गहनों और सोने चांदी की दूसरी चीजों से अलग है। महाकाल के भक्तों ने ऑनलाइन, ऑफलाइन और गुप्त दान को मिलाकर कुल 80 करोड़ रुपये का दान किया।

78 करोड़ रुपये तो केवल दान पेटियों से मिले हैं जबकि 5 करोड़ से ज्यादा की रकम उस दान की है जो श्रद्धालुओं ने काउंटर पर दी है और इसकी रसीद ली है। साढ़े चार करोड़ रुपये से ज्यादा तो गुप्त दान से मंदिर को मिला है। 1.23 लाख रुपये मनी ऑर्डर मिला है। मंदिर को सोना, चांदी और अन्य कीमती आभूषणों का दान भी बड़ी मात्रा में मिला है, जिसकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। अयोध्या के राम मंदिर की तुलना में महाकाल मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कम होती है इसके बावजूद चढ़ावे की रकम हैरान करने वाली है। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक आशीष फलवाड़िया ने कहा कि चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था बेहद सख़्त है और पूरी प्रक्रिया, कैमरों की निगरानी में ही की जाती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार बढ़ती आय के साथ श्रद्धालु सुविधाओं, सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। बता दें कि भारत में 12 ज्योतिर्लिंग है, जिसमें एक ज्योतिर्लिंग उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर है। हर साल लाखों की संख्या में भक्त बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आते हैं।

महाकाल लोक बनने के बाद यहां भक्तों की संख्या में इजाफा हुआ है। भक्तों की संख्या के साथ दान में भी बढ़ोतरी देखी गई है। महाकाल के भक्त बाबा पर मोह माया छोड़कर धन दौलत की बरसात कर रहे हैं।

पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न मानने पर गौरव गोगोई ने उठाए सवाल

सरकार से मांगा स्पष्ट जवाब

गुवाहाटी, 25 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण न माने जाने के मुद्दे पर केंद्र सरकार से सवाल पूछते हुए इस विषय पर स्पष्ट स्थिति बताने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा जारी किया जाने वाला पासपोर्ट केवल एक सामान्य दस्तावेज नहीं, बल्कि ऐसा आधिकारिक दस्तावेज है जिसे दुनिया भर की सरकारें मान्यता देती हैं और गंभीरता से स्वीकार करती हैं। गोगोई ने कहा कि यदि विदेश मंत्रालय यह कहता है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि क्या भारत सरकार गैर-नागरिकों को भी भारतीय पासपोर्ट जारी करती है।

उन्होंने पूछा कि आखिर पासपोर्ट किसे दिया जाता है? पासपोर्ट तो भारत सरकार ही जारी करती है और सामान्य परिस्थितियों में यह उसी व्यक्ति को दिया जाता है जो भारत का नागरिक हो। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यदि पासपोर्ट को भी नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाएगा, तो फिर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि नागरिकता का प्रमाण आखिर क्या है। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों के मन में इस विषय को लेकर भ्रम पैदा हो रहा है और सरकार को इसे दूर करना चाहिए। असम से आने वाले गोगोई ने एनआरसी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लेकर जो राजनीति और प्रक्रियाएं चली हैं, उन्हें राज्य के लोगों ने बहुत करीब से देखा है। ऐसे में यह आशंका स्वाभाविक है कि कहीं सरकार किसी दूसरी प्रक्रिया के माध्यम से एनआरसी जैसी व्यवस्था लागू करने की कोशिश तो नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक-एक कर विभिन्न दस्तावेजों को नागरिकता के प्रमाण के रूप में कमजोर बताने का प्रयास कर रही है।

गोगोई के अनुसार, वोटर आईडी, पैन कार्ड, आधार कार्ड और अब पासपोर्ट को लेकर भी यह कहा जा रहा है कि ये नागरिकता के अंतिम प्रमाण नहीं हैं। गौरव गोगोई ने सवाल किया कि क्या भारत का पासपोर्ट चीन, श्रीलंका या किसी अन्य विदेशी देश के नागरिकों को जारी किया जाता है? यदि ऐसा नहीं है, तो फिर यह कहना कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, किस आधार पर कहा जा रहा है? उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है और सरकार को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि नागरिकता से जुड़े विभिन्न दस्तावेजों की वैधानिक स्थिति क्या है। साथ ही, नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि सरकार इस मुद्दे पर क्या दृष्टिकोण रखती है।

नसरपुर में 4 साल की बच्ची के रेप और हत्या के दोषी को कोई पछतावा नहीं, कोर्ट ने पूछा- 'तुम्हें क्या सजा दी जाए?'

पुणे, 25 जून (एजेंसियां)। जिले के भोर तालुका के नसरपुर में महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई था। यहां एक 65 साल के आदमी ने अपने घर के सामने खेल रही चार साल की बच्ची के साथ रेप कर उसकी हत्या कर दी थी। इस घटना से पूरे राज्य में गुस्सा है। इस मामले में आज गुरुवार (25 जून) को कोर्ट ने फैसला सुनाया है। नसरपुर रेप मामले में राज्य के न्यायिक इतिहास में सबसे तेजी से सुना जाने वाला मामला बन गया है क्योंकि घटना के केवल ढाई महीने में ही कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। पुणे डिस्ट्रिक्ट सेशंस कोर्ट में स्पेशल जज एस आर सालुंखे ने मामले में आरोपी को दोषी ठहराया है। आरोपी के खिलाफ दर्ज मामलों में से दो धाराओं में फांसी की सजा, एक में आजीवन कारावास की सजा का और एक में 14 साल की सजा का प्रावधान है। हालांकि, अभी कोर्ट ने सजा की अवधी तय नहीं की है। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद ही अंतिम सजा कोर्ट सुनाएगा।

इस मामले की सुनवाई के दौरान जज ने दोषी भीमराव कांबले को कटघरे में खड़ा कर उससे उस घटना को याद करने को कहा और पूछा कि तुम बताओ अब तुम्हें क्या सजा दी जानी चाहिए? इसपर दोषी कांबले ने अपनी बनाई हुई कहानी बतानी शुरू की और दावा किया कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया है। कोर्ट ने बीच में ही उसे रोक कर कहा कि अब जुर्म तो साबित हो चुका है, तो बताओ तुम्हें क्या सजा मिलनी चाहिए इसपर आरोपी ने कोई जवाब नहीं दिया। इस मामले पर सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के वकील ने अपनी दलीलें दीं। अभियोजन पक्ष के वकील ने कोर्ट से दोषी कांबले को फांसी देने की मांग की है और कहा कि दोषी को अपने किए का कोई अफसोस नहीं है।

ऋतिक के सिर में गोली, मुस्कान के गर्दन पर घाव, कार में खून से सनी मिलीं इनकी लाशें

अशोकनगर , 25 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जिले में गुरुवार सुबह एक सनसनीखेज मामला सामने आया। यहां सुनसान सड़क किनारे खड़ी एक कार के अंदर युवक और युवती की खून से सनी लाशें मिलने से लोग हैरान रह गए। कार के अंदर का दृश्य इतना भयावह था कि मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए।

युवक के सिर में गोली लगी थी, जबकि युवती की गर्दन पर गहरे घाव मिले हैं। इसके अलावा कार के अंदर से एक पिस्टल भी बरामद हुई है। घटना अशोकनगर जिले के ईसागढ़ रोड स्थित महाना गांव के पास की बताई जा रही है। सुबह पुलिस को सड़क किनारे एक संदिग्ध कार खड़ी होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब कार का दरवाजा खोला तो अंदर युवक और युवती के शव मिले। ड्राइविंग सीट पर युवक का शव पड़ा था, जबकि उसके बगल वाली सीट पर युवती मृत अवस्था में थी। कार के अंदर चारों तरफ खून फैला हुआ था। मृतकों की पहचान अशोकनगर निवासी 26 वर्षीय ऋतिक सोनी और 24 वर्षीय मुस्कान जैन के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि ऋतिक के सिर में गोली लगी थी। उसके चेहरे पर जलने जैसे निशान भी पाए गए हैं। वहीं मुस्कान की गर्दन पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं।

चीन ने नेपाल को लेकर 4 सूत्रीय प्लान पेश किया

बीआरआई को लेकर ड्रैगन की बातों में फंसेंगे पीएम बालेन शाह?

बीजिंग/काठमांडू, 25 जून (एजेंसियां)। चीन ने नेपाल के साथ संबंध को लेकर चार सूत्रीय रोडमैप पेश किया है। नेपाल में चीन के राजदूत झांग माओमिंग ने काठमांडू पोस्ट में एक कॉलम लिखा है जिसमें उन्होंने नेपाल को लेकर चीन के प्लान को पेश किया है। इस लेख में उन्होंने लिखा है कि 'नेपाली जमीन का इस्तेमाल चीनी हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं किया जाएगा।'

राजदूत झांग माओमिंग ने अपने कॉलम में लिखा है कि 'चीन ने हमेशा नेपाल के साथ अपने रिश्तों को अपनी पड़ोसी देशों के साथ कूटनीति के एजेंडे में प्राथमिकता दी है। नेपाल के प्रति चीन की दोस्ती की नीति में सभी नेपाली लोग शामिल हैं। चीन नेपाल की राष्ट्रीय संप्रभुता, आज़ादी और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने में उसका समर्थन जारी रखेगा, लोगों के समर्थन से सुचारू रूप से शासन चलाने में नई नेपाली सरकार का साथ देगा, और नेपाल को उसकी राष्ट्रीय वास्तविकताओं के अनुकूल विकास का रास्ता अपनाने में मदद करेगा।'

नेपाल को लेकर चार सूत्रीय रोडमैप क्या है?

उन्होंने काठमांडू पोस्ट में लिखा है कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि उच्च-गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड' सहयोग के तहत उन्हें अपनी विकास रणनीतियों को एक-दूसरे के मुताबिक बनाना जारी रखना चाहिए, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करना चाहिए और द्विपक्षीय संबंधों की गुणवत्ता और दक्षता को बढ़ाना चाहिए। इसको लेकर चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई। **पहला:** सीमा-पार परिवहन, सीमा बुनियादी ढांचे और हवाई संपर्क के विकास में तेजी लाकर दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करना जिससे लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान आसान हो और लॉजिस्टिक्स दक्षता बेहतर हो। **दूसरा:** बिजली, पावर ग्रिड और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग का विस्तार करके ऊर्जा सहयोग को गहरा करना और नेपाल की ऊर्जा सुरक्षा और हरित विकास क्षमता को बढ़ाना। **तीसरा:** द्विपक्षीय व्यापार संरचनाओं को बेहतर बनाकर आपसी लाभ वाले व्यावसायिक सहयोग को प्रोत्साहित करके, नेपाल में निवेश और काम करने वाली चीनी कंपनियों के लिए निष्पक्ष, कानून-आधारित और अनुकूल व्यावसायिक माहौल बनाकर और द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक सहयोग के पैमाने और गुणवत्ता दोनों को बढ़ाकर व्यापार और निवेश सहयोग का विस्तार करना। **चौथा:** शासन के अनुभव पर आदान-प्रदान को मजबूत करना, लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और शिक्षा, युवाओं, स्थानीय सरकार और मीडिया के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना जिससे नेपाल-चीन संबंधों को आधार देने वाले जन-समर्थन को और मजबूत किया जा सके। बहुत आसान शब्दों में समझें तो चीन के रोडमैप में नेपाल के अंदर बीआरआई के तहत एयरपोर्ट्स और दूसरे इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाना है जो चीन कई दूसरे देशों में करता आया है।

पीओके में विरोध को दबाने के लिए 'नीचता' पर उतरे शहबाज-मुनीर

दूध और दवाइयों की सप्लाई रोकी, मुश्किल में लोग

इस्लामाबाद, 25 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। पीओके के लोग दो हफ्ते से ज्यादा समय से अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर हैं।

शहबाज शरीफ की सरकार आर्मी चीफ असीम मुनीर किसी भी सूरत में इस विरोध को दबाने की कोशिश में हैं। आम लोगों पर बल प्रयोग और गोली चलाने के बाद पाक सरकार पर आरोप है कि वह प्रदर्शनकारियों को झुकाने के लिए खाने-पीने की चीजों, ईंधन और दवाओं की सप्लाई रोक रही है।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोगों, ट्रक ड्राइवरों और विपक्षी नेताओं ने स्थानीय मीडिया को बताया है कि जरूरी सामान ले जाने वाले वाहनों को पीओके के प्रदर्शनों से प्रभावित इलाके में घुसने से रोका जा रहा है। पाकिस्तानी अधिकारी किसी तरह की नाकेबंदी करने से इनकार करते हैं लेकिन स्थानीय लोगों से पता चलता है कि हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

शहबाज शरीफ

असीम मुनीर

आम जीवन पटरी से उतरा

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेतृत्व में चल रहे शटडाउन (बंद) की वजह से पहले से ही पीओके में आम लोगों के सामने संकट हैं। सरकार के ब्लॉकेड की वजह रोजमर्रा की चीजों की कमी और गंभीर हो गई है। ऐसे में पीओके में लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित है और सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है।

कई इलाके में ना सिर्फ खाने पीने की चीजें बल्कि ईंधन की भी भारी कमी है। पुंछ और मुजफ़्फ़राबाद जैसे बड़ों जिलों में अक्सर पेट्रोल पंप बंद देखे जा रहा हैं। वाहन चालकों को ब्लैक मार्केट से ईंधन खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। वहीं इंटरनेट का ना होना लोगों की परेशानी को और ज्यादा बढ़ा रहा है।

मुजफ़्फ़राबाद में लोगों को जरूरी चीजे पाने में मुश्किल हो रही है। मुझे तो दवा तक नहीं मिल पा रही है क्योंकि ज्यादातर दवा की दुकानें बंद हैं। मैं हर जगह दवा ढूंढ रहा हूं लेकिन बड़ी दुकानें भी बंद हैं।

नीलम जिले के निवासी अलिफ दीन ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हड़ताल शुरू होने के बाद से इलाके के लोगों को राशन नहीं मिल रहा है। मैं खुद 15 दिनों से डिपो में पैसे जमा कर रहा हूं लेकिन मुझे अभी तक आटा नहीं मिला है। स्थानीय बाजारों में जो आटा मिल रहा है, उसकी कीमत हालिया दानों में काफी बढ़ गई है।

अब्बासपुर और रावलकोट के निवासियों ने भी संकट की बात स्वीकारी है। यहां के निवासनियों का कहना है कि इस कमी की कुछ वजह जेएएसी की हड़ताल है, जिसके कारण पूरे इलाके में दुकानें और बाजार बंद करने पड़े हैं। दूसरी ओर में जरूरी सामान ले जाने वाले ट्रकों को अधिकारियों को रोकने की कोशिश ने भी संकट को गंभीर बना दिया है।

बिल गेट्स का दावा- एपस्टीन ने ब्लैकमेल करने की कोशिश की

वाशिंगटन, 25 जून (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष गवाही में दावा किया है कि दिवंगत वित्त कारोबारी और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने उनके विवाहेतर संबंधों से जुड़ी जानकारी के आधार पर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। गेट्स ने कहा कि एपस्टीन उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाना चाहता था, लेकिन उसका प्रयास सफल नहीं हुआ।

अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के समक्ष 10 जून को हुई बंद-दरवाजा गवाही का ट्रांसक्रिप्ट मंगलवार को सार्वजनिक किया गया। यह पूछताछ एपस्टीन के नेटवर्क और प्रभावशाली लोगों से उसके संबंधों की जांच का हिस्सा थी। गेट्स ने स्वीकार किया कि 2008 में यौन अपराध से जुड़ी सजा मिलने के बावजूद उन्होंने 2011 में एपस्टीन से संपर्क किया था। उन्होंने बताया कि 2014 में एपस्टीन से संबंध खत्म कर लिए गए। इसके बाद एपस्टीन ने उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी संवेदनशील जानकारी का इस्तेमाल कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की।

गेट्स ने दो वयस्क रूसी महिलाओं के साथ विवाहेतर संबंध होने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि उनका एपस्टीन के किसी आपराधिक नेटवर्क से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने एसटीडी, ड्रग्स और महिलाओं से मिलवाने से जुड़े आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एपस्टीन ने कभी उनके लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की। गेट्स ने यह भी कहा कि वे कभी एपस्टीन के निजी द्वीप, रैंच या फ्लोरिडा स्थित घर नहीं गए।

दुनिया के 10 सबसे ताकतवर पासपोर्ट वाले देश

भारत 80वें तो पाकिस्तान 100वें स्थान पर

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। बुधवार, 24 जून को पासपोर्ट सेवा दिवस मनाया गया है। इस मौके पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और विदेश के पासपोर्ट प्राधिकरणों को शुभकामनाएं दी हैं। सरकार की ओर से बताया गया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सालाना पासपोर्ट जारी करने की संख्या तेजी से बढ़ी है। इस मौके पर दुनिया के ताकतवर पासपोर्ट को लेकर भी चर्चा देखी जा रही है। इसकी वजह हाल ही में जारी की गई सबसे मजबूत पासपोर्ट वाले देशों की सूची है।

हेनले एंड पार्टनर्स ने दुनियाभर के देशों के पासपोर्ट की स्थिति बताने वाली नई रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में एक बार फिर सिंगापुर ने टॉप किया है। इंडेक्स में सिंगापुर के बाद जापान, साउथ कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और स्वीडन हैं। भारतीय पासपोर्ट इस लिस्ट में 80वें स्थान पर है। वहीं पाकिस्तानी पासपोर्ट नीचे गिरते हुए 100वें स्थान पर चला गया है। अफगानिस्तान इस लिस्ट में सबसे नीचे है।

दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्ट

1- सिंगापुर

2-जापान, दक्षिण कोरिया और यूएई (संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर)

3- स्वीडन

4-बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस,जर्मनी, आयरलैंड, इटली, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, स्पेन (संयुक्त रूप से चौथा नंबर)

5- ऑस्ट्रिया, ग्रीस, माल्टा, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड (संयुक्त रूप से पांचवां नंबर)

6-हंगरी, पोलैंड, यूके (संयुक्त रूप से छठां नंबर)

7- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चेकिया, लातविया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया (संयुक्त रूप से सांतवें पर)

8-क्रोएशिया एस्टोनिया (संयुक्त रूप से)

9-लिक्टेंस्टीन, लिथुआनिया (संयुक्त रूप से)

10- आइसलैंड और अमेरिका का पासपोर्ट दसवें नंबर पर है।

भारत और पाकिस्तान की स्थिति

सिंगापुर का पासपोर्ट सबसे ताकतवर माना गया है क्योंकि इसके धारकों को 192 डेस्टिनेशन में वीजा फ्री पहुंच मिलती है। जापान, यूएई और साउथ कोरिया के पासपोर्ट से 188 देशों में बिना वीजा एंट्री मिलती है। स्वीडन के पासपोर्ट धारकों को 187 देशों, चौथें नंबर के देशों को 186, पांचवें नंबर के देशों को 185 देशों में पहुंच मिलती है।

भारत का पासपोर्ट ताजा हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में 80 वें पोजीशन पर है। भारतीय पासपोर्ट होल्डर बिना पहले से वीजा लिए 56 देशों में वीजा ट्रैवल कर सकते हैं। भारत के साथ अल्जीरिया, कोत द'इवोआर, मॉरिटानिया और सेनेगल 80 वें पायदान हैं। पाकिस्तान को इस लिस्ट में 100वें स्थान पर है। पाकिस्तान के पासपोर्ट धारक 30 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं।

23 वर्षीय इन्फ्लुएंसर ब्रूक जॉर्ज पर ब्रिटिश युवक की हत्या का आरोप

दुबई, 25 जून (एजेंसियां)। दुबई में 23 वर्षीय ब्रिटिश सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ब्रूक जॉर्ज पर एक ब्रिटिश नागरिक की हत्या का आरोप लगाया गया है। मृतक से उनकी पहचान फेसबुक के जरिए हुई थी। बचाव पक्ष का कहना है कि युवती ने कथित हमले के बाद आत्मरक्षा में कार्रवाई की थी।

मामले में जांच और न्यायिक प्रक्रिया जारी है।

अधिकारियों की ओर से अभी तक आरोपों पर कोई अंतिम फैसला नहीं आया है। यदि आरोपी इन्फ्लुएंसर पर दोष सिद्ध होता है तो उसे फायरिंग स्क्वॉड के माध्यम मौत की सजा मिलने की आशंका है।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रूक की पहचान 26 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक से फेसबुक के जरिए हुई थी। फिर वह दुबई गईं। ब्रूक का कहना है कि पहली यात्रा अच्छी रही, लेकिन दूसरी बार दुबई पहुंचने पर युवक का व्यवहार काफी बदल गया और वह कथित तौर पर आक्रामक तथा नियंत्रित करने वाला हो गया।

परिवार के मुताबिक, घटना वाले दिन दोनों एक बार गए थे। इसके बाद युवक ने कथित रूप से कार और बाद में अपार्टमेंट में ब्रूक के साथ मारपीट की। परिवार का दावा है कि युवती ने दोस्तों की मदद से ब्रिटेन लौटने की व्यवस्था कर ली थी और वह केवल अपना पासपोर्ट लेने के लिए अपार्टमेंट वापस गई थीं।

ब्रूक के अनुसार, वहां फिर से उन पर हमला किया गया। उनका कहना है कि इसी दौरान उन्होंने आत्मरक्षा में पास में मौजूद रसोई के चाकू का इस्तेमाल किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, 22 जून को दुबई एयरपोर्ट से यूएई छोड़ने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। बाद में उन पर हत्या का आरोप लगाया गया।

भारत ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए शुरू किया पर्यटक वीजा

नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी का ऐलान

ढाका, 25 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ने बांग्लादेशी नागरिकों के लिए टूरिस्ट वीजा फिर शुरू कर दिया है। यह ऐलान बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने किया है। यह वीजा शेख हसीना सरकार के पतन के बाद पिछले दो साल से बंद था। हालांकि, बांग्लादेशी नागरिक मेडिकल वीजा पर भारत की यात्रा कर रहे थे। इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार के दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

ढाका में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को जमुना फ्यूचर पार्क स्थित इंडियन वीजा एप्लीकेशन सेंटर में कहा, मुझे खुशी है कि मैं आम यात्रा वीजा फिर से शुरू करने की घोषणा कर पा रहा हूँ। वीज़ा के लिए आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकेंगे। मानवीय आधार पर जरूरी मेडिकल वीजा पहले की तरह ही दिए जाते रहेंगे। उन्होंने बताया कि देश भर में पाँच केंद्रों—ढाका, राजशाही, चटगाँव, सिलहट और खुलना—से वीज़ा जारी किए जाएँगे। भविष्य में इन सेवाओं का और विस्तार किया जाएगा। मुझे खुशी है कि मैं आम यात्रा वीजा

फिर से शुरू करने की घोषणा कर पा रहा हूँ। वीज़ा के लिए आवेदन 28 जून से जमा किए जा सकेंगे। मानवीय आधार पर जरूरी मेडिकल वीजा पहले की तरह ही दिए जाते रहेंगे।

दिनेश त्रिवेदी ने हाल में ही उच्चायुक्त के तौर पर अपना परिचय पत्र बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को सौंपा है। इसके बाद वह आधिकारिक रूप से बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त हो गए हैं। इससे पहले यह जिम्मेदारी प्रणय वर्मा निभा रहे थे। वह अब बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत के राजदूत की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत सरकार ने बांग्लादेश में नए भारतीय उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय के पब्लिक सेफ्टी विभाग द्वारा बुधवार को जारी एक ऑफिस मेमोरेंडम में दी गई। मेमोरेंडम में कहा गया है कि भारत की 'टेबल ऑफ प्रेसिडेंस' में औपचारिक रूप से बदलाव किए बिना, बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त श्री दिनेश त्रिवेदी को केंद्रीय कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण बन सकता है भारत और जापान संबंध

जापान ने की मोदी की तारीफ, आने वाली हैं पीएम

टोक्यो/नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। जापान की वित्त मंत्री सत्सुकी कातायामा ने कहा है कि भारत-जापान के रिश्ते दुनिया के सबसे अहम रिश्ते बन सकते हैं। उन्होंने ये बयान नई दिल्ली में अगले हफ्ते होने वाली भारत-जापान सालाना द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन से पहले कहा है जिसमें जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची शामिल होने वाली हैं।

जापानी वित्त मंत्री राजधानी टोक्यो में आयोजित सालाना 'राइजिंग इंडिया कॉन्क्लेव' के दौरान बोल रही थीं। इस कार्यक्रम को भारतीय उद्यमी नूपुर तिवारी ने आयोजित किया था। जापान की वित्त मंत्री ने इस दौरान 'ऐसे साझेदारों के बीच सहयोग का आह्वान किया जिनकी सोच और हित एक जैसे हों'। वित्त मंत्री कातायामा ने प्रधानमंत्री मोदी को 'एक महान नेता' बताया और कहा कि भारत-जापान संबंधों में दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी बनने की क्षमता है।

'कनेक्ट इंडिया जापान फाउंडेशन' की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष, रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर और सीईओ तोशिहिरो सुजुकी, टोक्यो में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मल्लिक और जापान के डिप्लोमैटिक, डिफेंस और पॉलिसी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। सुजुकी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में मारुति-सुजुकी का 2.35 मिलियन यूनिट का रिकॉर्ड प्रोडक्शन एक ऐसा आंकड़ा है जिसे टोयोटा और बीवाईडी जैसी कुछ ही ग्लोबल कंपनियां हासिल कर पाई हैं।

एक्सपोर्ट लगभग 448,000 यूनिट तक पहुंच गया है जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका, मिडिल ईस्ट और अन्य जगहों के बाजारों में गाड़ियां भेजी गईं हैं जो भारत के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के राष्ट्रीय विजन को दिखाता है।

यह भारत-जापान की कार बनाने वाली कंपनी लगभग 40 करोड़ भारतीयों के जीवन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि सुजुकी के लिए अगली चुनौती 'अगले एक अरब' लोगों के साथ आगे बढ़ना है यानी वह आबादी जो भारत के विकास के अगले चरण की ओर बढ़ रही है।

'जापान भारत में पांचवां सबसे बड़ा निवेशक'

कॉन्क्लेव में उद्घाटन भाषण देते हुए राजदूत मल्लिक ने कहा कि जापान भारत में पांचवां सबसे बड़ा निवेशक है जिसने पिछले 25 वर्षों में लगभग 45 अरब डॉलर का निवेश किया है। हाल ही में जापानी सरकार की एक रिपोर्ट से पता चला है कि 76 प्रतिशत जापानी कंपनियों का भारत में मुनाफा बढ़ा है। आज भारत भर में लगभग 1,500 जापानी कंपनियां 5,200 से ज्यादा बिजनेस यूनिट्स चला रही हैं जो ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, केमिकल, लॉजिस्टिक्स और सर्विस जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

आईसीई सेंटर पर हमले दोषियों को 100 से 70 साल तक की सजा

टेक्सास, 25 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास स्थित प्रेयरीलैंड आईसीई डिटेंशन सेंटर पर जुलाई 2025 में हुए हमले के मामले में 8 दोषियों को सजा सुनाई गई है। कथित लीडर और पुलिस अधिकारी को गोली मारने वाले बेंजामिन हानिल सॉन्ग को 100 साल जेल, जबकि अन्य आरोपियों को 30 से 70 साल तक की कैद दी गई। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) के मुताबिक, दोषियों को दंगा करने, हथियार और विस्फोटकों का इस्तेमाल करने, आतंकवादियों को समर्थन देने, न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने और अल्वाराडो पुलिस अधिकारी की हत्या के प्रयास का दोषी पाया गया। डीओजे ने कहा कि बेंजामिन हानिल सॉन्ग इस समूह का कथित नेता था। उसी ने 4 जुलाई 2025 को हुए हमले के दौरान एक पुलिस अधिकारी को गोली मारकर घायल किया था। न्याय विभाग ने इसे एंटीफा से जुड़े दोषियों की पहली बड़ी सजा बताया। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने फैसले को "कानून और व्यवस्था की जीत" बताया है।

सितंबर 2025 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एंटीफा को "घरेलू आतंकवादी संगठन" घोषित किया था। व्हाइट हाउस का आरोप है कि यह आंदोलन कई हिंसक प्रदर्शनों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई में शामिल रहा है। एंटीफा यानी 'एंटी-फासिस्ट' आंदोलन वामपंथी कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क माना जाता है। यह समूह फासीवाद विरोधी प्रदर्शनों और काउंटर-प्रोटेस्ट के लिए जाना जाता है।

स्नैपचैट पर मुकदमा

बच्ची से दुष्कर्म के मामले में परिवार ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार, कोर्ट पहुंचा मामला

वॉशिंगटन, 25 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के मिसूरी राज्य में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्ची के माता-पिता ने सोशल मीडिया कंपनी 'स्नैप' और एक अपराधी के खिलाफ कोर्ट में केस किया है। यह मामला 12 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म से जुड़ा है। बच्ची की मुलाकात इस अपराधी से स्नैपचैट एप पर हुई थी।

मुकदमे में कहा गया है कि स्नैपचैट ने अपने एप के खतरनाक फीचर्स को बंद करने से मना कर दिया है। कंपनी ने माता-पिता को उन खतरों के बारे में भी चेतावनी नहीं दी, जो इस एप के इस्तेमाल से बच्चों को हो सकते हैं।

साल 2021 में जब बच्ची 11 साल की थी, तब उसने अपने माता-पिता को बताए बिना स्नैपचैट चलाना शुरू किया था। एप पर खाता खोलने के लिए उम्र कम से कम 13 साल होनी चाहिए। लेकिन बच्ची को याद नहीं कि उसने अपनी क्या उम्र भरी थी। मुकदमे के अनुसार, बच्चों को पता है कि वे उम्र की इस शर्त को आसानी से तोड़ सकते हैं। लगभग एक साल बाद, एप ने गैब्रियल जोएल वैलेन्टिन-रियोस नाम के एक आदमी को बच्ची का दोस्त बनने का सुझाव दिया। गैब्रियल एक वयस्क था और बच्ची से उसका कोई परिचय नहीं था। एप ने बच्ची को यह नहीं बताया कि अजनबियों से जुड़ना खतरनाक हो सकता है।

दोस्ती होने के बाद, गैब्रियल ने बच्ची को गंदी तस्वीरें भेजना शुरू कर दिया। बच्ची यह सब नहीं चाहती थी, लेकिन स्नैपचैट की बनावट ऐसी थी कि उसके लिए इन चीजों से बचना नामुमकिन था। एप के 'स्नैप मैप्स' फीचर ने बच्ची की जानकारी के बिना उसका घर का पता गैब्रियल को दे दिया। गैब्रियल ने बच्ची को विश्वास दिलाया कि वह 17 साल का एक छात्र है, जबकि उसकी असली उम्र 25 साल थी। उसने बच्ची को मिलने के लिए बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। गैब्रियल ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है और वह फिलहाल 18 साल की जेल काट रहा है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि स्नैपचैट को पता था कि गैब्रियल के कई खाते थे, फिर भी उसे रोका नहीं गया। इस घटना के बाद बच्ची मानसिक बीमारियों से जूझ रही है।

फायर एग्जिट नहीं, दुर्ग में 4 कोचिंग सेंटर सील

62 को नोटिस, लखनऊ अग्निकांड के बाद एक्शन, रायपुर-बिलासपुर में भी जांच

दुर्ग-भिलाई, 25 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 15 छात्रों की मौत के बाद, छत्तीसगढ़ के दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर में कोचिंग सेंटर्स की जांच की गई। इस दौरान सुरक्षा नियमों की भारी अनदेखी सामने आने पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है।

बुधवार की रात SDRF और पुलिस की संयुक्त टीम ने सरप्राइज इंस्पेक्शन किया। इस दौरान इमरजेंसी एग्जिट (निकास द्वार) और जरूरी सुरक्षा इंतजाम न होने पर 62 कोचिंग सेंटरों को नोटिस जारी किया गया है।

इन्हें व्यवस्था सुधारने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। वहीं, गंभीर लापरवाही पाए जाने पर रामा कोचिंग, कैड एकेडमी मोशन, मोशन कोटा स्टडी सर्किल और वेदांतु को सील कर दिया गया है। वहीं बीजेपी के नेता ने कार्रवाई का विरोध किया है। दूसरी ओर, बिलासपुर में भी पुलिस, नगर निगम और फायर ब्रिगेड की टीम ने 6 कोचिंग सेंटरों की जांच की। इनमें से 5 सेंटरों में बिल्डिंग परमिशन (भवन अनुमति), इमरजेंसी एग्जिट और फायर फाइटिंग इक्विपमेंट (आग बुझाने के उपकरण) जैसी जरूरी सुरक्षा व्यवस्था नहीं मिली। इस कार्रवाई

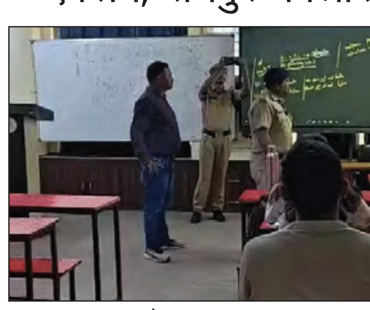

के तहत नियमों का सबसे ज्यादा उल्लंघन करने वाली उड़ान एकेडमी को फौरन सील कर दिया गया, जबकि बाकी 5 सेंटरों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है।

रायपुर में भी 23-24 जून को 7 प्रमुख कोचिंग सेंटरों की जांच की गई, जिसमें अनअकैडमी, विद्यापीठ और एलन में इंतजाम सही मिले। वहीं अकादजा, आरसीसी एकेडमी, आभा लाइब्रेरी और टुटेजा एकेडमी में फायर एनओसी और इमरजेंसी एग्जिट जैसी गंभीर कमियां मिलने पर उन्हें नोटिस जारी कर 7 दिनों में सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं।

वट सावित्री व्रत : सावित्री और सत्यवान की पौराणिक कथा

प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या को उत्तर भारत की सुहागिनों द्वारा तथा ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा को दक्षिण भारत की सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री व्रत का पर्व मनाया जाता है। कहा जाता है कि वट वृक्ष की जड़ों में ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु व डालियों व पत्तियों में भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है।

इस व्रत में महिलाएं वट वृक्ष की पूजा करती हैं, सती सावित्री की कथा सुनने व वाचन करने से सौभाग्यवती महिलाओं की अखंड सौभाग्य की कामना पूरी होती है।

सावित्री और सत्यवान की कथा :-

पौराणिक, प्रामाणिक एवं प्रचलित वट सावित्री व्रत कथा के अनुसार सावित्री के पति अल्पायु थे, उसी समय देव ऋषि नारद आए और सावित्री से कहने लगे की तुम्हारा पति अल्पायु है। आप कोई दूसरा वर मांग लें। पर सावित्री ने कहा- मैं एक हिन्दू नारी हूं, पति को एक ही बार चुनती हूं। इसी समय सत्यवान के सिर में अत्यधिक पीड़ा होने लगी।

सावित्री ने वट वृक्ष के नीचे अपने गोद में पति के सिर को रख उसे लेटा दिया। उसी समय सावित्री ने देखा अनेक यमदूतों के साथ यमराज आ पहुंचे है। सत्यवान के जीव को दक्षिण दिशा की ओर लेकर जा रहे हैं। यह देख सावित्री भी यमराज के पीछे-पीछे चल देती हैं।

उन्हें आता देख यमराज ने कहा कि- हे पतिव्रता नारी! पृथ्वी तक ही पत्नी अपने पति का साथ देती है। अब तुम वापस लौट जाओ। उनकी इस बात पर सावित्री ने कहा- जहां मेरे पति रहेंगे मुझे उनके साथ रहना है। यही मेरा पत्नी धर्म है।

सावित्री के मुख से यह उत्तर सुन कर यमराज बड़े प्रसन्न हुए। उन्होंने सावित्री को वर मांगने को कहा और बोले- मैं तुम्हें तीन वर देता हूं। बोलो तुम कौन-कौन से तीन वर लोगी।

तब सावित्री ने सास-ससुर के लिए नेत्र ज्योति मांगी, ससुर का खोया हुआ राज्य वापस मांगा एवं अपने पति सत्यवान के सौ पुत्रों की मां बनने का वर मांगा। सावित्री के यह तीनों वरदान सुनने के बाद यमराज ने उसे आशीर्वाद दिया और कहा- तथास्तु! ऐसा ही होगा।

सावित्री पुनः उसी वट वृक्ष के पास लौट आई। जहां सत्यवान मृत पड़ा था। सत्यवान के मृत शरीर में फिर से संचार हुआ। इस प्रकार सावित्री ने अपने पतिव्रता व्रत के प्रभाव से न केवल अपने पति को पुनः जीवित करवाया बल्कि सास-ससुर को नेत्र ज्योति प्रदान करते हुए उनके ससुर को खोया राज्य फिर दिलवाया।

तभी से वट सावित्री अमावस्या और वट सावित्री पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष का पूजन-अर्चन करने का विधान है। यह व्रत करने से सौभाग्यवती महिलाओं की मनोकामना पूर्ण होती है और उनका सौभाग्य अखंड रहता है।

सावित्री के पतिव्रता धर्म की कथा का सार :- यह है कि एकनिष्ठ पतिपरायणा स्त्रियां अपने पति को सभी दुख और कष्टों से दूर रखने में समर्थ होती है। जिस प्रकार पतिव्रता धर्म के बल से ही सावित्री ने अपने पति सत्यवान को यमराज के बंधन से छुड़ा लिया था। इतना ही नहीं खोया हुआ राज्य तथा अंधे सास-ससुर की नेत्र ज्योति भी वापस दिला दी। उसी प्रकार महिलाओं को अपना गुरु केवल पति को ही मानना चाहिए। गुरु दीक्षा के चक्र में इधर-उधर नहीं भटकना चाहिए।

देश की ह्यूमन कैपिटल का सदुपयोग करना चाहिए

हमारे देश की समस्याओं की सूची में आबादी एक बहुत बड़ा मसला है। जनसंख्या के मामले में हम दुनिया में नंबर एक हो गए। इस समस्या को लेकर जानकार लोगों के मत अलग-अलग हैं। एक वर्ग का मानना है, धर्म की दृष्टि से जनसंख्या वृद्धि को देखें तो असंतुलन है, आगे खतरा बढ़ सकता है। आर्थिक विकास की दृष्टि से देखें तो कुछ लोगों का मानना है, खतरे की कोई बात नहीं है। लेकिन सामान्य आबादी क्या चाहती है? अब इसका भी अध्ययन होना चाहिए।

हमारे देश की ह्यूमन कैपिटल का सदुपयोग किया जाए। पहली बात, भोजन सबको मिले और दूसरी बात, योग्यता का पर्याप्त उपयोग हो। अपनी आबादी के लिए रक्षा और विकास का अद्भुत प्रयोग श्रीकृष्ण ने किया था। उन्होंने द्वारिका बसाई। द्वारिका की व्यवस्था उन्होंने ऐसी की थी कि सब सुरक्षित रहें और सबका विकास हो।

क्योंकि कृष्ण का मानना था यदि मैं आगे बढ़ूं तो मेरे साथ जो लोग हैं, वे भी आगे बढ़ें। केवल राजा की ख्याति न बढ़े, प्रजा की भी जय-जयकार हो। तो समय आ गया है कि हमारे देश की आबादी के साथ द्वारिका जैसे प्रयोग किए जाने चाहिए।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर बन रहा दुर्लभ संयोग!

हरिद्वारः हिंदू धर्म में सोमवार के दिन आने वाली अमावस्या या पूर्णिमा की तिथि को बेहद पवित्र और फलदायी माना जाता है। इस बार ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा सोमवार (चंद्रवार) के दिन पड़ रही है, जिससे सोमवती पूर्णिमा का एक विशेष संयोग बन रहा है। इस पावन दिन पवित्र तीर्थ नगरी हरिद्वार में गंगा स्नान करने, दान-पुण्य करने, पूजा-पाठ और अपने पितरों का तर्पण या पिंडदान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

धार्मिक मान्यताओं और महत्व की जानकारी देते हुए पंडित श्रीधर शास्त्री ने बताया कि इस साल ज्येष्ठ महीने में सोमवती अमावस्या पर देश के अलग-अलग राज्यों से आए लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई थी। अब ठीक इसके बाद ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा भी सोमवार के दिन ही आ रही है। ऐसा संयोग बहुत कम बनता है। इस खास दिन हरिद्वार में हर की पौड़ी पर जाकर जप, तप, दान और पितरों का श्राद्ध करने से घर की सभी परेशानियां और आर्थिक तंगी हमेशा के लिए खत्म हो जाती है।

नाराज पितृ होंगे प्रसन्न, जीवन में आएगी खुशहाली

पंडित श्रीधर शास्त्री के अनुसार, 29 जून सोमवार को पड़ने वाली इस ज्येष्ठ पूर्णिमा की शुभ तिथि मूल नक्षत्र में आ रही है। जिन लोगों की कुंडली में पितृदोष है या जिनके पितृ नाराज हैं, वे यदि इस दिन हरिद्वार के विशेष घाटों पर जाकर अपने पूर्वजों के नाम का तर्पण और पिंडदान करते हैं, तो उनके पितृ प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति का आगमन होता है।

हरिद्वार के इन घाटों पर स्नान करने से दूर होंगे सारे पाप

स्कंद पुराण के केदारखंड में हरिद्वार के कुछ विशेष गंगा घाटों का बहुत ही पवित्र वर्णन मिलता है और मान्यता है कि खास तिथियों पर इन घाटों का जल अमृत के समान हो जाता है। सोमवार को पूर्णिमा के दिन आपको हर की पौड़ी के ब्रह्मकुंड घाट, अस्थि प्रवाह घाट, ब्रह्मकुंड के ठीक सामने स्थित मालवीय घाट, सुभाष घाट, कुशा घाट और चंडी घाट (नील घाट) पर स्नान और पूजा जरूर करनी चाहिए।

सोमवार को पूर्णिमा की इस शुभ घड़ी में इनमें से किसी भी घाट पर स्नान करने से इंसान के तन और मन के सभी पाप धुल जाते हैं, इसलिए अगर आप भी इस महासंयोग का लाभ उठाना चाहते हैं तो 29 जून को हरिद्वार आकर गंगा मैया की पवित्र धारा में डुबकी जरूर लगाएं।

धन और सौभाग्य वृद्धि के लिए घर में कुबेर स्थान को इस तरह करें सक्रिय

कुबेर स्थान घर का वह हिस्सा है जो धन के देवता भगवान कुबेर को समर्पित है। उत्तर दिशा में इसका स्थान विशेष रूप से शुभ माना जाता है धन और समृद्धि की कामना हर व्यक्ति करता है। वास्तु शास्त्र में घर की उत्तर दिशा को विशेष महत्व दिया गया है, क्योंकि इसे धन के देवता कुबेर की दिशा माना जाता है। मान्यता है कि अगर घर में कुबेर स्थान को सही तरीके से सक्रिय किया जाए तो आर्थिक उन्नति, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के द्वार खुल सकते हैं। कुबेर स्थान को सक्रिय करने के ये उपाय धार्मिक और पारंपरिक मान्यताओं पर आधारिकुबेर यंत्र की स्थापना करें

धन प्राप्ति और आर्थिक स्थिरता के लिए कुबेर यंत्र को अत्यंत शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, कुबेर यंत्र को उत्तर दिशा में स्थापित करने से कुबेर देव की कृपा प्राप्त होती है। स्थापना से पहले यंत्र को गंगाजल से शुद्ध करें और विधि-विधान से पूजा करें। नियमित रूप से दीपक और धूप अर्पित करने से इसका प्रभाव बढ़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुबेर यंत्र घर में धन की स्थिरता और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है।

धन और तिजोरी उत्तर दिशा में रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण वित्तीय दस्तावेज हमेशा उत्तर दिशा में रखना लाभकारी माना जाता है। अगर घर या व्यवसायिक स्थल पर तिजोरी या लॉकर है तो उसे इस प्रकार रखें कि उसका दरवाजा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर खुले। मान्यता है कि इससे धन में वृद्धि होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहती है। लॉकर का गलत स्थान या दिशा धन की अस्थिरता का कारण बन सकती है। इसलिए हमेशा यह सुनिश्चित करें कि लॉकर उत्तर दिशा की ओर खुलता हो।

उत्तर दिशा में रखें शुभ प्रतीक

उत्तर दिशा में हरे-भरे पौधे, क्रिस्टल बॉल, धातु का कछुआ या जल से जुड़े प्रतीक रखना भी शुभ माना जाता है। यह दिशा जल तत्व से जुड़ी मानी जाती है, इसलिए यहां छोटे फव्वारे या जल पात्र रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है। हालांकि जल से संबंधित वस्तुओं की नियमित सफाई आवश्यक है। अंधेरी और बंद उत्तर दिशा आर्थिक प्रगति में बाधा मानी जाती है। इसलिए इस दिशा में पर्याप्त प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन होना चाहिए। अगर संभव हो तो यहां खिड़कियां खुली रखें ताकि सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहे।

त हैं, जिन्हें लोग शुभता और समृद्धि के लिए अपनाते हैं। ये उपाय ज्यादा खर्चीले या परेशान करने वाले नही हैं इसलिए आपको ज्यादा दिक्कत भी नहीं होगी। आइए जानते हैं कि घर में कुबेर स्थान को कैसे सक्रिय किया जा सकता है...

उत्तर दिशा को रखें साफ और व्यवस्थित

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर दिशा में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह सबसे अधिक होता है। इसलिए इस दिशा को हमेशा साफ-सुथरा और अव्यवस्था से मुक्त रखना चाहिए। यहां टूटे-फूटे सामान, कचरा या भारी वस्तुएं रखने से बचें। माना जाता है कि गंदगी और अव्यवस्था धन आगमन में बाधा उत्पन्न कर सकती है। अगर उत्तर दिशा खुली और स्वच्छ रहे तो घर में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आर्थिक अवसर भी बढ़ते हैं।

वास्तु की आम गलतियां

अच्छी नीयत वाले गृहस्वामी भी कभी-कभी वास्तु संबंधी ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे धन के कोने की प्रभावशीलता कम हो जाती है। उत्तर दिशा में बाथरूम होने से धन की ऊर्जा कम हो सकती है। इसके नकारात्मक प्रभावों को संतुलित करने के लिए एक छोटा शीशा या घर के अंदर पौधे लगाना उपाय है। उत्तर दिशा में भारी सामान या अनुपयोगी वस्तुएं रखने से समृद्धि का आगमन रुक सकता है। इस क्षेत्र को प्रकाशयुक्त और जीवंत रखें।

कुबेर स्थान को सक्रिय करने के 5 उपाय

- **अपने घर के उत्तर भाग को साफ-सुथरा रखें।**
- **उत्तर दिशा में कुबेर यंत्र स्थापित करें या उसे अभिमंत्रित करें।**
- **सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने के लिए दर्पण या जलधारा जैसी सजावटी वस्तुएं लगाएं।**
- **तिजोरियां या धन लॉकर दक्षिण-पश्चिम दिशा में उत्तर की ओर मुख करके रखें।**
- **उत्तर दिशा में अव्यवस्था या बाथरूम बनाने से बचें और आवश्यकता पड़ने पर वास्तु उपाय अपनाएं।**

पिता की खोपड़ी खाकर बना त्रिकालदर्शी

महाभारत का सच जानकर भी क्यों मौन रहा पांडवों का यह भाई?

समय-समय पर महाभारत युद्ध की ऐसी घटनाएं सामने आ जाती हैं, जिससे लगता है कि क्या सच में ऐसा हुआ था। महाभारत के हर पात्र, घटना, विचार आज भी लोगों के लिए आशचर्य का कारण बने हुए हैं। महाभारत से जुड़ी सबसे रोचक परंपराओं में बताया जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण के अलावा सबसे छोटे पांडव सहदेव को भविष्य का असाधारण ज्ञान था। वे उन घटनाओं को समझते थे, जिन्हें दूसरे नहीं देख सकते थे इसलिए उनको त्रिकालदर्शी कहा गया। वे उन सच्चाइयों को जानते थे जो सब कुछ बदल सकती थीं। और फिर भी वे चुप रहे... क्यों? इसका उत्तर महाभारत की सबसे रहस्यमय कहानियों में छिपा हुआ है। आइए जानते हैं परिवार के अभिमन्यु, घटोत्कच जैसे योद्धाओं को वीरगति मिलती देख भी, सहदेव ने आखिर क्यों कुछ नहीं किया।

सहदेव शांत और एकाग्र

जब लोग महाभारत की चर्चा करते हैं, तो सहदेव का नाम सबसे अंत में लिया जाता है। सहदेव की माता महाराज पांडु की दूसरी पत्नी माद्री थीं। द्रौपदी के अलावा सहदेव का विवाह विजया से भी हुआ था। सहदेव और द्रौपदी के पुत्र का नाम श्रुतसेन और विजया से उनको सुहोत्र पुत्र की प्राप्ति हुई। सहदेव महान व्यक्तित्वों और महान योद्धाओं की छाया में रहे। फिर भी कई परंपराएं उन्हें महाकाव्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक बताती हैं। दूसरों के विपरीत, जिन्होंने कर्म या नेतृत्व के माध्यम से ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की, सहदेव शांत और एकाग्र रहे।

वह विचित्र वरदान जिसने सब कुछ बदल दिया

एक प्रचलित परंपरा के अनुसार, सहदेव ने अपने पिता पांडु से जुड़ी एक दिव्य घटना के माध्यम से भूतकाल, वर्तमान और भविष्य का ज्ञान प्राप्त किया, जिससे वह त्रिकालदर्शी बन गए थे। कुछ कथाओं में उल्लेख मिलता है कि पिता महाराज पांडु की अंतिम इच्छा के अनुसार, सहदेव ने उनके मस्तिष्क के कुछ हिस्से खाए लिए थे, जिससे उन्हें तीनों लोकों का ज्ञान प्राप्त हो गया। सहदेव जानते थे कि विनाशकारी महाभारत युद्ध का अंत क्या होगा लेकिन श्रीकृष्ण ने उन्हें यह रहस्य किसी को ना बताने के लिए कहा था।

उनकी चुप्पी के पीछे का अभिशाप

परंपरागत कथाओं के अनुसार, सहदेव पर एक प्रतिबंध था जो उन्हें अपने ज्ञान को खुलकर प्रकट करने से रोकता था। बताया जाता है कि त्रिकालदर्शी सहदेव को कृष्णजी ने शाप दिया था कि अगर उन्होंने भविष्य की घटनाओं के बारे में किसी को भी जानकारी दी तो उसी क्षण सहदेव के प्राण चले जाएंगे। अगर कोई उनसे सीधे पूछता, तो वे सच्चाई से उत्तर देते। हालांकि, वे सब कुछ प्रकट करके भाग्य में हस्तक्षेप नहीं कर सकते थे। यह महाकाव्य में सबसे आकर्षक दुविधाओं में से एक को जन्म देता है। कल्पना कीजिए कि इतिहास के सबसे बड़े प्रश्नों के उत्तर आपके पास हैं, फिर भी आप उन्हें साझा करने में असमर्थ हैं।

युद्ध क्यों नहीं रोका जा सका?

एक आम सवाल उठता है: अगर सहदेव भविष्य जानते थे, तो उन्होंने महाभारत युद्ध क्यों नहीं रोका? इसका जवाब महाकाव्य के एक केंद्रीय विषय में निहित है। महाभारत बार-बार यह संकेत देता है कि कुछ घटनाएं सामूहिक चुनाव, कर्म और भाग्य से उत्पन्न होती हैं। दुर्योधन का लोभ, शकुनी का छल और शांति का बार-बार अस्वीकार करना संघर्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। सहदेव मंजिल को जानते थे, लेकिन यात्रा सभी संबंधित लोगों की थी। परिणाम जानने से हमेशा उसे रोकने की शक्ति नहीं मिल जाती।

केवल तभी काम करती थी सहदेव की भविष्य-दृष्टि

सहदेव की भविष्य-दृष्टि भी कुछ निश्चित सीमाओं और परिस्थितियों से बंधी हुई थी। वे सर्वज्ञ नहीं थे कि हर समय हर व्यक्ति और हर घटना का ज्ञान उन्हें स्वतः हो जाए। उनकी दिव्य दृष्टि तभी सक्रिय होती थी जब वे किसी विशेष विषय के बारे में जानने की इच्छा या जिज्ञासा रखते थे। दूसरे शब्दों में, सहदेव केवल उसी विषय का भविष्य या रहस्य देख सकते थे, जिसकी ओर उनका मन और ध्यान जाता था। इसलिए यह संभव है कि उन्होंने कभी कर्ण की वास्तविक पहचान या अपनी माता कुंती के अतीत के बारे में जानने का प्रयास ही ना किया हो। अगर उनके मन में इस विषय को लेकर प्रश्न उत्पन्न नहीं हुआ, तो उनकी भविष्य-दृष्टि के माध्यम से उस रहस्य का उद्घाटन भी नहीं हुआ होगा।

कब रखा जाएगा शनि प्रदोष व्रत?

प्रदोष व्रत हर महीने में दो बार कृष्णपक्ष और शुक्लपक्ष में पड़ता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 26 जून 2026 की रात 10 बजकर 22 मिनट से शुरू होगी और 28 जून 2026 की रात 12 बजकर 43 मिनट तक रहेगी।

ऐसे में उदया तिथि के आधार पर शनि प्रदोष व्रत 27 जून 2026, शनिवार को रखा जाएगा।

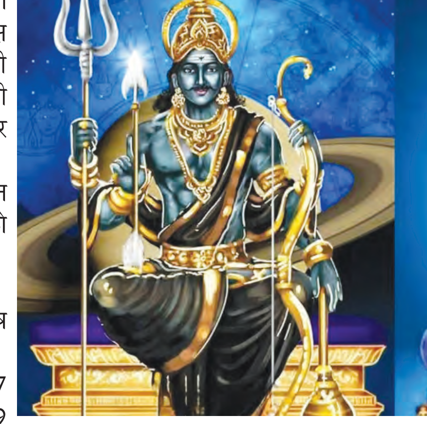

पूजा का शुभ मुहूर्त

प्रदोष व्रत में प्रदोष काल का विशेष महत्व होता है।

इस दिन पूजा का शुभ समय शाम 7 बजकर 20 मिनट से रात 9 बजकर 29 मिनट तक रहेगा। इस अवधि में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करना अत्यंत फलदायी माना गया है।

ऐसे करें शनि प्रदोष व्रत की पूजा

व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ और हल्के रंग के वस्त्र पहनें।

तांबे के पात्र से सूर्यदेव को जल अर्पित करें और मन में व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद दिनभर श्रद्धा के साथ व्रत रखते हुए 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते रहें।

शाम को प्रदोष काल में भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें।

इसके बाद स्वच्छ जल से स्नान कराकर रोली, अक्षत, धूप और दीप अर्पित करें।

भोग में खीर और मौसमी फल चढ़ाएं।

108 बार 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें और भगवान शिव की आरती गाएं।

शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाएं।

इस दिन जरूरतमंदों को दान देने का भी विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया शनि प्रदोष व्रत न केवल आध्यात्मिक बल देता है, बल्कि जीवन में सुख, शांति और उन्नति का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

चढ़ावे की चोरी में लीपापोती होगी या होगा राजफाश

राधा रमण

भले ही अयोध्या के राममंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए गठित एसआईटी की शुरुआती जांच रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय में पहुंच चुकी है, लेकिन इस मामले की अब तक कोई प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज नहीं कराई गयी है। बिना एफआईआर के इस रिपोर्ट का मतलब क्या है ? विपक्ष के लगातार हमलों, आस्थावान लोगों की चिन्ता, हिन्दू संगठनों की मांग और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के आग्रह पर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 14 जून को लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। जांच दल के अन्य सदस्यों में लखनऊ रेंज के आईजी किरण शिवकुमार और उत्तरप्रदेश वित्त विभाग के विशेष सचिव नीलरतन कुमार शामिल थे। एसआईटी ने छह दिन अयोध्या में रुक कर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल कुमार मिश्र और व्यवस्थापक गोपाल राव समेत सेवादार रामशंकर यादव उर्फ टिंकू यादव, अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, अवनीश, सोमेश आनन्द समेत करीब 60 लोगों से पूछताछ के बाद रिपोर्ट सौंपी है। विशेष जांच दल ने बैंक अधिकारियों और नोटों की गिनती से जुड़ी निजी एजेंसी के प्रतिनिधियों से भी पूछताछ की है और बैंक स्टेटमेंट तथा वित्तीय रिकॉर्ड की भी पड़ताल की है।बताया जाता है कि एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में किसी को क्लीनचिट नहीं दी है। साथ ही विस्तृत जांच के लिए और समय की मांग की है। एसआईटी को अब तक की जांच में कई गड़बड़ियों के सुबूत मिले हैं। जांच में सीसीटीवी में छेड़छाड़ के भी सुबूत मिले हैं। दान की राशि के रिकॉर्ड से भी एसआईटी संतुष्ट नहीं है। अभी तक की जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उससे न सिर्फ नकदी बल्कि दान किये गए सोना-चांदी और हीरे-जवाहरात की भी हेराफेरी की आशंका है। इसलिए विशेष जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में ट्रस्ट का पुनर्गठन करने, मंदिर के प्रबंधन को व्यवस्थित करने, चढ़ावा और जेवरात की निगरानी करने, जवाबदेही तय करने और किसी प्रशासनिक अधिकारी को बतौर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्ति करने की भी सिफारिश की है।

सात जून को अयोध्या के पूर्व विधायक पवन पाण्डेय ने राममंदिर के चढ़ावे में 7.50 करोड़ की हेराफेरी का आरोप लगाया था, तब किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। दूसरे दिन समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष सांसद अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को लपक लिया और सरकार से न्यायिक जांच की मांग की। तब जाकर लोगों को मामले की गंभीरता का पता चला। फिर क्या था, बजरंग दल के अध्यक्ष और राममंदिर प्रबंध समिति से दरकिनार किये गए पूर्व सांसद विनय कटियार, धर्मसेना के प्रमुख संतोष दुबे, हिन्दू महासभा के उपाध्यक्ष पंडित अशोक शर्मा और कुछ साधु संतों ने अखिलेश के आरोपों को हवा दे दी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की जमीन खरीद में गड़बड़झाला को लेकर थाने में शिकायत लेकर पहुंच गए। शुरुआत में तो उत्तरप्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य समेत भाजपा के कई नेता प्रदेश की मस्जिदों के चढ़ावे में हेराफेरी का आरोप लेकर काउंटर करने मैदान में उतरे लेकिन आखिरकार जीत रामभक्तों की ही हुई। यह आज की राजनीति का नया चलन है। यहां सवाल के बदले सवाल किये जाते हैं। दबाव में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विशेष जांच दल का गठन करना पड़ा। लेकिन एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय भेजे जाने से शक गहरा रहा है। कायदे से रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर करानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है।

बड़ा सवाल यह कि क्या केंद्र के कहने पर उत्तरप्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन किया था ? यदि यह सही है तो प्रधानमंत्री इस मसले पर अभी तक चुप क्यों हैं ? गृहमंत्री भी कुछ नहीं बोल रहे हैं। उत्तरप्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। राम आम आदमी के रोम-रोम में बसे हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी राममंदिर बनवाने के नाम पर ही देश-प्रदेश में सत्ता के शिखर पर पहुंची है। यदि राम के चढ़ावे की चोरी होती रही और गुनहगार बेखौफ घूमते रहे तो निश्चित रूप से दोषियों को बचाने वालों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। पिछले दिनों उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या गए थे। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया था कि जैसे प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए 500 साल प्रतीक्षा किया, वैसे चढ़ावा चोरी की जांच के लिए 15 दिन तक इंतजार करें, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। बेशक, लोगों को मुख्यमंत्री के भरोसे का सम्मान करना चाहिए।

सवाल यह भी है कि क्या ट्रस्ट में शामिल लोगों को पद से हटा देने भर से दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा ? अभी तक बिना एफआईआर कराये कुछ लोगों से दो करोड़ से अधिक रुपये की बरामदगी हो चुकी है। रामशंकर यादव के घर से कुछ सोना भी बरामद हुआ है। ऐसे में जाहिर है कि मामला 7.50 करोड़ की हेराफेरी का ही नहीं है। उससे ज्यादा का है। चोरों का गिरोह कब से यह काम कर रहा था, अभी तो इसका भी पता नहीं चला है। अयोध्या में सेवादारों की नियुक्ति कौन करता है ? इसके मानक क्या हैं ? बहाली से पहले उनकी जांच- पड़ताल होती भी है या नहीं। रामशंकर पहले ऑटो चलाया करता था। फिर चंपत राय की कार चलाने लगा। अब राममंदिर की सेवा में आने के बाद उसके 70 कमरों का होटल और अयोध्या – लखनऊ में आलीशान मकान कहां से बन गए। अनुकल्प मिश्र ट्रस्टी अनिल कुमार मिश्र का बेटा है। पहले क्या करता था। राममंदिर में सेवा के दौरान उसने कहां से इतनी कमाई कर ली कि डेढ़ करोड़ रुपये की जमीन खरीद ली और बंगला बना लिया। लवकुश अनुकल्प का साला लगता है। उसके ठिकाने से घर के घूरे में रखे 12 लाख रुपये नकद मिले हैं। अयोध्या में 40 लाख कीमत की जमीन भी है। सवाल यह भी है कि ट्रस्टियों के मनोनयन से पहले क्या सरकार ने उनकी माली हालत की जांच कराई थी ? ट्रस्ट में आते ही वे मालामाल कैसे हो गए ?

उत्तरप्रदेश कैडर के 1967 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अवकाशप्राप्त अधिकारी नृपेन्द्र मिश्र पहले प्रधानमंत्री कार्यालय के मुख्य सचिव थे। अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के सदस्य हैं। वे राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष हैं। उनका कहना है कि मामला चढ़ावा चोरी का नहीं, डकैती का है। तो क्या नृपेन्द्र मिश्र पवन पाण्डेय और अखिलेश यादव के आरोपों का इंतजार कर रहे थे ?

विश्वास की हत्या का बढ़ता संकट

पुणे के युवा उद्यमी केतन अग्रवाल की नृशंस हत्या ने केवल एक परिवार की खुशियां नहीं छीनीं, बल्कि रिश्तों में बढ़ती बेवफाई, छल और हिंसा की भयावह प्रवृत्ति पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस शानदार विवाह की तैयारियां दोनों परिवार महीनों से कर रहे थे, उसी रिश्ते का अंत एक सुनियोजित हत्या ने होना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह घटना केवल आपराधिक मामला नहीं, बल्कि सामाजिक मूल्यों, पारिवारिक संवाद और न्याय व्यवस्था की परीक्षा भी है। हर व्यक्ति को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने और किसी रिश्ते को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूरा अधिकार है। यदि किसी रिश्ते में असहमति है, तो उसका समाधान स्पष्ट संवाद, पारदर्शिता और कानूनी तरीके से निकाला जा सकता है। लेकिन किसी निर्दोष की जान लेना न संविधान स्वीकार करता है, न समाज और न ही कोई धर्म। हत्या कभी किसी समस्या का समाधान हो ही नहीं सकता। यह हत्या दो परिवारों के लिए भी आत्ममंथन का अवसर है। विवाह केवल सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि दो व्यक्तियों की सहमति और विश्वास पर आधारित संबंध भी है। कई बार माता-पिता बच्चों की वास्तविक भावनाओं से अधिक सामाजिक प्रतिष्ठा और तैयारियों पर ध्यान देने लगते हैं। वहीं युवा भी अपनी असहमति समय रहते स्पष्ट नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप झूठ, दबाव और दोहरी जिंदगी ऐसे हालात पैदा कर देते हैं, जिनकी कीमत निर्दोष लोगों को चुकानी पड़ती है। इसलिए रिश्तों में ईमानदारी, संवाद और समय पर लिया गया निर्णय सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस मामले ने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। ऐसे जघन्य अपराधों की निष्पक्ष, त्वरित जांच और दोषियों को शीघ्र कठोर दंड मिलना जरूरी है। न्याय में देरी से जहां समाज का भरोसा कमजोर पड़ता है वहीं अपराधियों का मनोबल बढ़ता है। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि समय पर होता हुआ दिखना भी चाहिए। देखा जाए तो आज का समाज दिखावे और आभासी दुनिया की चमक में उलझता जा रहा है। सोशल मीडिया पर आदर्श जीवन का प्रदर्शन आसान है, लेकिन रिश्तों की सच्चाई अक्सर संवाद की कमी में दम तोड़ देती है। यही कारण है कि पारिवारिक और वैवाहिक विवादों से जुड़े अपराध चिंता का विषय बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि आधुनिकता का अर्थ केवल स्वतंत्रता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और नैतिक परिपक्वता भी है। केतन अग्रवाल हत्याकांड केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि रिश्तों में घटते विश्वास का दर्दनाक प्रतीक है। यह समाज, परिवार और कानून के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यदि बच्चों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता के साथ सच बोलने का साहस, रिश्तों का सम्मान और मतभेदों को संवाद से सुलझाने की सीख दें, तभी ऐसी त्रासदियों को रोका जा सकेगा। रिश्ता टूटने का दर्द सहा जा सकता है, लेकिन किसी निर्दोष की हत्या कभी स्वीकार नहीं की जा सकती।

कबीर: सत्ता नहीं सत्य के पैरोकार

डॉ घनश्याम बादल

29 जून 2026 को कबीर जयंती मनाते समय हमें केवल एक संत, कवि या भक्त का स्मरण नहीं करना, बल्कि उस निर्भीक चेतना को याद करना है जिसने अपने समय के धार्मिक, सामाजिक और बौद्धिक पाखंड को खुली चुनौती दी थी। कबीर भारतीय परंपरा के उन विरल व्यक्तित्वों में हैं जिन्हें किसी एक धर्म, संप्रदाय, जाति या विचारधारा की सीमाओं में बाँधना संभव नहीं है। वे न केवल अक्खड़, फक्कड़ और अलमस्त संत थे, बल्कि समाज के अंतःकरण की वह बेचैन आवाज भी थे जो झूठ, आडंबर और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सकती थी।

पंद्रहवीं शताब्दी का भारत धार्मिक कट्टरताओं, जातिगत विभाजनों और कर्मकांडों के बोझ से दबा हुआ था। एक ओर हिंदू समाज मूर्तिपूजा, जाति-व्यवस्था और कर्मकांडों में उलझा था, तो दूसरी ओर मुस्लिम समाज भी बाहरी धार्मिक प्रदर्शन और कट्टरता के जाल में फँसा हुआ था। ऐसे समय में कबीर ने किसी पक्ष का समर्थन नहीं किया। उन्होंने दोनों के दोषों पर समान कठोरता से प्रहार किया। उनकी दृष्टि में सत्य किसी मंदिर, मस्जिद, पोथी या पंथ का बंधक नहीं था। कबीर की सबसे बड़ी विशेषता थी कि उन्होंने अपने विचारों को मीठे शब्दों में नहीं सजाया। वे समाज को खुश करने नहीं, जगाने आए थे। इसलिए उनकी भाषा तलवार की धार जैसी तीखी और प्रहारक थी। यह केवल विद्वत्ता की आलोचना नहीं, बल्कि उस ज्ञान-अहंकार पर चोट है जो मनुष्य को मनुष्य से दूर कर देता है। कबीर जानते थे कि पुस्तकें पढ़ लेने से सत्य नहीं मिलता; सत्य अनुभव, संवेदना और आत्मबोध से प्राप्त होता है। आज जब सूचना का विस्फोट है, डिग्रियों का अंबार है और सोशल मीडिया पर ज्ञान की नुमाइश लगी हुई है, तब कबीर का यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। ज्ञान यदि विनम्रता, विवेक और मानवता न दे सके तो वह केवल अहंकार का नया वस्त्र बनकर रह जाता है। कबीर का विद्रोह केवल धार्मिक पाखंड तक सीमित नहीं था अपितु जाति-व्यवस्था को भी खुली चुनौती थी। वे पूछते हैं कि यदि सभी मनुष्यों का जन्म एक ही प्रकार से होता है तो कोई ऊँचा और कोई नीचा कैसे हो सकता है? आज भी भारतीय समाज जातिगत भेदभाव की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है। आधुनिकता के दावे करने वाला समाज विवाह, राजनीति, सामाजिक प्रतिष्ठा और संसाधनों के वितरण में जाति को निर्णायक मानता है। ऐसे में कबीर की वाणी हमारे आत्ममुग्ध समाज के सामने असहज प्रश्न खड़े करती है। कबीर अंधविश्वासों के प्रखर आलोचक थे। वे जानते थे कि भय और अज्ञान का व्यापार करने वाले लोग धर्म के नाम पर जनता का शोषण करते हैं। इसलिए उन्होंने तीखे शब्दों में कहा- "माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर। कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर॥" यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पाँच सौ वर्ष पहले था। आज तकनीक और विज्ञान के युग में भी समाज का बड़ा हिस्सा चमत्कारों, झूठे दावों, ढोंगी बाबाओं और अवैज्ञानिक मान्यताओं के प्रभाव में है। धर्म के नाम पर भय बेचा जा रहा है और मोक्ष के नाम पर कारोबार चल रहा है। कबीर होते तो शायद आज भी उतनी ही कठोर भाषा में इन प्रवृत्तियों को ललकारते। कबीर की फक्कड़ता केवल जीवनशैली एक वैचारिक घोषणा थी। उन्होंने सत्ता, प्रतिष्ठा और सामाजिक स्वीकृति की परवाह नहीं की। वे किसी दरबार के कवि नहीं बने, किसी संप्रदाय के प्रचारक नहीं बने और किसी समूह की खुशामद नहीं की। उनका एकमात्र सरोकार सत्य था। इसी कारण उनकी वाणी में असाधारण निर्भीकता दिखाई देती है। वे जानते थे कि सत्य बोलने वाले को सम्मान से अधिक विरोध मिलता है, फिर भी उन्होंने अपने स्वर को कभी धीमा नहीं किया। कुल मिलाकर कहें तो कबीर सत्ता के नहीं सत्य के पैरोकार थे। वर्तमान समय में कबीर की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है क्योंकि हमारा सार्वजनिक जीवन दिखावे, प्रचार और कृत्रिम छवियों से भर गया है। धर्म का प्रदर्शन बढ़ा है, पर धर्म का सार सिकुड़ता जा रहा है। नैतिकता की बातें बहुत हैं, पर आचरण में उसका अभाव दिखाई देता है। राजनीति में आदर्शों की चर्चा होती है, लेकिन व्यवहार में अवसरवाद हावी है। आध्यात्मिकता का बाजार फल-फूल रहा है, पर मनुष्य के भीतर करुणा और सहिष्णुता का संकट गहराता जा रहा है।

नवाचार का नया औजार ड्रोन

सचिन त्रिपाठी

साल 2020 के बाद भारत में जिस तकनीक ने सबसे तेजी से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है उसमें ड्रोन प्रमुख है। कभी सेना और सुरक्षा एजेंसियों तक सीमित रहने वाली यह तकनीक आज खेतों, गांवों, शहरों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक पहुंच चुकी है। ड्रोन अब केवल उड़ने वाला कैमरा नहीं, बल्कि विकास, सुशासन, उत्पादकता और नवाचार का नया औजार बन चुका है। भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे समय में ड्रोन तकनीक देश के विकास को नई गति देने वाली शक्ति के रूप में उभर रही है। यह तकनीक न केवल समय और लागत बचा रही है बल्कि उन क्षेत्रों तक पहुंच बना रही है जहां पारंपरिक व्यवस्थाएं अक्सर सीमित साबित होती थीं।

भारत सरकार ने 2021 में ड्रोन नियमों को सरल बनाकर इस क्षेत्र के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले। इसका असर यह हुआ कि देश में ड्रोन स्टार्टअप्स और निर्माण इकाइयों की संख्या तेजी से बढ़ी। वर्तमान में देश में 400 से अधिक ड्रोन स्टार्टअप सक्रिय हैं। उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत का ड्रोन उद्योग 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बाजार बन सकता है। इसके साथ ही लगभग 5 लाख नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। ड्रोन पायलट, डेटा एनालिस्ट, सर्वे विशेषज्ञ, जीआईएस तकनीशियन और सॉफ्टवेयर इंजीनियर जैसे नए पेशे तेजी से उभर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन केवल तकनीक नहीं है बल्कि यह एक संपूर्ण इकोसिस्टम है जो निर्माण, सॉफ्टवेयर, डेटा प्रोसेसिंग और सेवा क्षेत्र को एक साथ जोड़ता है। भारत की लगभग 46 प्रतिशत कार्यशील आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी तकनीक का सबसे अधिक प्रभाव दिख रहा है तो वह कृषि क्षेत्र है। ड्रोन की मदद से खेतों में कीटनाशकों और उर्वरकों का छिड़काव तेजी से किया जा रहा है। कृषि मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के परीक्षण बताते हैं कि ड्रोन के माध्यम से छिड़काव करने पर 75 से 90 प्रतिशत तक समय की बचत होती है। पानी की खपत 30 से 40 प्रतिशत तक कम होती है जबकि रसायनों का उपयोग भी 20 से 30 प्रतिशत तक घट जाता है। एक सामान्य कृषि ड्रोन मात्र 15 से 20 मिनट में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है। यही काम पारंपरिक तरीके से करने में कई घंटे लगते हैं। इसके अलावा मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरों से लैस ड्रोन किसानों को यह भी बताते हैं कि खेत के किस हिस्से में नमी कम है, कहां पौधे बीमार हैं और किस क्षेत्र में अतिरिक्त पोषण की जरूरत है। यानी खेती अब अनुभव आधारित नहीं बल्कि डेटा आधारित होती जा रही है।

ड्रोन तकनीक ने राजस्व और भूमि प्रबंधन व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव किया है। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत देश के 3.18 लाख से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है। इसके आधार पर 2 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं। ग्रामीण भारत में भूमि विवाद लंबे समय से सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती रहे हैं। ड्रोन सर्वेक्षण से पहली बार गांवों की संपत्तियों का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार हुआ है। इससे न केवल विवाद कम होने की संभावना है बल्कि ग्रामीणों को बैंक ऋण और वित्तीय सुविधाएं प्राप्त करने में भी मदद मिल रही है। भारत हर वर्ष बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन और जंगल की आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होता है। ऐसी परिस्थितियों में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक होता है। ड्रोन आपदा प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक तस्वीर कुछ ही मिनटों में उपलब्ध करा देते हैं। इससे राहत एजेंसियों को यह समझने में मदद मिलती है कि सबसे ज्यादा नुकसान कहां हुआ है और सहायता पहले किस क्षेत्र तक पहुंचनी चाहिए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार हाल के वर्षों में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग, राहत कार्यों की निगरानी और क्षति आकलन में ड्रोन का व्यापक उपयोग किया गया है। जहां पहले कई दिनों में जानकारी एकत्रित होती थी, वहीं अब कुछ घंटों में विस्तृत रिपोर्ट तैयार हो जाती है। ड्रोन तकनीक ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चुनाव, धार्मिक आयोजन, बड़े मेले, राजनीतिक सभाएं और वीआईपी कार्यक्रमों में ड्रोन निगरानी अब आम होती जा रही है। पुलिस विभाग भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन घुसपैठ और तस्करी रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भविष्य में स्मार्ट निगरानी व्यवस्था का बड़ा हिस्सा ड्रोन आधारित होगा।

पत्रकारिता में ड्रोन ने रिपोर्टिंग के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले अवैध खनन, जंगल कटाई, नदी अतिक्रमण, बाढ़ या बड़े निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति को समझना और दिखाना कठिन था। अब ड्रोन कैमरे पूरे क्षेत्र का एरियल व्यू उपलब्ध करा देते हैं।

खोजी पत्रकारिता में ड्रोन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। कई बार प्रशासनिक दावों और जमीनी सच्चाई के बीच का अंतर ड्रोन फुटेज से स्पष्ट रूप से सामने आ जाता है। इसने जवाबदेही और पारदर्शिता को मजबूत किया है।

भारत के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी चुनौती बनी हुई है। कई स्थानों पर सड़क संपर्क कमजोर होने के कारण दवाइयों और रक्त की आपूर्ति समय पर नहीं हो पाती।ड्रोन इस समस्या का समाधान बन सकते हैं। पूर्वोत्तर राज्यों, तेलंगाना और अन्य क्षेत्रों में हुए प्रयोगों ने साबित किया है कि ड्रोन के माध्यम से दवाइयां, वैक्सीन, रक्त और लैब सैंपल तेजी से पहुंचाए जा सकते हैं। भविष्य में यह तकनीक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दे सकती है। हालांकि ड्रोन तकनीक जितनी संभावनाएं लेकर आई है, उतनी ही चुनौतियां भी इसके साथ जुड़ी हैं। निजता का अधिकार, डेटा सुरक्षा, साइबर हमले, हवाई यातायात प्रबंधन और अवैध उपयोग जैसे मुद्दे लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। यदि मजबूत नियामक व्यवस्था विकसित नहीं की गई तो तकनीक का दुरुपयोग भी संभव है। इसके अलावा छोटे किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों तक इस तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करना भी एक बड़ी चुनौती है।

ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी

योगेश कुमार गोयल

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरुआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है। नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है।

आंधी के आम !

राज कुमार सिंह

बारिशों का मौसम तो थोड़ा दूर है, पर आजकल आंधियों का मौसम है और मौसम आम का भी है ही। आंधियां आम आदमी के लिए तो मुश्किलें ही ला रही हैं, पर राजनीतिक दलों के लिए पड़ोसी के आम भी सौगात की तरह अपने आंगन में गिर रहे हैं। सो, यह पड़ोसी के आम अपने आंगन में गिरने का मौसम भी है ही।

वैसे जब सत्ता हाथ हो तो मौसम का मिजाज कभी भी बनाया जा सकता है। फिर यह तो है ही आंधियों का मौसम! सो, पहले बंगाल में दूसरे के आम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता के आंगन में जा गिरे और अब महाराष्ट्र में। पता नहीं, खुद को 'खास' माननेवाले माननीयों को 'आम' कहना पसंद आयेगा या नहीं, पर बंगाल में तृणमूल की टोकरी से ज्यादातर छोटे आमों ने खुद को ही असली टोकरी घोषित कर दिया तो बड़े आमों ने फिलहाल एक अनजान-सी टोकरी अपने लिए चुन ली। एक नामचीन बगीचे के आमों द्वारा एक अनजान-सी पहचान ओढ़ने का यह शायद पहला मामला होगा!

अब इतना अधिकार तो आम को भी होना ही चाहिए कि वह अपने ऊपर बड़े नाम का खास स्टीकर लगाना चाहता है या फिर आम ही बने रहना चाहता है। वैसे स्टीकर बदलने की सुविधा तो अपने देश में हमेशा रहती है। 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर फिल्मकार की ही फिल्म का गीत हैः 'है भारत का कपड़ा और मुहर लगी जापान की'! अगली लाइन समझदार पाठक खुद याद कर लेंगे, वरना गूगल बाबा की मदद तो सहज सुलभ है ही। सो, आजकल आंधियों का मौसम है। चार साल पहले 39 छोटे आमों के साथ अलग टोकरी बना कर खास पड़ोसी के आंगन में गिर कर खुद खास बन कर फिर हालात के हाथों आम बनने को मजबूर हो गये उन आमों के राजा ने अब फिर 'छक्का' मारने का ऐलान किया है। दरअसल वह पुराने बगीचे से इस बार छह बड़े आम अपने आंगन में ले जाने में सफल रहे हैं। बेशक इस काम में परदे के पीछे के खिलाड़ियों का भी योगदान कम नहीं, पर फिलहाल श्रेय तो उन्हीं के नाम है। सो, उनके पांव जमीन पर नहीं पड़ रहे। जिनके आगे कभी नतमस्तक रहते थे, उन्हीं पुराने साहेब को तल्ख अंदाज में चुनौती दे रहे हैं।

चर्चाएं कुछ छोटे आमों के भी उनके आंगन में गिरने की हैं, लेकिन उनके नये साहेब को जरूरत फिलहाल बड़े आमों की ही है।साहेब ने बंगाल में चाहा तो पहले पड़ोसी के छोटे आम आंधी के साथ उड़ कर नये आंगन में गिर कर खुद को पुरानी पहचान का असली हकदार बता रहे हैं। साहेब की इच्छा के मुताबिक ही 20 बड़े आम भी एक अनजान-सी नयी टोकरी की शोभा बढ़ा रहे हैं। इन आमों के असली मालिक दुखी भी हैं और खफा भी, लेकिन जब हवा का रुख नहीं मोड़ा जा सकता, तो आंधी की दिशा कैसे मोड़ी जा सकती है! सो, जिस दिशा में आंधी चल रही है, आम भी टूट कर उसी दिशा में जा रहे हैं। बारिशों का मौसम ज्यादा दूर तो नहीं है, पर बारिशों में भी आंधियों के आने पर पाबंदी कहां होती है! हां, बारिशों में धूलभरी आंधियां नहीं चलतीं, लेकिन आम टपकाने के लिए तो बिना धूल की तेज आंधियां ही काफी हैं।

इसलिए हो सकता है कि कुछ और जगह आंधियों के आम दूसरों के आंगन में टूट कर गिरने का सिलसिला जारी रहे। पुराना मुहावरा हैः 'दाने-दाने पर लिखा है, खानेवाले का नाम'। नया मुहावरा हो सकता हैः 'हर आम पर लिखा है खानेवाले का नाम'। वैसे बड़े लोगों के आम खाने के भी खास तरीके होते हैं। आपको याद है ना खिलाड़ी कुमार के नाम से मशहूर अभिनेता द्वारा लिया गया वह इंटरव्यू, जिसका सबसे चर्चित सवाल थाः आप आम काट कर खाते हैं या चूस कर!

'बिना टैलेंट के भी स्टारकिड्स को मिलते हैं मौके'

नेपोटिज्म पर बोलीं कृति सेनन; रणबीर-आलिया पर कही ये बात

कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है और कृति के किरदार व एक्टिंग की भी काफी तारीफ हो रही है। मौजूदा वक्त में कृति इंडस्ट्री की टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं। लेकिन एक आउटसाइडर होने के नाते कृति के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा।

हाल ही में हुई एक बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे वे धीरे-धीरे कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ीं और यह रातों-रात मिली सफलता की कहानी नहीं है। उन्होंने उन पलों को याद किया जब वे अपने पहले फोटोशूट और पहले रैंप शो के बाद रोई थीं, और बताया कि कैसे मुश्किलों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी।

आसान नहीं था यह सफर

हिंदुस्तान टाइम्स सिटी के साथ बातचती में कृति ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह सफर आसान नहीं था। ऐसे पल भी आए जब मुझे खुद पर शक हुआ और मनचाहे मौके न मिलने पर निराशा हुई। यह सफर सीधे कामयाबी तक पहुंचने वाला नहीं था; यह धीरे-धीरे आगे बढ़ा। मैंने उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन मुझमें हार न मानने और दोबारा कोशिश करने का जज्बा भी रहा है।

मेरा पहला फोटोशूट बहुत बुरा रहा था। मेरा पहला रैंप शो भी अच्छा नहीं हुआ था। दोनों बार मैं रोते हुए घर लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद मैंने दूसरे शो, दूसरे फोटोशूट और दूसरे ऑडिशन के लिए कोशिश की और इसी वजह से मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। सीखने की चाहत और हार न मानने का जज्बा ही मुझे यहां तक ले आया है।

टैलेंटेड हैं रणबीर कपूर और आलिया भट्ट

इस दौरान कृति ने नेपोटिज्म के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि भले ही स्टार किड्स को भी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसे एक्टर्स की तरह खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि उन्हें अक्सर बाहरी लोगों की तुलना में बहुत आसानी से मौके मिल जाते हैं।

उन्होंने कहा कि कई बार आपको पता चलता है कि किसी फिल्म के लिए आप पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वह रोल किसी और को मिल जाता है। साथ ही सवाल सिर्फ नेपोटिज्म का नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले कई एक्टर्स सच में टैलेंटेड होते हैं। चाहे रणबीर कपूर हों या आलिया भट्ट, उन्होंने खुद को साबित किया है।

हो सकता है कि उन्हें दूसरों के मुकाबले आसानी से मौके मिले हों, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की है और वे बहुत टैलेंटेड हैं। असल बात तब होती है, जब कोई बिना एक्टर के तौर पर खुद को साबित किए आठ या नौ साल तक मौके पाता रहता है।

मुझे बस यही बात गलत लगती है। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो अगर आप शुरुआती कुछ साल में खुद को साबित नहीं कर पाते, तो आप बाहर हो जाते हैं। आपको नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अपने 12 साल के करियर में कृति ने बार-बार अपनी काबिलियत साबित की है। उन्होंने 'मिमी' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता है और 'बरेली की बर्फी', 'दिलवाले', 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। फिलहाल, उन्हें होमी अदजानिया की 'कॉकटेल 2' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए तारीफें मिल रही हैं।

सामंथा ने साझा की प्रेग्नेंसी की खबर

बोलीं- मैटरनिटी के लिए छोटा ब्रेक ले रही हूं

बीते दिनों सामंथा के कुछ वायरल वीडियो देखकर अटकलें लगी थीं कि वह प्रेग्नेंट हैं। अब सामंथा ने खुद इस खबर की पुष्टि की है। यह खुशखबरी उन्होंने अपनी फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के थैंक्स मीट के दौरान मीडिया और फैंस के साथ साझा की है। इसके बाद तो सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें बधाइयां देने लगे हैं।

सामंथा ने प्रेग्नेंसी की खबर पर लगाई मुहर

बुधवार देर रात सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के थैंक्स मीट से कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इनमें से एक में सामंथा कहती हैं, 'मैटरनिटी के लिए छोटा-सा ब्रेक ले रही हूं।' यह कहकर वह मुस्कुराने लगती हैं। सामने बैठे पत्रकार, पैपराजी उन्हें बधाई देते हैं। सोशल मीडिया पर भी फैंस सामंथा के लिए खुश नजर आए, उन्हें ढेर सारी बधाई दी। वायरल वीडियो में सामंथा के चेहरे पर भी प्रेग्नेंसी ग्लो साफ नजर आ रहा था।

पिछले साल हुई थी सामंथा की शादी

सामंथा ने नागा चैतन्य से तलाक के बाद पिछले साल 1 दिसंबर 2025 को 'द फैमिली मैन' फेम निर्माता-निर्देशक राज निदिमोरू से शादी की। सामंथा ने राज के साथ 'द फैमिली मैन सीजन 2' (2021) और 'सिटाडेलः हनी बनी' (2024) में काम किया है। इससे पहले दोनों के डेटिंग की खबरों ने भी काफी चर्चाएं बटोरी थीं। कपल ने कोयंबटूर के ईशा योग सेंटर में सादगी भरे अंदाज में शादी की थी। अब राज और सामंथ माता-पिता बनने वाले हैं।

सामंथा की फिल्म भी कर रही है अच्छा कलेक्शन

हाल ही में सामंथा की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' रिलीज हुई। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कलेक्शन कर रही है। इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन 2.50 करोड़ रुपये कमाए हैं। वहीं फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 33.20 करोड़ रुपये हो चुका है। इस फिल्म में सामंथा ने जबरदस्त एक्शन सीन्स किए हैं।

अपने हॉलीवुड करियर को बॉलीवुड के मुकाबले कमतर आंकती हैं प्रियंका

बोलीं- अभी बेस्ट काम आना बाकी

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

हॉलीवुड में अभी बेस्ट काम आना बाकी

कान लायंस सम्मेलन में बोलते हुए प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है।

शादी और मां बनने के बाद बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाएं। अगला बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूं जैसी भारत में ला पाई हूं।

इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्राथमिकताएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती।

मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूं कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूं। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूं। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।

राजामौली की 'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा आखिरी बार कार्ल अर्बन के साथ 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन और एडवेंचर फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं। अब वह कई साल बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

प्रियंका एसएस राजामौली की पैन-इंडिया फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। बड़े स्केल पर बनने वाली यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी।

अमरावती में दिखी चाचा-भतीजे की जबरदस्त बॉन्डिंग

राम चरण ने की पवन कल्याण की तारीफ

राम चरण और आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण की यह मुलाकात अमरावती में हुई, जिसकी कुछ झलकियां उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। साथ ही एक्टर ने एक खास नोट भी शेयर किया।

गरु के साथ एक शानदार शाम बिताई

राम चरण ने अपने एक्स अकाउंट पर मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'गरु के साथ एक शानदार शाम बिताई। अमरावती में बन रहे जन सेना पार्टी के नए ऑफिस की प्रगति देखकर बहुत अच्छा लगा। पूरी टीम को आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं।'

शेयर की गई तस्वीरों में राम चरण और पवन कल्याण को साथ में देखा जा सकता है। ये फोटो अमरावती में बन रहे जन सेना पार्टी के नए ऑफिस की हैं। यह मुलाकात एक तरफ जहां पारिवारिक समय थी, वहीं राम चरण ने पार्टी के नए मुख्यालय का काम भी करीब से देखा।

फैंस ने की बॉन्डिंग की तारीफ

पोस्ट सामने आते ही दोनों सितारों के फैंस काफी उत्साहित नजर आए। लोगों ने चाचा-भतीजे की इस बॉन्डिंग की खूब तारीफ की। साथ ही राम चरण ने पार्टी के काम को लेकर अपनी सराहना भी जताई और पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। पवन कल्याण इस समय आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर हैं और फिल्म इंडस्ट्री के साथ-साथ राजनीति में भी उनका बड़ा नाम है। उनकी जन सेना पार्टी राज्य की सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है।

'पेद्दी' फिल्म में नजर आए थे राम चरण

वर्क फ्रंट की बात करें तो राम चरण आखिरी बार डायरेक्टर बुची बाबू साना की फिल्म 'पेद्दी' में नजर आए थे। इस फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा की कमाई की और आलोचनाओं के बावजूद ब्लॉकबस्टर साबित हुई। राम चरण इन दिनों अपने काम के साथ-साथ परिवार के साथ बिताए खास पलों को भी फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं।

रजनीकांत की 173वीं फिल्म 'धर्मन' होगी

यह तो सभी जानते हैं कि एक्टर कमल हासन, रजनीकांत की अगली फिल्म प्रोड्यूस करने वाले हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर को लेकर काफी अफवाहें थीं। पहले कुछ नामों की घोषणा भी हुई थी लेकिन उसके बाद कोई अपडेट नहीं आया। मगर आज आखिरकार कमल हासन ने घोषणा की है कि अश्वथ मारिमुथु, रजनीकांत के साथ इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे। कमल हासन ने रजनीकांत का एक पोस्टर शेयर किया और बताया कि फिल्म का नाम 'धर्मन' रखा गया है।

पोस्टर में क्या है खास?

फिल्म के पोस्टर में रजनीकांत काफी स्टाइलिश लग रहे हैं। उन्होंने सर्जन जैसी पोशाक पहनी हुई है। एक्टर के हाथों में दस्ताने हैं जिन पर खून के निशान हैं। साथ ही, उनके हाथ में सर्जिकल उपकरण भी दिख रहा है, जिससे फैंस बस अंदाजा ही लगा सकते हैं कि फिल्म में एक्टर क्या करने वाले हैं। फैंस उनके किरदार और कहानी को लेकर उत्सुक हैं, क्योंकि रजनीकांत खून के दाग वाले दस्ताने पहने और सर्जिकल उपकरण पकड़े हुए दिख रहे हैं। इससे एक गंभीर और रहस्यमयी माहौल बन रहा है।

रजनीकांत ने पूरी की 'जेलर 2' की शूटिंग

जहां रजनीकांत ने हाल ही में 'जेलर 2' की शूटिंग पूरी की है, वहीं नेल्सन दिलीप कुमार के साथ भी उनकी एक फिल्म आ रही है, जिसमें रजनीकांत और कमल हासन दोनों मुख्य भूमिकाओं में होंगे। अब इस नई फिल्म के आने से रजनीकांत की फिल्मों के चुनाव को लेकर उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

फैंस के लिए खास होगा प्रोजेक्ट

'धर्मन' की आधिकारिक घोषणा के साथ, रजनीकांत का फिल्म लाइन-अप पहले से कहीं ज्यादा मजबूत लग रहा है। कमल हासन का प्रोडक्शन, अश्वथ मारिमुथु का डायरेक्शन और रजनीकांत का दिलचस्प नया अवतार, इन सबने इस फिल्म को भारतीय सिनेमा के सबसे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक बना दिया है। इस फिल्म की शूटिंग 25 जून से शुरू होगी।

आने वाले महीनों में कास्ट, कहानी और शूटिंग शेड्यूल के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

ऑस्कर पैनल में शामिल हुए विशाल भारद्वाज

भारत से इन नामों को मिला न्योता

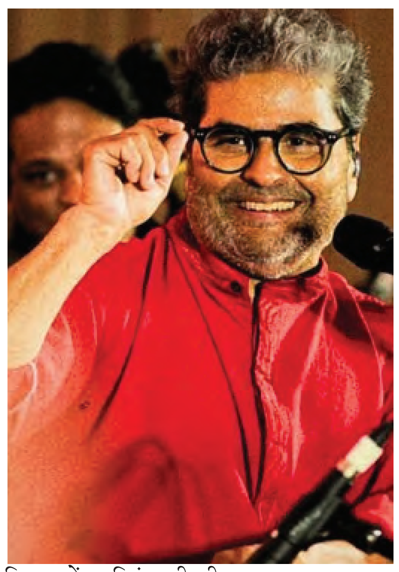

एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने इस साल 529 नए लोगों को अपने वोटिंग पैनल में शामिल होने का निमंत्रण दिया है। इस लिस्ट में भारत के 6 नाम भी शामिल हैं, जिनमें सबसे चर्चित नाम फिल्ममेकर और म्यूजिक कंपोजर विशाल भारद्वाज का है।

हॉलीवुड के कई बड़े नाम शामिल

अकादमी ने हर साल की तरह इस बार भी दुनियाभर के कलाकारों, एक्टर्स और फिल्ममेकर्स को चुना है। इस लिस्ट में हॉलीवुड के कई बड़े नाम भी शामिल हैं, जैसे जेकब एलॉर्डी, जेना ऑर्टेगा, जोश ओ'कॉनर और सिमू लियू। इसके अलावा डायरेक्टर जैक क्रेगर और सेफडी ब्रदर्स भी इस सूची का हिस्सा हैं।

भारत से किन-किन लोगों को मिला मौका?

भारत से इस साल जिन 6 लोगों को आमंत्रण मिला है, उनमें शामिल हैंः

विशाल भारद्वाज (फिल्ममेकर और म्यूजिक कंपोजर)

दीपा भाटिया (फिल्म एडिटर)

ए. श्रीकर प्रसाद (एडिटर)

एका लखानी (कॉस्ट्यूम डिजाइनर)

दिलीप शंकर (कास्टिंग डायरेक्टर)

अवनीत कौर (डिज्नी एनिमेटर)

ए. श्रीकर प्रसाद को खास तौर पर फिल्म RRR के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली थी। वहीं दीपा भाटिया ने 'तारे जमीन पर' और 'काय पो चे' जैसी फिल्मों में काम किया है। कॉस्ट्यूम डिजाइनर एका लखानी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के लिए जानी जाती हैं, जबकि दिलीप शंकर ने लास्ट फिल्म शो जैसी फिल्म में कास्टिंग की थी।

अकादमी की बढ़ती पहुंच

अगर सभी लोग इस निमंत्रण को स्वीकार कर लेते हैं, तो अकादमी के कुल सदस्य 11,000 से ज्यादा हो जाएंगे।

इनमें से 10,000 से ज्यादा लोग वोटिंग में हिस्सा लेंगे। खास बात यह है कि पिछले 10 वर्षों में यह संख्या लगभग दोगुनी हो गई है।

इस बार शामिल किए गए नए सदस्यों मेंः

42% महिलाएं हैं

56% लोग अंडर-रिप्रेजेंटेड कम्युनिटीज से हैं

53% सदस्य अमेरिका के बाहर के देशों से हैं

अकादमी का कहना है कि वह लगातार विविधता और समानता पर ध्यान दे रही है।

'प्रहार' में आतंकवादी कसाब को फांसी दिलवाने वाले वकील उज्जवल निकम का किरदार निभाएंगे राजकुमार राव

बॉलीवुड के ऐसे अभिनेता हैं, जो किरदार में ढल जाने की कला जानते हैं। जल्द ही वह फिल्म 'प्रहार' में आतंकवादी कसाब को फांसी दिलवाने वाले वकील उज्जवल निकम का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म से उनके लुक की पहली झलक सामने आ चुकी है। साथ ही मेकर्स ने फिल्म 'प्रहार' की रिलीज डेट भी साझा की है।

अगस्त में रिलीज होगी फिल्म 'प्रहार'

फिल्म 'प्रहार में' राजकुमार राव, भारत के जाने-माने वकीन उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएंगे। उन्होंने ही 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के आरोपी और आतंकवादी कसाब को फांसी की सजा दिलाने के लिए लंबा संघर्ष किया था। इसी कहानी को अब बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। यह फिल्म 7 अगस्त 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजकुमार हिरानी ने बताया अब तक क्यों नहीं बन पाई 'मुन्ना भाई 3'?

लगभग दो दशकों से फैंस राजकुमार हिरानी की संजय दत्त स्टारर 'मुन्ना भाई 3' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि पिछले कुछ साल में 'मुन्ना भाई 3' के भविष्य को लेकर कई बार अटकलें लगाई जाती रही हैं। लेकिन फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी ने अब साफ कर दिया है कि यह प्रोजेक्ट अभी भी जिंदा है और इस पर काम चल रहा है।

अपने आने वाले स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट 'प्रीतम एंड पेड्रो' के प्रमोशन के दौरान राजकुमार हिरानी ने ये स्पष्ट किया कि 'मुन्ना भाई 3' बंद नहीं हुई है। असल समस्या आइडिया की कमी नहीं है, बल्कि एक ऐसी बेहतरीन कहानी ढूंढ़ना है जो इस फ्रैंचाइजी की विरासत पर खरी उतर सके।

राजकुमार हिरानी ने माना कि मुन्ना और सर्किट के लिए नए एडवेंचर की कल्पना करना कभी मुश्किल नहीं रहा। उनके अनुसार, चुनौती एक ऐसी कहानी बनाना है जो शुरू से आखिर तक उतनी ही दिलचस्प बनी रहे। देरी की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप मुन्ना भाई को सिर्फ इंटरवल तक देखना चाहते हैं, तो मैं अभी पांच फिल्में बना सकता हूं। क्योंकि मेरे पास उस पॉइंट के आगे की कहानी नहीं है।

यह जानते हुए भी कि तीसरा पार्ट बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त उत्साह पैदा करेगा, राजकुमार हिरानी का कहना है कि सिर्फ कमर्शियल सफलता ही इस फ्रेंचाइजी में एक और फिल्म बनाने की वजह नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मैं एक फिल्म बनाना चाहता हूं। मेरी जगह कोई और होता तो शायद कहता, 'बस कोई भी स्क्रिप्ट लिख दो, इसे जबरदस्त ओपनिंग मिलेगी और अच्छी कमाई होगी।' लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। हमने दो बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। अगर मुझे सिर्फ पैसे की परवाह होती, तो अब तक मैंने इसके चार-पांच वर्जन बना लिए होते।

नई फिल्म का स्टैंडर्ड कम से कम हमारी पिछली फिल्मों जैसा तो होना ही चाहिए। यहीं पर मैं अटक जाता हूं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पहली दो फिल्मों से बनी क्वालिटी को बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मुन्ना भाई फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2003 में आई 'मुन्ना भाई M.B.B.S.' के साथ हुई थी। इसके बाद साल 2006 में फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' आई। दोनों फिल्मों को क्रिटिक्स से तारीफ मिली और बॉक्स ऑफिस पर भी ये दोनों ही फिल्में सफल साबित हुईं। हालांकि, पिछले लगभग दो दशक से अब फैंस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

'उर्वशी रौतेला' को चाहिए संस्कारी लड़का

उर्वशी रौतेला हाल ही में वैब सीरीज 'इंस्पैक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन में नजर आई। उर्वशी ने इसमें पूनम मिश्रा की भूमिका निभाई है। अब उसने अपने भावी जीवनसाथी और जिंदगी में किस एक्टर को वह अपना हमसफर बनाना चाहेगी, पर बात की है। किसी भी रिश्ते में बाहरी आकर्षण से ज्यादा उर्वशी के लिए पारिवारिक मूल्य मायने रखते हैं।

वह मानती है कि उसे पसंद करने वालों की कमी नहीं है, लेकिन जीवनसाथी के रूप में वह ऐसे व्यक्ति को चुनना चाहेगी जो अच्छे संस्कारों वाला हो । यही वजह है कि वह फिल्म इंडस्ट्री के बजाय अभिनय जगत से बाहर के किसी शख्स को अपना हमसफर बनाने के पक्ष में है।

उर्वशी कहती है, इंसान मुझे नजदीक से जानेगा, उसे मुझसे मोहब्बत हो जाएगी। कई लड़के हैं, जो मुझे पसंद करते हैं, लेकिन मेरे लिए

यह मायने नहीं रखता है कि लड़का कैसा दिखता है। मेरे लिए पारिवारिक मूल्य मायने रखते हैं। वह कितना जिम्मेदार है, अपनी कही बातों पर कितना खरा उतरता है, यह देखना भी जरूरी है। कई लड़के होते हैं, जो किसी भी तरह का कमिटमेंट यानी वायदा करने से डरते हैं, लेकिन जिन्हें अच्छे पारिवारिक संस्कार मिले होंगे, वे इन चीजों से नहीं डरेंगे।

क्या वह फिल्म इंडस्ट्री से ही अपने लिए हमसफर चुनेगी या इंडस्ट्री के बाहर से, पूछने पर उसने कहा, ₹मुझे लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री से अगर कोई होगा तो मेरे परिवार वाले ही उसे नहीं अपनाएंगे।

वे चाहते हैं कि अभिनय के पेशे के बाहर से कोई हो । मैं भी यही चाहती हूं, क्योंकि इस पेशे से बाहर का अगर कोई होगा तो उसके साथ घर जाने पर बातें करने के लिए कई और चीजें होंगी।

खुद को पारिवारिक लड़की बताने वाली उर्वशी ने कहा, "मेरे लिए मां नंबर वन हैं । चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियां हों, वह उससे निपटना जानती हैं।

जब मैंने मॉडलिंग शुरू की, तब से ही मेरे माता- पिता हर जगह मेरे साथ जाते रहे हैं। पहले तो घंटों मेरी प्रतीक्षा सैट पर करते थे। मैं पारिवारिक लड़की हूं।

रेणुका स्वामी मर्डर केस में दर्शन पहुंचे एससी नई जमानत याचिका दायर करने की मांगी इजाजत

दर्शन थुगुदीपा ने रेणुकास्वामी अपहरण और हत्या मामले में कोर्ट से नई जमानत याचिका दायर करने की अनुमति मांगी है। दर्शन का कहना है कि केस की सुनवाई काफी धीमी चल रही है, ऐसे में उन्हें दोबारा जमानत के लिए आवेदन करने का मौका मिलना चाहिए।

इससे पहले 15 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर एक साल में ट्रायल में कोई खास प्रगति नहीं होती है, तो वे फिर से जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अब अपनी नई याचिका में दर्शन ने कोर्ट से कहा है कि उस पुराने आदेश को इस तरह न देखा जाए कि वे एक साल से पहले जमानत के लिए अपील ही नहीं कर सकते। उनका कहना है कि अगर केस में कोई नया मोड़ आता है या ट्रायल में देरी होती है, तो उन्हें पहले भी राहत मांगने का अधिकार होना चाहिए।

दर्शन ने क्या कहा?

दर्शन ने यह भी कहा है कि अगर वह लंबे समय तक जेल में रहते हैं, उनकी सेहत से जुड़ी कोई समस्या होती है, या कोई और अहम परिस्थिति सामने आती है, तो उन्हें जमानत के लिए अपील करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

कोर्ट ने क्या कहा?

बता दें कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को रोजाना सुनवाई करने का निर्देश दिया था और 60 अहम गवाहों के बयान दर्ज करने को कहा था। लेकिन अभी तक बहुत कम गवाहों की ही जांच हो पाई है। दर्शन ने यह भी कहा है कि इस केस में कुल 262 गवाह हैं, इसलिए ट्रायल पूरा होने में कई साल लग सकते हैं। उन्होंने अपनी लंबी जेल अवधि का असर अपने करियर, कमाई और परिवार पर भी बताया है।

दर्शन पर लगे हैं ये आरोप

49 साल के दर्शन को 11 जून 2024 को गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि 33 साल के रेणुकास्वामी की हत्या की गई, जिन्होंने कथित तौर पर दर्शन की करीबी पवित्रा गौड़ा को आपत्तिजनक मैसेज भेजे थे।

57 की उम्र में अजय देवगन नई फिल्म चौहान में एक्शन करेंगे

अजय देवगन ने अपने पिता व एक्शन डायरेक्टर वीरू देवगन की जयंती के मौके पर अपनी नई फिल्म 'चौहान' की घोषणा की है। इसके साथ ही मेकर्स ने 'चौहान' की पहली झलक भी साझा की है, जिसमें अजय देवगन 57 साल की उम्र में एक बार फिर फुल ऑन एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं और चौहान का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी कश्मीर के पत्थरबाजों पर आधारित है। कैसे एक वक्त वहां पर युवाओं को बहकाया जा रहा था और उनके हाथों में पत्थर थमाए जा रहे थे।

शुरुआत 2018 के कश्मीर के पुलवामा से होती है। जहां पत्थरबाज सेना पर पत्थरबाजी कर रहे हैं और सेना उनका मुकाबला कर रही है। टीजर में दिखाया गया है कि कैसे कश्मीर में युवा लड़कों को पत्थरबाज बनाया जा रहा है और उन्हें बहकाया जाता है।

इसके साथ ही टीजर में कुछ आंकड़े बताए जाते हैं, जिनमें जिक्र किया जाता है कि कैसे पिछले 75 साल से सरकार इन पत्थरबाजों से निपटने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रही है। कभी आंसू गैस के गोले, कभी पानी की बौछार तो कभी और प्रयास, लेकिन पत्थरबाजों पर काबू नहीं पाया जा सका।

कश्मीर में अपनी ही सेना पर वहां के लोग पत्थरबाजी करते रहे, जिसमें कई सैनिक घायल भी हुए तो कुछ की जानें भी चली गईं। टीजर के अंत में एंट्री होती है अजय देवगन की, जो चेहरे पर एक डरावना मास्क लगाए नजर आते हैं। वो फिल्म में एक्शन अवतार में नजर आएंगे और उनके किरदार का नाम चौहान है।'चौहान' को जीयो स्टूडियो और आनंद एल रॉय के कलर येलो प्रोडक्शन हाउस ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। साथ ही हिमांशु शर्मा भी फिल्म के प्रोड्यूसर में शामिल हैं। फिल्म को लिखा और निर्देशित किया है नीरज यादव ने। 'चौहान' में 57 साल के अजय देवगन एक बार फिर फुल ऑन एक्शन अवतार में नजर आएंगे। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'चौहान' अगले साल यानी 2027 में 1 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

कोई एक रात में बूढ़ा नहीं होता : तब्बू

तब्बू ने हाल ही में खुलकर उम्र बढ़ने और फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं पर पड़ने वाले दबाव के बारे में बात की है। इस साल प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, परेश रावल, वामिका गब्बी और राजपाल यादव के साथ नजर आई तब्बू 54 साल की हो चुकी है।

तब्बू ने उम्र बढ़ने, फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं पर पड़ने वाले दबाव और बातचीत में रटे-रटाए या 'सेफ' जवाब देने से इन्कार करने के बारे में खुलकर बात करते हुए बताया कि सिनेमा जगत में महिलाओं को लगातार जांच-परख का सामना करना पड़ता है। समाज महिलाओं की उम्र को खुद महिलाओं से ज्यादा महत्व देता है, जिससे इंडस्ट्री मौजूद पुराने भेदभाव साफ नजर आते हैं। तब्बू ने कहा, लोग आपकी उम्र को लेकर आपसे ज्यादा चिंतित रहते हैं । वे आपको आईना दिखाना चाहते हैं, जैसे आपके घर में आईना ही नहीं है ।

उसने आगे बताया कि उम्र बढ़ना कोई अचानक होने वाली चीज नहीं है, जैसा कि अक्सर समझा जाता है, बल्कि यह एक धीमी प्रक्रिया है जो हर दिन चलती रहती है।

उसने कहा, "जो इंसान यह सवाल पूछ रहा है, वह भी एक रात में बूढ़ा नहीं हुआ। हम इसे हर दिन महसूस करते हैं। ऐसा नहीं है कि कोई 20 साल की उम्र में सोया और अगली सुबह 45 का हो गया ।

तब्बू ने यह भी बताया कि उसे अक्सर सलाह दी जाती थी कि फिल्म के ऑफर रिजैक्ट करते वक्त पूरी तरह से ईमानदार न रहो। उसने कहा कि इंडस्ट्री में अक्सर एक्टर्स से उम्मीद की जाती है कि वे स्क्रिप्ट पर सीधा जवाब न दें और प्रोजैक्ट ठुकराने के लिए शैड्यूल या 'डेट्स की समस्या' का बहाना बनाएं। तब्बू ने कहा, आपको फिल्म न करने की असली वजह नहीं बतानी चाहिए। डेट्स का बहाना बनाओ और निकल जाओ । मुझे यह समझ नहीं आया । अगर मुझे स्क्रिप्ट पसंद नहीं है, तो नहीं है। और मैंने यही कहा ।

आज भी मौजूद है सच्चा प्यार : निक्की तंबोली

तुम मेरी जिंदगी में आए और धीरे-धीरे मेरी हर दुआ, हर सपना और मेरे हर आने वाले कल का हिस्सा बन गए। जब मैं मुश्किल में पड़ जाती हूं, ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं, गुस्सा करती हूं... तब भी तुम हमेशा मेरा साथ चुनते हो। निक्की तम्बोली और अरबाज पटेल की लव स्टोरी किसी से छुपी नहीं है। रिएलिटी शो 'बिग बॉस मराठी' से शुरू हुए इस रिश्ते के बीच कभी धर्म या उम्र की दीवार नहीं आई।

हाल ही में निक्की ने अपने ब्वॉयफ्रैंड पर खूब प्यार लुटाया और एक खास सोशल मीडिया पोस्ट उसके लिए डाली । निक्की ने समंदर किनारे अरबाज संग अठखेलियां करती हुई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में अपनी फीलिंग्स बयां की। निक्की ने लिखा, अरबाज पटेल, मेरे सबसे खास इंसान, मैं तुमसे सिर्फ इसलिए प्यार नहीं करती क्योंकि तुम जैसे हो, बल्कि इसलिए भी क्योंकि तुम्हारे साथ मेरा दिल सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करता है । तुम मेरी जिंदगी में आए और धीरे-धीरे मेरी हर दुआ, हर सपना और मेरे हर आने वाले कल का हिस्सा बन गए । जब मैं मुश्किल में पड़ जाती हूं, ज्यादा इमोशनल हो जाती हूं, गुस्सा करती हूं या दूर- दूर रहने लगती हूं... तब भी तुम हमेशा मेरा साथ चुनते हो। और ऐसा प्यार बहुत कम लोगों को मिलता है ।

निक्की ने आगे लिखा, "ऐसा प्यार इंसान को बदल देता है। मैं दुआ करती हूं कि तुम्हारा हर वह दर्द जाए जिसके बारे में तुम कभी किसी से बात नहीं करते । तुम्हारे हर छुपे हुए सपने को कामयाबी मिले और तुम्हारी जिंदगी इतनी खुशियों से भर जाए कि किस्मत भी तुम्हें तुम्हारी सारी अच्छाइयों का ईनाम दे ।

पोस्ट के अंत में भावुक हुई निक्की ने लिखा, " और जिंदगी चाहे कुछ भी हो जाए। बस शुक्रिया । मेरे जीवन में आने के लिए, मुझसे प्यार करने के लिए और मुझे यह एहसास दिलाने के लिए कि सच्चा प्यार आज भी मौजूद है। निक्की ने बता चुकी है कि अरबाज ने उसे 2021 में मैसेज भेजा था, लेकिन बिजी शैड्यूल और लगातार काम की वजह से उसकी नजर उस पर नहीं पड़ी ।

बाद में जब दोनों की 'बिग बॉस मराठी' के स्टेज पर मुलाकात हुई, तब जाकर उसे वह पुराना मैसेज याद आया । निक्की को यह बात किसी फिल्मी कहानी जैसी लगी, जैसे किस्मत सही वक्त पर दोनों को फिर से मिलाना चाहती थी । निक्की ने माना कि उसे पहली नजर में ही अरबाज पसंद आ गया था। उसने कहा कि यह उसके लिए 'लव एट फर्स्ट साइट' जैसा था । उसने यह भी कहा कि अरबाज उससे 3 साल छोटा है, लेकिन उसके अनुसार रिश्ते में उम्र नहीं, बल्कि समझदारी, सपोर्ट और प्यार मायने रखता है।

प्यार के लिए परिवार से की बगावत

यह भी बता दें कि निक्की हिंदू है तो अरबाज मुस्लिम और दोनों के रिश्ते को लेकर निक्की के पिता राजी नहीं हैं। हालांकि, निक्की ने अपने प्यार के लिए परिवार से भी बगावत की है।निक्की के अनुसार, "हम डेढ़ साल से साथ हैं । मेरे पापा इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। मैं अपने पापा के खिलाफ गई हूं क्योंकि मेरी मां ने मुझे सिखाया है कि आपको किसी के लिए अपने प्यार का बलिदान नहीं देना चाहिए। मेरे पिता का मेरे लिए प्यार अलग है। पार्टनर का अलग है। उम्मीद है मेरे पापा यह बात समझेंगे क्योंकि मैं अरबाज से प्यार करती हूं।

काम करता रहूंगा आखिरी सांस तक : अक्षय कुमार

अक्षय कुमार-कृति सेनन

अगर मैं रिटायर हो जाऊंगा, तो क्या हो जाएगा। मैं एक इलैक्ट्रिशियन बन जाऊंगा, कुत्ते घुमाने वाला, माली, ये सब बन जाऊंगा। तो मुझे ऐसा लगता है कि रिटायर हो जाने के बजाय काम करते रहना सही है।

इस साल एक हिट फिल्म दे चुका अक्षय कुमार जल्द ही कॉमेडी फिल्म 'वैलकम टू द जंगल' में नजर आएगा। इस मल्टीस्टारर फिल्म में अक्षय के साथ सुनील शैट्टी, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता समेत 30 जाने-माने बॉलीवुड कलाकार शामिल हैं। हाल ही में इस फिल्म से जुड़े एक इवेंट के दौरान जब अक्षय से उसके रिटायरमैंट प्लान को लेकर सवाल किए गए तो उसने बिना किसी झिझक अपनी दिल की बात कह दी । उसने कहा, "मुझे कभी-कभी ऐसा लगता है रिटायर हो जाना चाहिए। यह ख्याल मेरे मन में सुबह 4 बजे आता है, जब मैं जागता हूं लेकिन 5 सैकेंड बाद ही मुझे याद आता है कि मुझे एक शूटिंग पर पहुंचना है, जहां 300 लोग मेरा इंतजार कर रहे हैं। फिर मैं अपने आप से कहता हूं कि रिटायरमैंट का ख्याल अगले दिन लाएंगे, ऐसा करते हुए 36 साल बीत चुके हैं । उसने आगे कहा, अगर मैं रिटायर हो जाऊंगा, तो क्या हो जाएगा । मैं एक इलैक्ट्रिशियन बन जाऊंगा, कुत्ते घुमाने वाला, माली, ये सब बन जाऊंगा । तो मुझे ऐसा लगता है कि रिटायर हो जाने के बजाय काम करते रहना सही है। मैं परिवार के साथ वक्त बिताने की कोशिश करता हूं लेकिन एक दिन बाद ही वे मुझसे पूछते हैं कि आप काम पर कब वापस जाओगे? मुझे रिटायर शब्द काफी गलत लगता है । एक इंसान को तब रिटायर होना चाहिए, जब उसके मरने में सिर्फ 5 सैकेंड बचे हों। अगर आपको लंबी उम्र चाहिए, काम करते रहो ।

3 खतरनाक स्टंट, जब वह मरते-मरते बचा

अक्षय अपनी फिल्मों में खुद ही स्टंट और एक्शन सीन्स करने के लिए जाना जाता है। करियर की शुरुआत से लेकर अभी तक उसने ढेरों फिल्मों में खुद खतरनाक स्टंट किए हैं। हालांकि, ऐसा करने में अक्षय की जान पर भी बन आई है।

अक्षय ने फिल्म 'सैनिक' का उदाहरण दिया, जिसमें एक स्टंट करते वक्त उसकी जान खतरे में पड़ गई थी । यह फिल्म साल 1993 में आई थी। फिल्म में अक्षय के अलावा अश्विनी भावे, फरहीन, रोनित रॉय, आलोक नाथ और अनुपम खेर भी थे। अक्षय से जब पूछा गया कि स्टंट करते हुए कभी जान रिस्क में पड़ी, ऐसा हुआ कि मरते-मरते बचे ? तो अक्षय बोले, "तीन बार ऐसा हुआ है। एक बार 'सैनिक' में ही हुआ ।

उसमें एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग जाते- जाते मेरा हाथ थक गया था और मैंने सोचा कि मैं चला जाऊंगा, एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग। तब कुछ नहीं था, स्पैशल इफैक्ट्स भी नहीं थे, खुद ही सब करना पड़ता था । 'इंटरनैशनल खिलाड़ी' में कट जाता आधा शरीर

अक्षय ने आगे बताया, एक बार फिल्म 'इंटरनैशनल खिलाड़ी' में, नाव के सीन में मेरा आधा शरीर कट जाता। क्या हुआ कि एक 'कैटामैरेन' सामने से आ रहा था, और मेरी नाव उसके बीच के अंदर से जाने वाली थी । और मैं आपको बता रहा हूं न यह आधा शरीर पूरा कट जाता। पूरा कट जाता मैं लेकिन बच गया। फिर एक और था, जब 'खिलाड़ी 786' में मैंने जंप मारी थी और मुझे हॉट एयर बलून में डाइव करना था । तब बच गया था।

पत्नी ट्विंकल खन्ना का स्टंट पर ऐसा होता है रिएक्शन

खतरनाक स्टंट करने पर पत्नी ट्विंकल कुछ कहती नहीं, पर वह बोले, "उन्हें अब आदत पड़ चुकी है। अब कुछ कहने का मतलब बनता नहीं है क्योंकि मुझे करना ही है।

यूपी भाजपा की नई टीम में पूजा पाल उपाध्यक्ष बनीं

राजनाथ के छोटे बेटे की एंट्री, ओबीसी की संख्या 16 से बढ़कर 25, ठाकुर-ब्राह्मण कम हुए

लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले यूपी में गुरुवार को भाजपा की नई टीम का ऐलान कर दिया गया। 64 पदाधिकारियों की इस लिस्ट में 52 लोगों को प्रदेश कार्यकारिणी यानी प्रदेश टीम में जगह मिली है। इनमें 19 उपाध्यक्ष, 19 मंत्री, 8 महामंत्री और 6 मोर्चा अध्यक्ष हैं। इसके अलावा, 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष, 3 कार्यालय मंत्री और 3 अन्य पदाधिकारी भी बनाए गए हैं।

सपा से बगावत करने वालीं विधायक पूजा पाल को उपाध्यक्ष बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के छोटे बेटे नीरज सिंह की भी प्रदेश टीम में एंट्री हुई है। उन्हें उपाध्यक्ष बनाया है। इसके अलावा, प्रतापगढ़ के रोहित मिश्रा को युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है।

यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह को मिलाकर अब

54 लोगों की टीम हो गई है। टीम में 13 महिलाएं हैं। पिछली बार की तुलना करें तो ओबीसी की संख्या 16 से बढ़कर 25 हो गई है। सामान्य वर्ग के 21 चेहरों को प्रदेश टीम में जगह मिली है।

ठाकुरों की संख्या 7 से घटकर 6 और ब्राह्मणों की संख्या 8 से घटकर 7 हो गई है। इसके अलावा 4 भूमिहार, 3 वैश्य और 1 श्रीवास्तव को जगह मिली है। अनुसूचित जाति (एससी) की बात करें तो 7 लोगों को जगह दी गई है। वहीं, अनुसूचित जनजाति (एसटी) में सिर्फ इंजीनियर विद्याभूषण गोंड को जगह दी गई है।

सिर्फ 7 चेहरे रिपीट हुए, 15 नए लोग शामिल

52 सदस्यों की प्रदेश कार्यकारिणी में से सिर्फ 7 चेहरे रिपीट हुए हैं।

पिछली कार्यकारिणी में 18 उपाध्यक्ष थे। इस बार 19 उपाध्यक्ष हैं। इनमें सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर, मोहित बेनीवाल और धर्मेंद्र सिंह यानी 4 चेहरों को रिपीट किया गया है। बाकी 15 चेहरे नए शामिल किए गए हैं। भाजपा कार्यकारिणी में 8 महामंत्री हैं। इनमें सिर्फ संजय राय रिपीट हुए हैं। बाकी 7 नए चेहरे हैं।

पिछली कार्यकारिणी में 16 प्रदेश मंत्री थे। इस बार इनकी संख्या बढ़कर 19 की गई है। इनमें सिर्फ 2 पुराने चेहरे विजय शिवहरे और शिवभूषण सिंह शामिल किए गए हैं।

बाकी 17 नए चेहरे शामिल हुए हैं। मोर्चा अध्यक्ष में भी कोई रिपीट नहीं हुआ है।

35 साल में पैदल चलकर 545 गांव पहुंचीं

जानलेवा हमले झेले, 500 महिलाओं को बनाया आत्मनिर्भर, बस्तर की बुधरी ताती को पद्मश्री

दंतेवाड़ा, 25 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा की सोशल वर्कर डॉ. बुधरी ताती को राष्ट्रपति ने पद्मश्री सम्मान से नवाजा है। उन्होंने बस्तर के बीहड़ों में 35 साल तक पैदल सफर तय कर 545 से ज्यादा गांवों तक मदद पहुंचाई है।

बुधरी ताती ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए काम किया। जानलेवा हमलों, विरोध और मुश्किल हालातों के बाद भी उन्होंने कदम पीछे नहीं खींचे और अपनी पूरी जिंदगी समाज सेवा में लगा दी।

राष्ट्रपति भवन में सम्मान लेते समय डॉ. बुधरी ताती बस्तर की पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में नजर आईं, जिसने सबका ध्यान खींचा। मॉडर्न कपड़ों के बजाय इस पहनावे को चुनकर उन्होंने अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया। यह पद्मश्री उनके जीवन का 23वां सम्मान है। बस्तर के गांवों में लोग उन्हें प्यार से 'बुआ' और 'बड़ी दीदी'

कहते हैं। 1984-85 में गुरमगुंडा आश्रम के लखमू बाबा से प्रेरित होकर बुधरी ताती ने समाज सेवा का रास्ता चुना। उस समय उनकी उम्र करीब 15 साल थी। उन्होंने परिवार को समझाया और नागपुर स्थित अखिल भारतीय राष्ट्रीय सेवा समिति में जाकर 3 से 4 महीने का प्रशिक्षण लिया। वहां से रायपुर और फिर बस्तर लौटकर उन्होंने समाज सेवा की शुरुआत की। यह वह दौर था, जब आदिवासी इलाकों में महिलाओं का घर से बाहर निकलना भी आसान नहीं था। ऐसे समय में उन्होंने अशिक्षा, अंधविश्वास और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ काम शुरू किया।

डॉ. बुधरी ताती ने अपने जीवन के 35 साल बस्तर के अंदरूनी इलाकों को समर्पित कर दिए। वे अब तक 545 से अधिक गांवों तक पैदल पहुंच चुकी हैं। उन्होंने 500 से ज्यादा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया।

किसी को सिलाई-कढ़ाई से जोड़ा तो किसी को स्वरोजगार के अन्य साधनों से। उनका मानना है कि जब तक महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत नहीं होंगी, तब तक समाज भी मजबूत नहीं हो सकता। महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष काम किया। अंदरूनी गांवों में जाकर महिलाओं को स्वच्छता, पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और बीमारियों से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने नशाखोरी के खिलाफ भी अभियान चलाया, जिसका असर कई गांवों में देखने को मिला और कई लोगों ने नशा छोड़कर नई शुरुआत की।

10 लाख की सुपारी देकर पिता की करवाई हत्या

धनबाद, 25 जून (एजेंसियां)। धनबाद के बरोरा थाना क्षेत्र में हुए तुलेश्वर नोनियां हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि मृतक के मंझले बेटे विजय नोनियां ने ही भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में पिता की नौकरी पाने के लिए हत्या की साजिश रची थी। आरोप है कि विजय ने अखिलेश मल्लाह और अमित कुमार सिंह को 10 लाख रुपए की सुपारी दी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। ड्यूटी से लौटते वक्त तुलेश्वर नोनियां की हत्या की गई ताकि अनुकंपा पर बेटे को बीसीसीएल में जॉब मिल जाए।

ग्रामीण एसपी एस मोहम्मद याकूब ने बताया कि पुलिस को 20 जून की सुबह लगभग 4:45 बजे चौकीदार के जरिए सूचना मिली थी कि चिटाही से बरोरा जाने वाली पीसीसी सड़क के किनारे झाड़ी के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है।

कोलकाता में बारिश से सड़कें डूबीं, जगह-जगह ट्रैफिक जाम

दिल्ली-एनसीआर में आंधी-बारिश से पेड़ गिरने टेंट-शेड उड़ने का खतरा, गोवा में टूरिस्ट समुद्र में बहा

भोपाल/जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गुरुवार दोपहर को मूसलाधार बारिश हुई। करीब दो घंटे की तेज बारिश से शहर की कई प्रमुख सड़कें डूब गईं। कोलकाता और साल्ट लेक के कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। भारी बारिश के कारण तारातला में ढहे गोदाम पर चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन भी प्रभावित हुआ है। बुधवार को हुए हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है। अब तक मलबे से 30 लोगों को निकाला गया है। कई लोग अभी भी मलबे के नीचे दबे हैं।

इधर, 6 राज्यों- उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ घंटों के दौरान आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हवा की रफ्तार 70

किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इससे पेड़ गिरने और टेंट-शेड उड़ने का खतरा है।

गोवा के बागा बीच पर बुधवार को एक टूरिस्ट की समुद्र में बहने से मौत हो गई। कर्नाटक के रहने वाले सहस अशपाक मसाली (33) समुद्र किनारे चट्टानों पर बैठे थे। इसी दौरान तेज लहरें उठीं और उफनते समुद्र ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। देश के 22 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। 24 जून को इसने मध्य प्रदेश और गुजरात में 9 दिन की देरी से एंट्री की। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को भी कवर कर सकता है। दिल्ली में मानसून का आना बाकी है लेकिन अगले कुछ दिनों में बारिश होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में अगले 4-5 दिनों तक हीटवेव चलने की आशंका है।

मध्य प्रदेश और बिहार में अगले 2-3 दिनों तक हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत में 25 जून तक तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। इसके बाद 26 से 28 जून के बीच अधिकतम तापमान 2-3°सी तक बढ़ सकता है। मध्य भारत में 28 जून तक तापमान में करीब 3°सी की गिरावट आने की संभावना है।

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, बिहार के कई शहरों में बुधवार को पारा 40°सी से ज्यादा रहा। देश में सबसे ज्यादा पारा उत्तर प्रदेश के बांदा में 44.2°सी दर्ज किया गया। वहीं, यूपी के प्रयागराज में 43.4°सी, राजस्थान के श्रीगंगानगर में 42.5°सी, एमपी के खजुराहो 41.2°सी और बिहार के पटना में 40.6°सी रहा।

तीन खेमों में बंटी तृणमूल कांग्रेस में संकट और बढ़ा

नेता नहीं उठा रहे फोन, कार्यकर्ता निराश

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनावों के नतीजे 4 मई को आए थे, लेकिन 50 दिन में ही तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष स्तर पर टूटने के बाद संकट अब जमीनी स्तर पर पहुंच गया है। राज्य में नेता जहां फोन नहीं उठा रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ पार्टी के कार्यकर्ता हताश है। वे निराशा में डूबे हैं। तृणमूल कांग्रेस के बिखरने से राज्य में बीजेपी के लिए 'नो अपोजिशन' जैसी स्थिति का निर्माण हो गया है। टीएमसी के 20 सांसदों का पहला गुट एनसीपीआई में विलय कर चुका है। इस पर मॉनसून सत्र से पहले मुहर लगने की उम्मीद है तो वहीं बंगाल में विधायक ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में लामबंद है। बाकी नेता और विधायक ममता बनर्जी के साथ हैं।

बीजेपी नेता और सांसद सौमित्र खान ने तृणमूल की स्थिति पर बुधवार को तंज कसा था। खान ने कहा था कि ममता बनर्जी की पार्टी

नहीं बचेगी। जो तीन टुकड़ों में टूट चुकी है। पहला खेमा कालीघाट गुट है। दूसरा ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई वाली सीपीआई खेमा है। तीसरा सांसदों का खेमा है। जिसने एनसपीआई में विलय की अर्जी लोकसभा स्पीकर को दी है। बंगाल में ममता की मजबूत पार्टी बिखरने से कार्यकर्ता निराश हैं। जानकारी के अनुसार नादिया से लेकर कूचबिहार तक, तृणमूल कार्यकर्ताओं ने बताया कि स्थानीय संगठन बिखर गया है। नेताओं से संपर्क करना मुश्किल हो रहा है। पदाधिकारियों के बीच उथल-पुथल और पार्टी छोड़ने के बावजूद नेताओं का कहना है कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ता ममता बनर्जी के प्रति वफादार हैं।

तृणमूल कांग्रेस बिखराव की स्थिति में दिख रही है। भले ही सारा ध्यान पार्टी छोड़ने वाले सांसदों और पार्टी के चुनाव चिह्न को लेकर चल रही लड़ाई पर हो, लेकिन जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में बेचैनी बढ़ रही है।

हाथियों का उत्पात, एक महिला की ली जान

कोडरमा, 25 जून (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में हाथियों के झुंड ने एक 55 वर्षीय महिला की जान ले ली है। डोमचांच प्रखंड के तेतरियाडीह गांव में गुरुवार सुबह हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मृतक महिला की पहचान तेतरियाडीह गांव निवासी सुदामा देवी (55 वर्ष) पत्नी केदार मेहता के रूप में हुई है।

मृतका के भाई मनोज मेहता ने बताया कि सुदामा देवी गुरुवार सुबह करीब 5 बजे खेतों की ओर टहलने गई थीं। इसी दौरान एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया। सुदामा देवी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन वे खेतों में गिर गईं और हाथी ने उन्हें कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना से पहले बुधवार देर रात हाथियों के इसी झुंड ने डोमचांच प्रखंड के धुरोडीह गांव में कई घरों की बाउंड्री को भी ध्वस्त कर दिया। दो दिन पूर्व गोलगो गांव में भी हाथियों ने किसानों के घरों को नुकसान पहुंचाया था, जिससे लाखों रुपए का नुकसान हुआ था।

हाथियों के लगातार हमलों से वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। वहीं, ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो वर्षों में हाथियों के हमले में 2 दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग की टीम हाथियों को क्षेत्र से बाहर खदेड़ने में असमर्थ है। हाथियों के अब भी कोडरमा के अलग-अलग क्षेत्रों में घूमने से लोगों में डर बना हुआ है।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे हाथियों के झुंड को नवादा (बिहार) की ओर खदेड़ते हैं, लेकिन नवादा से उन्हें वापस कोडरमा की ओर धकेल दिया जाता है।

दनुवा घाटी में ट्रेलर 20 फीट गहरी खाई में गिरा

ड्राइवर दो घंटे तक गाड़ी में फंसा रहा, केबिन काटकर निकाला गया बाहर, हालत गंभीर

हजारीबाग, 25 जून (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 स्थित दनुवा घाटी में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर लगभग 20 फीट गहरी खाई में जा गिरा।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की एंबुलेंस टीम और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू किया गया। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद, ट्रेलर के क्षतिग्रस्त केबिन को काटकर चालक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

घायल चालक को तुरंत चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसे प्राथमिक

उपचार दिया गया।

चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। चिकित्सकों की टीम उसकी स्थिति पर लगातार निगरानी रख रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि दनुवा घाटी में अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। घाटी का घुमावदार मार्ग, तेज ढलान और वाहनों की अधिक गति इन हादसों का मुख्य कारण बनती है।

स्थानीय लोगों ने कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग से सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग की है, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रेलर अनियंत्रित होकर खाई में गिरा। उन्होंने कहा कि हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

स्थानीय लोगों ने दनुवा घाटी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, चेतावनी संकेत बढ़ाने और दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की है।

पर्यटन मंत्री बोले- रामगढ़ को खतरा हुआ तो बंद कराएंगे माइनिंग

सरगुजा, 25 जून (एजेंसियां)। पर्यटन और संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि कोयला खदानों की वजह से ऐतिहासिक रामगढ़ को किसी तरह का खतरा हुआ तो कोयला उत्खनन बंद करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि चाहे कोई भी कंपनी या एजेंसी कोयला निकाल रही हो। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि जिस समय कोल ब्लॉक को मंजूरी मिली थी, उस समय टीएस सिंहदेव विधायक थे और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी।

दरअसल, टीएस सिंहदेव ने रामगढ़ से सटे हसदेव के जंगल में कोल ब्लॉक में हो रही ब्लास्टिंग के कारण रामगढ़ पहाड़ी की दरकने और लैंड स्लाइडिंग पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इससे रामगढ़ पर्वत पर खतरा मंडरा रहा है। राजेश अग्रवाल ने बुधवार को रामगढ़ महोत्सव की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। आषाढ़ माह के प्रथम दिवस पर रामगढ़ के प्राचीन ऐतिहासिक स्थल में 29 और 30 जून को भव्य रामगढ़ महोत्सव का आयोजन होगा।

बैठक में महोत्सव के लिए जरूरी व्यवस्थाओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी ली गई। स्थानीय कलाकारों को मंच देने पर खास जोर दिया गया। महोत्सव में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए बस सेवा उपलब्ध कराने का सुझाव भी रखा गया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्राकृतिक संपदा और ऐतिहासिक-धार्मिक महत्व से समृद्ध रामगढ़ में इस साल भी गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का उत्सव रामगढ़ महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, विद्यालयीन प्रस्तुतियां, कवि सम्मेलन, शास्त्रीय नृत्य और संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। राजेश अग्रवाल ने कहा कि रामगढ़ विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में अपनी अलग पहचान रखता है। यह स्थल आस्था, संस्कृति, नाट्य परंपरा और पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। उदयपुर विकासखंड मुख्यालय के समीप स्थित रामगढ़ पहाड़ी दूर से देखने पर मानो किसी विशाल हाथी की आकृति सी प्रतीत होती है। समुद्र तल से लगभग 3,202 फीट ऊंची यह पहाड़ी अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भी अद्वितीय पहचान रखती है।

शादी करना भी हुआ महंगा, लोगों का बजट बिगड़ा

बर्तन, टेंट और कैटरिंग के दाम में इजाफा, विवाह के खर्चे में 25% तक हुई वृद्धि

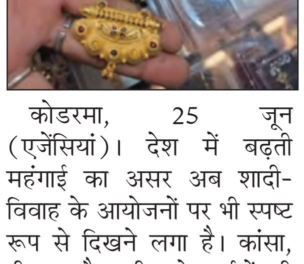

कोडरमा, 25 जून (एजेंसियां)। देश में बढ़ती महंगाई का असर अब शादी-विवाह के आयोजनों पर भी स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। कांसा, पीतल और स्टील के बर्तनों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ-साथ टेंट, कैटरिंग और सजावट के खर्च में भारी बढ़ोतरी के कारण लोग अब सादे तरीके से विवाह करने और केवल रस्मों के लिए ही खरीदारी करने को मजबूर हो रहे हैं।

भारतीय विवाह परंपरा में बेटियों को स्टील, पीतल और कांमसा के बर्तन दान करने का रिवाज वर्षों से चला आ रहा है। पहले जहां लोग अपनी बेटियों की शादी में बड़ी मात्रा में ये बर्तन देते थे, वहीं पिछले चार-पांच महीनों में इन बर्तनों की बढ़ी कीमतों ने इस चलन को काफी प्रभावित किया है। खाड़ी देशों में जारी युद्ध के कारण उत्पन्न हुए एलपीजी संकट और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर पहले खाद्य पदार्थों पर पड़ा था। अब इसका सीधा प्रभाव शादी-विवाह से जुड़े सामान बर्तनों, ज्वैलरी, टेंट, खाना पर दिख रहा है, जिससे विवाह का पूरा बजट बिगड़ गया है।

झुमरी तिलैया के स्टेशन रोड स्थित चिरंजी लाल बर्तन दुकान के संचालक मनोज कुमार ने बताया कि चार-पांच महीने पहले जो स्टील के बर्तन का सेट 4 हजार रुपए में मिलता था, उसकी कीमत अब 52 सौ रुपए हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि विवाह के अवसर पर बेटी को दान किए जाने वाले अन्य बर्तनों की कीमतों में भी काफी वृद्धि हुई है।

इधर, इवेंट प्लानर गौरी भगत ने जानकारी दी कि शादी के लिए टेंट, कैटरिंग, सजावट और लाइट के बजट में पिछले लग्न के मुकाबले इस लग्न में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्होंने बताया कि पिछले लग्न में विवाह के जिस इवेंट का खर्च 6 लाख से 7 लाख रुपए आता था, वह इस वर्ष के लग्न में 8 लाख तक पहुंच चुका है। गौरी भगत ने बताया कि बीते कुछ माह में डीजल के दाम बढ़ने के कारण जहां एक ओर ट्रांसपोर्टेशन चार्ज बढ़ा है। वहीं, इसके साथ-साथ मजदूर के भाव, कपड़े की कीमत और खाने के सारे आइटम भी मांगे हो गए हैं। इसके कारण शादी विवाह के खर्चे में 20 से 25% तक की वृद्धि हो गई है।

राशन कार्ड और एलपीजी कनेक्शन वालों के लिए खुश खबरी

ई-केवाईसी में पिछड़े तो कटेगी सब्सिडी

रांची, 25 जून (एजेंसियां)। झारखंड में राशन कार्ड रखने वालों और एलपीजी कनेक्शन रखने वालों के लिए काम की खबर है। राशन कार्ड में नया नाम जोड़ने के लिए पहले ई-केवाईसी कराना अब अनिवार्य होगा। राशन वितरण व्यवस्था में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने सभी राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी की व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। लाभार्थियों का ई-केवाईसी किए बिना अब राशन कार्ड में किसी भी नए सदस्य का नाम नहीं जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही राशन कार्ड में दर्ज परिवार के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी निःशुल्क कराया जा रहा है।

रांची जिला प्रशासन के अनुसार, ई-केवाईसी का उद्देश्य लाभार्थियों

का सत्यापन करना, अपात्र और फर्जी कार्डधारियों की पहचान करना और खाद्यान्न वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी बनाना है। इसके माध्यम से वास्तविक जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सकेगा।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने सभी जिला पदाधारियों को दिशा-निर्देश दिया है कि किसी भी परिस्थिति में ई-केवाईसी के बिना नया नाम जोड़ा जाए। खाद्य आपूर्ति विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से अपात्र लोगों को लाभ लेने से रोका जा सकेगा और पात्र लाभुकों को समय पर राशन उपलब्ध होगा।

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने विभाग ने कहा है कि ई-केवाईसी अभियान की लगातार निगरानी की जा रही है और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभुकों को भविष्य में राशन प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

प्रशासन ने बताया कि लाभुक अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली दुकान पर आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन के माध्यम से ई-केवाईसी करा सकते हैं।

द्वार पूजा में लड़खड़ाया दूल्हा, दुल्हन ने जड़े थप्पड़

जांजगीर-चांपा, 25 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में जैसे ही दूल्हा द्वार पूजा के लिए पहुंचा, दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। ग्राम कोसमंदा में 23 जून को पहुंची बारात खाली हाथ वापस लौट गई। दरअसल, दूल्हा शराब के नशे में था। वह लड़खड़ा रहा था, जिसके बाद वर-वधु पक्ष के बीच झगड़ा हो गया। दूल्हा इतने नशे में था कि वह अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। यह देखकर दुल्हन ने उसे 3 थप्पड़ भी जड़ दिए। मामला इतना बढ़ गया कि पुलिस को बुलाना पड़ गया। पुलिस ने समझाइश देकर मामला शांत कराया।

इस फैसले के बाद एसपी ने दुल्हन का सम्मान भी किया है, यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि दूल्हा सगाई में शराब पीकर आया था।

ग्राम खोखरा निवासी संत कुमार प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। उसकी शादी कोसमंदा की मुस्कान प्रधान से तय थी। दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं और सभी रस्में चल रही थीं। 23 जून को संत कुमार बाजे-गाजे और बारातियों के साथ बारात लेकर लड़की के गांव पहुंचा।

वहां वधु पक्ष ने बारात का स्वागत किया और द्वार पूजा की तैयारी शुरू हुई। शाम को द्वार पूजा के समय संत कुमार नशे में इतना धुत था कि वह अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। ये बात दूल्हन को पता चली तो उसने द्वार पूजा से पहले ही शादी से इनकार कर दिया।

अब पहले की तरह धड़ाधड़ सिलेंडर

एलपीजी सप्लाई पर लगी सभी पाबंदियां हटीं, सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली,25 जून (एजेंसियां)। इंडस्ट्रियल और कमर्शियल एलपीजी ग्राहकों के लिए बड़ी राहत है। सरकार ने नॉन-डोमेस्टिक पैक्ड एलपीजी की सप्लाई पर लगी सभी सेक्टर-वाइज पाबंदियां हटा दी हैं।

इस तरह की सप्लाई को पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया गया है। इसके अलावा, संकट की शुरुआत में रोकी गई बल्क एलपीजी की सप्लाई में भी ढील दी गई है। इसे संकट से पहले की खपत के स्तर का 50% कर दिया गया है। इससे कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों को काफी राहत मिली है। यह बहाली एलपीजी सप्लाई की स्थिति में हाल ही में हुए सुधार के बाद की गई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

सरकार ने लगाई थीं पाबंदियां

पश्चिम एशिया संकट के दौरान घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' के तहत आदेश जारी किए थे। इन आदेशों में कहा गया था कि सी3-सी4 स्ट्रीम का इस्तेमाल सिर्फ एलपीजी उत्पादन के लिए किया जाए। उन्हें पेट्रोकेमिकल और अन्य डाउनस्ट्रीम इस्तेमाल से हटाकर एलपीजी उत्पादन में लगाया जाए।

इसलिए लिया गया फैसला

देश में एलपीजी उत्पादन में सुधार हुआ है। इंपोर्टेड एलपीजी कार्गो की अनुमानित उपलब्धता को देखते हुए सरकार ने एलपीजी पूल के लिए सी3/सी4 स्ट्रीम के डायवर्जन (इस्तेमाल में बदलाव) को कम करने का भी फैसला किया है।

नॉन-एलपीजी इस्तेमाल के लिए सी3-सी4 स्ट्रीम का बढ़ा हुआ आवंटन इस तरह लागू किया जाएगा कि घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर कोई असर न पड़े। देश में कुल एलपीजी उत्पादन हर दिन कम से कम 40 टीएमटी बना रहे।

इस कदम का मतलब

इस कदम का आसान मतलब यह है कि सरकार ने होटल, रेस्टोरेंट, फैक्ट्रियों और उद्योगों (गैर-घरेलू सेक्टर्स) में इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई पर लगी सभी पुरानी पाबंदियां और कोटे हटा दिए हैं। अब देश का कोई भी कमर्शियल या इंडस्ट्रियल सेक्टर अपनी जरूरत के हिसाब से बिना किसी रोक-टोक या विशेष मंजूरी के पैक्ड एलपीजी खरीद और इस्तेमाल कर सकता है। इससे बिजनेस करना आसान होगा। साफ ईंधन को बढ़ावा मिलेगा। इसका आपके घर के रसोई गैस सिलेंडर पर कोई असर नहीं होगा।

विदेश जाना हुआ महंगा: सरकार ने बढ़ाए पासपोर्ट के शुल्क, 1 जुलाई से 36 पेज के लिए देने होंगे 2,500

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। विदेश घूमने, पढ़ाई करने या काम के सिलसिले में देश से बाहर जाने की योजना बना रहे लोगों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। केंद्र सरकार ने नया पासपोर्ट बनवाने और पुराने को रिन्यू कराने की फीस में भारी इजाफा कर दिया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी 'पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026' के तहत नई दरें 1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएंगी। नए नियमों के अनुसार, 18 साल या उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए पासपोर्ट सेवाओं की दरों में सीधे तौर पर बदलाव किया गया है: 36-पेज का पासपोर्ट: पहले इसके लिए 1,500 रुपये देने होते थे, लेकिन अब नॉर्मल फीस बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी गई है। वहीं, अगर आप इसे 'तत्काल' सेवा के तहत बनवाते हैं, तो आपको कुल 5,000 रुपये चुकाने होंगे। 60-पेज का पासपोर्ट: जो लोग ज्यादा सफर करते हैं और 60 पेज का जंबो पासपोर्ट बनवाते हैं, उन्हें अब 2,000 रुपये के बजाय 3,500 रुपये देने होंगे। इसका तत्काल शुल्क 6,000 रुपये तय किया गया है। बच्चों के पासपोर्ट की फीस भी बढ़ा दी गई है। 18 वर्ष से कम आयु के आवेदकों के लिए नया 36-पेज का पासपोर्ट बनवाने का शुल्क 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,750 रुपये कर दिया गया है। यदि बच्चों का पासपोर्ट तत्काल श्रेणी में बनवाना है, तो इसके लिए 4,250 रुपये देने होंगे। ध्यान रहे, नाबालिगों का पासपोर्ट 5 साल या उनके 18 वर्ष का होने तक (जो भी पहले हो) ही वैध रहता है।

अगर आपका पासपोर्ट गुम हो जाता है या किसी वजह से खराब (डैमेज) हो जाता है, तो डुप्लीकेट पासपोर्ट निकलवाना अब काफी महंगा सौदा होगा:36-पेज रिप्लेसमेंट: नॉर्मल कैटेगरी में इसके लिए 5,000 रुपये और तत्काल में 7,500 रुपये लगेंगे।

60-पेज रिप्लेसमेंट: नॉर्मल में 6,000 रुपये और तत्काल में 8,500 रुपये चुकाने होंगे। बच्चों का रिप्लेसमेंट (36-पेज): नॉर्मल कैटेगरी में 4,250 रुपये और तत्काल में 6,750 रुपये फीस निर्धारित की गई है।

पासपोर्ट सेवाओं से जुड़े अन्य दस्तावेजों के शुल्क में भी बदलाव किया गया है। अब पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, सरेंडर सर्टिफिकेट और ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम वेरिफिकेशन जैसे अन्य विविध प्रमाणपत्रों के लिए 750 रुपये का शुल्क देना होगा। इसके अलावा, 'सर्टिफिकेट ऑफ आइडेंटिटी' बनवाने का खर्च 1,000 रुपये होगा।

शेयर बाजार में राहत, सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद

मुंबई, 25 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में 25 जून 2026 को निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मजबूत कारोबारी रुझान और प्रमुख सेक्टर्स में व्यापक खरीदारी के दम पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार के साथ-साथ चुनिंदा वैश्विक बाजारों (ग्लोबल मार्केट) के इंडेक्स में भी सकारात्मक रुख दर्ज किया गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी के क्लोजिंग आंकड़े क्या रहे?

कारोबारी दिन के अंत में बाजार के प्रमुख सूचकांकों ने मामूली लेकिन ठोस बढ़त दर्ज की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 109.25 अंक (0.14%) की तेजी के साथ 77,100.47 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 34.35 अंक (0.14%) की बढ़त लेकर 24,056.00 के स्तर पर पहुंच गया।

बाजार की इस तेजी में किन शेयरों और सेक्टर्स ने दिखाया दम?

इस रैली में मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था के प्रति संवेदनशील सेक्टर्स का दबदबा रहा। रियल्टी, ऑटो, वित्तीय सेवाओं और सीमेंट शेयरों ने बाजार में शानदार प्रदर्शन किया। निवेशकों के सकारात्मक नजरिए के चलते बैंकिंग शेयरों ने भी इस तेजी में अपना अहम योगदान दिया। अगर व्यक्तिगत कंपनियों की बात करें, तो दिग्गज ऑटो कंपनियों महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति के शेयरों में 4-4 प्रतिशत का शानदार उछाल दर्ज किया गया।

किन सेक्टर्स में निवेशकों ने की मुनाफावसूली?

हालांकि बाजार का ओवरऑल मूड पूरी तरह से सकारात्मक रहा, लेकिन कुछ सेक्टर्स में निवेशकों ने चुनिंदा तौर पर मुनाफावसूली भी की। इस बिकवाली के कारण मेटल और मीडिया सेक्टर के शेयरों में सुस्ती देखी गई और ये बाजार की रफ्तार में पीछे रह गए।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले-जुले लेकिन मुख्य रूप से सकारात्मक संकेत मिले हैं। लंदन के समय के अनुसार सुबह 6:56 बजे तक एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.6% और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 2% की मजबूत बढ़त दर्ज की गई।यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स 0.3% चढ़ा, जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। एशियाई बाजारों में रुझान मिश्रित रहा; जापान के टोपिक्स इंडेक्स में 1.6% की तेजी आई, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1.7% और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.6% गिरकर कारोबार कर रहा था।

अदाणी समूह ने वंदे भारतम के जरिए दिया नवउद्यमियों को राष्ट्रीय मंच: आखिर क्या है इसका मकसद ?

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने अपने 64वें जन्मदिन पर 'वंदे भारतम' नामक एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया। इस पहल का उद्देश्य भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 800 से अधिक जिलों से इनोवेटर्स, उद्यमियों और बदलावकर्ताओं की खोज करना है।

यह कार्यक्रम पारंपरिक स्टार्टअप केंद्रों से परे विचारों को एक राष्ट्रीय मंच पर लाने का लक्ष्य रखता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक है, लेकिन अधिकांश संस्थापक केवल पांच शहरों से ही आते हैं। इस पहुंच को व्यापक बनाने के लिए, कार्यक्रम महानगरीय केंद्रों से लेकर ग्रामीण समुदायों तक, सभी उम्र और शैक्षिक पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों को आमंत्रित करता है। आवेदक पंजीकृत स्टार्टअप की आवश्यकता के बिना अवधारणाएं, प्रोटोटाइप, शुरुआती चरण के उद्यम या स्थापित कारोबार जमा कर सकते हैं। प्रविष्टियां प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, स्थिरता, कृषि, पारंपरिक शिल्प और सामुदायिक समाधान जैसे कई क्षेत्रों में फैली होंगी। महिलाओं, आदिवासी उद्यमियों, ग्रामीण नवप्रवर्तकों और दिव्यांग उद्यमियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित मार्ग बनाए जाएंगे। संरचित क्षेत्रीय मूल्यांकन के बाद, 75 फाइनलिस्ट अहमदाबाद में एक गहन मार्गदर्शन और निवेश कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता दिवस के आसपास एक ग्रैंड फिनाले के साथ समाप्त होगा।

गौतम अदाणी ने पहल शुरू करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब उनके पास कुछ नहीं था।

उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया, वह भारत की मिट्टी ने उन्हें दिया। हमारे राष्ट्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अवसर हमेशा देश के हर कोने तक नहीं पहुंचे हैं। भारत ने दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक का निर्माण किया है, फिर भी अधिकांश संस्थापक अभी भी मुट्ठी भर शहरों से ही आते हैं।

'वंदे भारतम' उन नवप्रवर्तकों, समस्या-समाधानकर्ताओं और उद्यमियों को खोजने का एक प्रयास है जिनके विचारों को पहचान, समर्थन और एक बड़े मंच की आवश्यकता है।

यह कार्यक्रम सभी भारतीयों को आमंत्रित करता है जिनमें निर्माण करने का साहस और कुछ नया बनाने का दृढ़ संकल्प है।

एलन मस्क के हाथ से गया 'ट्रिलियनेयर' का रिकॉर्ड

एक दिन में गंवाए 11.14 लाख करोड़; अब कितनी है दौलत?

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर के तौर पर एलन मस्क का छोटा सा दौर खत्म हो गया है। स्पेसएक्स (एसपीसीएक्स) और टेस्ला (टीएसएलए) के शेयरों में भारी गिरावट के चलते उनकी संपत्ति में भारी गिरावट आई है और उन्होंने दुनिया के इकलौते 'ट्रिलियनेयर' होने का रिकॉर्ड गंवा दिया है।

मस्क को बड़ा झटका

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, बुधवार को मस्क की नेट वर्थ गिरकर 946 बिलियन डॉलर रह गई है। जबकि अभी दो हफ्ते से भी कम समय पहले उन्होंने लगभग 1.11 ट्रिलियन डॉलर और हाल ही में सबसे ज्यादा 1.32 ट्रिलियन डॉलर नेटवर्थ होने का रिकॉर्ड बनाया था।इस गिरावट के चलते भले ही मस्क अब ट्रिलियनेयर नहीं रहे, लेकिन अभी भी वह काफी बड़े अंतर से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं।हाल ही में 12 जून को नैस्डेक पर स्पेसएक्स के ऐतिहासिक आईपीओ के बाद मस्क की संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई थी। 16 जून को स्पेसएक्स के शेयर 225.64 डॉलर के अपने ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गए थे, जिससे कंपनी की मार्केट कैप 2.5 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई थी। हालांकि, इस हफ्ते स्पेसएक्स के शेयर अपने पीक से 30% तक लुढ़ककर 154-156 डॉलर के दायरे में आए। अकेले सोमवार (22 जून) को इसमें 16% तक की गिरावट आई। इससे मस्क के नेटवर्थ से एक झटके में 240 बिलियन डॉलर साफ हो गए। टेस्ला के शेयर भी बीते दो दिनों में 6-9% तक टूटकर 375.53 डॉलर के स्तर पर आ चुके हैं। इससे मस्क को हुए नुकसान का पैमाना और बढ़ गया है।

क्यों गिरे स्पेसएक्स के शेयर?

बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, आईपीओ के तुरंत बाद स्पेसएक्स द्वारा अंतरिक्ष में नए डेटा सेंटर और एआई संबंधित परियोजनाओं के लिए 25 बिलियन डॉलर के बॉन्ड्स बेचने के ऐलान ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। दरअसल, स्पेसएक्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग रेस में ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों को पछाड़ने के लिए कर्सर एआई नाम की एक स्टार्टअप कंपनी को 60 बिलियन डॉलर में खरीदने का सौदा किया है, जिसका भुगतान स्पेसएक्स के नए शेयर जारी करके किया जाएगा। इससे बाजार में मौजूदा निवेशकों की हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 3.4% तक कम हो गई है। निवेशकों को इस बात का डर है एआई पर खर्च का पैमाना बढ़ रहा है, लेकिन मुनाफा आने में अभी समय लगेगा।

इससे डर से बाजार में कई बड़े टेक शेयर टूटे हैं।

एयरलाइन को किराया कम करने को कह सकती है सरकार: राम मोहन नायडू

नई दिल्ली,25 जून (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें नरम होने लगी हैं। इसके साथ ही एक बार फिर से एयर फेयर में कटौती के हालात बनने लगे हैं। सरकार का कहना है कि एक बार क्रूड की कीमतें स्टेबल हो जाए तो फिर वह एयरलाइनों से सर्ज चार्ज और अतिरिक्त किराए की समीक्षा करने के लिए कह सकती है। यह जानकारी केंद्र में नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने दी है।

10,000 करोड़ का कोष

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक गुरुवार को नायडू ने बताया कि इस समय केंद्र सरकार हर पखवाड़े एयर टरबाइन फ्यूल की कीमतों की समीक्षा करता है। यह वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों की गति पर आधारित होती है। इसके अलावा, इसने एयरलाइनों को संकट के समय समर्थन देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का मूल्य स्थिरीकरण कोष भी बनाया है। नायडू ने बताया कि केंद्र एटीएफ की कीमतों पर करीबी नजर रख रहा है और हाल की कीमतों में गिरावट स्थायी है या नहीं, यह आंकने के लिए एयरलाइनों से चर्चा कर रहा है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा दूसरे, अब जब हम कीमतें कम होते देख रहे हैं, हमें अभी यह देखना होगा कि यह दीर्घकालिक कमी है या अचानक हुई गिरावट, और हम इस पर एयरलाइनों से बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीने सिविल एविएशन सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। किराए से संबंधित किसी भी फैसले की निर्भरता ईंधन की कीमतों की स्थिरता पर होगी। उन्होंने कहा, पिछले 4 महीने एयरलाइंस के लिए काफी अहम रहे हैं। एक बार जब हम स्पष्ट हो जाते हैं कि कीमतों में स्थिरता लंबे समय तक बनी रहेगी, तो हम उनसे बात करेंगे और सर्ज चार्ज या अतिरिक्त कीमतों को कम करने की दिशा में काम करेंगे, जो हम अभी देख रहे हैं।उन्होंने बताया कि अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से उपजे भू-राजनीतिक संकट के बीच, सरकार ने घरेलू शिड्यूल्ड ऑपरेटरों के लिए एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी की कैपिंग कर दी गई है। साथ ही हवाई अड्डे के शुल्क को कम कर दिया है। साथ ही आपातकालीन क्रेडिट लिंकेज योजना के तहत समर्थन बढ़ा दिया गया है।

अमेरिका ने चेंज की इकोनॉमिक पॉलिसी

उदय कोटक ने दिलाया ध्यान, भारत के लिए मैसेज

नई दिल्ली,25 जून (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका ने व्यापार, मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन के प्रति अपना नजरिया बदला है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें एहसास होने लगा कि आउटसोर्सिंग से अमेरिका को असल में कोई फायदा नहीं हुआ।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने अमेरिका की नई आर्थिक नीति के बारे में बताया है। इसमें भारत के लिए भी कुछ सीख हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक ने भी बेसेंट की बातों पर ध्यान दिया है। बेसेंट ने 'द इकोनॉमिक क्लब ऑफ न्यूयॉर्क' के 'अमेरिका 250 गाला डिनर' में '21वीं सदी में अमेरिकी आर्थिक कूटनीति' विषय पर ये बातें कहीं। कोटक ने ट्रंप प्रशासन की आर्थिक सोच के मुख्य बिंदु पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जो देश अपनी जरूरत की चीजें खुद नहीं बना सकता, वह असल में सुरक्षित नहीं है। जो देश जरूरी चीजों के लिए अपने दुश्मनों पर निर्भर है, वह असल में संप्रभु नहीं है। और जो देश अपनी अर्थव्यवस्था को सिर्फ खपत तक सीमित कर देता है, वह असल में समृद्ध नहीं है।' डोनाल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका ने व्यापार, मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन के प्रति अपना नजरिया बदला है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि आउटसोर्सिंग से अमेरिका को असल में कोई फायदा नहीं हुआ।

ग्लोबलाइजेशन पर अमेरिका की नई सोच

बुधवार को अपने भाषण में बेसेंट ने कहा कि दशकों से चले आ रहे ग्लोबलाइजेशन के बुनियादी विचार गलत साबित हुए हैं। उन्होंने कहा, 'हमें लगने लगा था कि अमेरिकी बाजार तक पहुंच बिना किसी शर्त के - और बिना किसी बुरे नतीजे के - दी जा सकती है।' बेसेंट के अनुसार, अमेरिका को लगता था कि गहरी आर्थिक एकजुटता से स्वाभाविक रूप से साझा हित और मजबूत सप्लाई चेन बनेंगे। इसके बजाय, रणनीतिक उद्योग विदेशों में चले गए, सप्लाई चेन ऐसे देशों में केंद्रित हो गईं जिनके हित हमेशा अमेरिका जैसे नहीं थे और अमेरिकी कंपनियों को सब्सिडी और जबरदस्ती टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से लेकर भेदभावपूर्ण नियमों तक अनुचित तौर-तरीकों का सामना करना पड़ा। हमने दूसरे देशों को हमारी निर्भरता का फायदा उठाने का मौका दिया है। बेसेंट का तर्क है कि इसका समाधान आर्थिक अलगाव नहीं, बल्कि ऐसी शर्तों पर जुड़ना है जो निष्पक्ष और आपसी व्यापार के जरिए अमेरिकी हितों को मजबूत करें।

आर्थिक सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा

बेसेंट के भाषण का मुख्य तर्क यह था कि राष्ट्रीय शक्ति घरेलू उत्पादन क्षमता पर निर्भर करती है। अमेरिका के संस्थापकों में से एक अलेक्जेंडर हैमिल्टन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हर देश को अपनी सीमाओं के भीतर ही राष्ट्रीय सप्लाई के लिए जरूरी चीजें हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए।बेसेंट ने कहा, 'जो देश अपनी जरूरत की चीजें खुद नहीं बना सकता, वह असल में सुरक्षित नहीं है। जो देश जरूरी चीजों के लिए अपने दुश्मनों पर निर्भर है, वह असल में आजाद नहीं है।'ट्रेजरी सेक्रेटरी ने सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, जहाज बनाने, जरूरी मिनरल्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे सेक्टर की पहचान की, जो आने वाले दशकों में देश की ताकत तय करेंगे।

चांदी आज 6,550 सस्ती, 3 दिन में 22 हजार गिरी

सोना 2,156 गिरकर 1.40 लाख पर आया, इस महीने 16 हजार सस्ता हो चुका

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में 25 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 1 किलो चांदी आज चांदी 6,550 रुपए घटकर 2.15 लाख रुपए पर आ गई है। चांदी 3 दिन में ही 22 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 2,156 रुपए गिरकर 1.40 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.42 लाख पर था। सोना के दाम इस महीने 16 हजार रुपए और चांदी के 48 हजार रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी 2.63 लाख/किलो थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 36 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 147 दिन में चांदी 1.70 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05-03 बजे
कर्क	07-16 बजे
सिंह	09-28 बजे
कन्या	11-34 बजे
तुला	13-40 बजे
वृश्चिक	15-50 बजे
धनु	18-03 बजे
मकर	20-09 बजे
कुंभ	22-00 बजे
मीन	23-38 बजे
मेष	01-14 बजे
वृष	03-00 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त. 18 -49
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ शुक्रवार 26 June 2026
तिथि - शुक्ल पक्ष द्वादशी 22-22 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - विशाखा 19-15 तक उप अनुराधा
योग. - सिद्ध 11-38 तक उप साध्य
करण - बव 09-14 तक उप बालव

विशेष:

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
10-41 से
12-19 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05 -47 - 07-24	शुभ	रोग	18-49 - 20-14	अशुभ
लाभ	07-24 - 09-02	शुभ	काल	20-14 - 21-36	अशुभ
अमृत	09-02 - 10-41	शुभ	लाभ	21-36 - 22-58	शुभ
काल	19-41 - 12-19	अशुभ	उत्पात	22-58 - 00-19	अशुभ
शुभ.	12-19 - 13-57	शुभ	शुभ	00-19 - 01-41	शुभ
रोग	13-57 - 15-36	अशुभ	अमृत	01-41 - 03-02	शुभ
उत्पात	15-36 - 17-14	अशुभ	चंचल	03-02 - 04-24	शुभ
चंचल	17-14 - 18-49	शुभ	रोग	05-24 - 05-47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है ।अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी । कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी । आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे । दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
खुशियाँ मनाने का समय है । आपके किसी करीबी की शादी है । इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी । अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं । जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है । आज आपका दिन है ।आपकी किस्मत पूरी तरह आपके साथ है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें । दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे । इन दोनों शक्तियों के बीच उलझा हुआ अनुभव भी करेंगे लेकिन अंतत दोनों में संतुलन बना पाने में कामयाब होंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

'भाजपा राज्यों में घोटाले ही घोटाले'

अशोक गहलोत बोले- मध्यप्रदेश के सीएम का भी आया है नाम

जोधपुर, 25 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहाकि हर तरफ़ अफरातफरी मची है। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहां अव्यवस्था फैली हुई है। हालात बहुत गंभीर हैं। एक के बाद एक घोटाले सामने आ रहे हैं, जिनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम भी आया है, और उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है। राजस्थान के लोग भी नाखुश हैं। स्थिति बहुत खराब है।

राजस्थान में कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने कहाकि स्थिति बहुत खराब है। मुख्यमंत्री को हालात समझने चाहिए और उन्हें ठीक करने की कोशिश करनी चाहिए। स्थिति उनके हाथों से निकलती जा रही है।

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने जोधपुर में पत्रकारों के प्रश्नो का जवाब देते हुए कहाकि देखिए राजनीति में झूठे आरोप नहीं लगाए जाते हैं। अगर आपके पास तथ्य है, तो उस पर बात करो। किरोड़ी लाल मीणा जब सरकार में नहीं थे, तब भी वो लगातार आरोप लगाते थे। लगातार आंदोलन करते रहना उनकी प्रकृति है। बीते 15-20 साल से आप लोग भी देख रहे होंगे। वो, एक अलग किस्म के प्राणी हैं।

किरोड़ी लाल मीणा पर बोलते हुए अशोक गहलोत ने कहाकि वो पहले भी आरोप लगाते थे अब भी लगा रहे हैं। यह अनावश्यक है। पार्टी के अध्यक्ष की एक अलग प्रतिष्ठा होती है। उस पर बिना तथ्यों के आरोप लगा रहे हैं। तो बताइए कि पार्टी में क्या रिएक्शन होगा? डोटासरा भी आश्चर्य चकित हैं कि भाई बिना तथ्यों के ये क्या आरोप लगा रहा है? किरोड़ी लाल मीणा को खुद को सोचना चाहिए, उनकी काम करने की किस प्रकार की अप्रोच है। छापे डाल रहे हैं। छापे में उनके साथ जो लोग होते हैं वो वसूली करते हैं। ये तो प्रूव हो गया है। अब जब प्रूव हो गया है तो कहते हैं कि एसीबी भी दबाव में काम कर रही है।

अशोक गहलोत ने आगे कहाकि जब से डीजी साहब आए हैं एसीबी दबाव में है। वो पूरी तरह सीएमओ और सीएम के दबाव में है। डीजी के नीचे काम करने वाले अधिकारी भी उनकी नहीं सुनाते हैं। मेरे पास जो वहां से रिपोर्ट आती है उसके अनुसार वहां जो काम करने वाला अधिकारी हैं वो परेशान हैं। एसीबी की स्थिति बहुत खराब है। दबाव में काम हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री को ऑबलाइज करने के लिए फैसले हो रहे हैं। आईओ कहता है कि ये मुल्जिम नहीं है। तो ऊपर से आए दबाव के बाद डीजी साहब कहते हैं कि नहीं इनको अरेस्ट करो। ऐसा मैंने आज तक कभी देखा नहीं। तीन-तीन बार हम भी मुख्यमंत्री रहे हैं। एसीबी में किसी को भी कोई पंचायत नहीं करनी चाहिए। यहां पंचायतें नहीं हो रही हैं। महेश जोशी इसके उदाहरण हैं।

अशोक गहलोत ने कहाकि क्या मुख्यमंत्री को दिखता नहीं है कि ये क्या हो रहा है? उनका खुद का दबाव आता है। शायद आरएसएस वालों का आता होगा। आरएसएस के दबाव होने के बाद में मुख्यमंत्री हथियार डाल देते हैं। राज, आरएसएस कर रहा है। मुझे लगता है कि राजस्थान के अंदर आजकल जो लोग राज कर रहें हैं वो सिर्फ मुखौटे हैं। राज आरएसएस वाले कर रहे हैं। ट्रांसफर, पोस्टिंग, करप्शन सब वहीं से डायरेक्शन आते हैं। राजस्थान के हालात बड़े गंभीर हैं। राजस्थान की जनता जागरूक है। मुख्यमंत्री बदल देंगे तब भी कुछ नहीं होने वाला है। अगली बार सरकार बदल के रहेगी।

'लक्ष्मणगढ़ पेपर चोरों के सरगनाओं की धरती'

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने डोटासरा पर साधा निशाना

सीकर, 25 जून (एजेंसियां)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ में बिगड़े बोल सामने आए। उन्होंने बिना नाम लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर निशाने साधते हुए कहा कि लक्ष्मणगढ़ की धरती पेपर चोरों के सरगनाओं की धरती है। उन्होंने अपने परिवार को पेपर चोरी के माध्यम से पता नहीं क्या-क्या बनवा लिया। इसलिए पेपर चोरी से परेशान युवाओं को राहत देते हुए हमने बच्चों के लिए दुबारा कॉपियों को रि-चेकिंग का काम शुरू कर दिया है। अब बच्चे इसलिए परेशान नहीं होंगे कि हमने जो लिखा था उसके नंबर हमें नहीं मिले है।

शिक्षा मंत्री दिलावर लक्ष्मणगढ़ में एक निजी विद्यालय के नवीन भवन के लोकार्पण समारोह में पहुंचे थे। इस दौरान दिलावर ने कहा कि लक्ष्मणगढ़ की सड़कों की हालत बहुत खराब है। मुझे समझ नहीं आता कि यहां के विधायक पेपर चोरी के अलावा कुछ नहीं करते हैं क्या। मेरा अनुरोध है कि अपने क्षेत्र के विकास पर ध्यान देना चाहिए। समारोह में राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है। यहां के भामाशाहों एवं प्रवासी उद्यमियों ने अपनी जन्मभूमि का ऋण चुकाने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

उन्होंने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापरक एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा देना समय की आवश्यकता है। अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। नई शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा एवं स्थानीय भाषा में शिक्षा को बढ़ावा दिया गया है। मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी मातृभाषा में शुरू होना ऐतिहासिक कदम है। दिलावर ने कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार देना परिवार और समाज की जिम्मेदारी है। उनमें राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना विकसित होनी चाहिए। युवाओं को नशे से दूर रखने की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने कहा कि नशा समाज और व्यक्ति दोनों के लिए विनाशकारी है। उन्होंने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को आगे लाने के लिए सामूहिक प्रयास होने चाहिए। घुमंतू जातियों के बच्चों के उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों की भी उन्होंने सराहना की।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने संबोधन में स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी पंचायत राज विभाग की ओर से व्यापक स्तर पर सफाई अभियान संचालित किए जा रहे हैं। दिलावर ने कहा कि आमजन अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें और यदि संबंधित अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हों तो उच्च अधिकारियों तक बात पहुंचाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता के लिए मिलने वाले बजट का उपयोग केवल स्वच्छता कार्यों पर ही होना चाहिए। साथ ही गौवंश की सुरक्षा और स्वस्थ जीवन के लिए पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण और स्वच्छ आदतें ही स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं।

32 साल बाद राजस्थान के लिए खुलेगा यमुना जल का रास्ता

अमित शाह की मौजूदगी में होगा अंतिम समझौता

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। मानसून में यमुना के अतिरिक्त पानी को हथिनीकुंड से राजस्थान के हांसियावास तक पहुंचाने की राह आसान हो गई है। हरियाणा और राजस्थान के बीच सोमवार को मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर होंगे। नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में होने वाले इस एग्रीमेंट से 32 साल पुराने यमुना जल समझौते को लागू किया जा सकेगा। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ केंद्रीय जल शक्ति मंत्री भी इसमें मौजूद रहेंगे। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए हरियाणा, राजस्थान व केंद्र का संयुक्त बोर्ड बनेगा।

गौरतलब है कि मंगलवार को दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और राजस्थान व हरियाणा के मुख्यमंत्री की मौजूदगी में दोनों राज्यों के अधिकारी इस बोर्ड के गठन व संचालन को लेकर सहमत हुए। इस बोर्ड में हरियाणा और राजस्थान व केंद्र के अधिकारी शामिल होंगे और यह बोर्ड ही डीपीआर के आधार पर पाइपलाइन डालने और अन्य निर्माण के साथ ही बाद में संचालन व रखरखाव भी करेगा। चूरू के हांसियावास में तीन रिजर्वायर बनेंगे, जिसमें से एक से हरियाणा भी आवश्यकता अनुसार पेयजल के लिए पानी ले सकेगा।

बैठक के दौरान इस पर भी सहमति बनी कि यमुना का पानी चुरू और झुंझुनूं जिले तक पहुंचाने के लिए हरियाणा, राजस्थान और केन्द्र एक संयुक्त बोर्ड बनेगा। यही बोर्ड इस परियोजना के क्रियान्वयन, रखरखाव और संचालन करेगा। गौरतलब है कि दोनों राज्य पहले ही सैद्धान्तिक रूप से इस पर सहमत हो चुके थे और इसकी डीपीआर केन्द्रीय जल बोर्ड को भेज दी गई थी।

परियोजना का निर्माण हरियाणा में होना है। इसके लिए अधिकांश वित्तीय इंतजाम राजस्थान की ओर से होना है और पानी दोनों राज्यों के पीने के काम मे आएगा इसलिए हरियाणा, राजस्थान और केन्द्र इस बोर्ड के हिस्से होंगे। यह बोर्ड ही आगे इसका निर्माण व संचालन संबंधी कार्य करेगा। ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूबीआरबी) भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा होगा और यह किसी भी विवाद का निस्तारण करेगा। पाइप लाइन से 8 जगह पर हरियाणा को पीने के पानी के लिए पाइंट्स देने की सहमति पहले बन गई थी। बैठक के दौरान यह भी सहमति बनी कि चुरू जिले के हाशियावास में तीन रिजर्वायर बनेंगे। इनमें से एक से हरियाणा भी आवश्यकतानुसार पीने का पानी ले सकेगा। यहां से पानी कैसे ले जाना है, इसका प्लान हरियाणा करेगा।

गरजेंगे बादल और चलेंगी तेज हवाएं

21 जिलों में बारिश का रेडार एक्टिव

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी के मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर द्वारा जारी ताजा बुलेटिन के अनुसार राजस्थान के मौसम में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है. राज्य के ऊपर बने नए मौसमी सिस्टम और चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र के सक्रिय होने से रेगिस्तानी इलाकों से लेकर मैदानी शहरों तक आंधी-तूफान और बारिश का दौर शुरू हो गया है. मौसम विभाग ने ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी करते हुए नागरिकों को सचेत किया है कि आगामी कुछ घंटों में मौसम का रुख और अधिक आक्रामक हो सकता है. पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में घने बादल छाए हुए हैं, जिससे भीषण गर्मी और हीटवेव से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली है. राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था.

मौसम केंद्र जयपुर के मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के पूर्वी और मध्य हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और जून के आखिरी दिनों में पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है. वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ हरियाणा और उसके आसपास के क्षेत्र में सक्रिय है, जबकि मध्य स्तर की पछुआ हवाओं के साथ एक ट्रफ रेखा दक्षिण-पूर्व राजस्थान से अरब सागर तक बनी हुई है. इस ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के संयुक्त प्रभाव के कारण राज्य के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जा रही है और आंधी-बारिश का यह सिलसिला आने वाले दिनों में और तेज होने की उम्मीद है. जुलाई के प्रथम सप्ताह में राज्य के कई भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है.

विधायक दीनदयाल बैरवा ने उठाई ईडब्ल्यूएस आरक्षण की मांग

दौसा, 25 जून (एजेंसियां)। दौसा से कांग्रेस के विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि उप चुनाव में मुझे मिली जीत में ईडब्ल्यूएस वर्ग का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुझे ईडब्ल्यूएस वर्ग ने करीब साठ से सत्तर फीसदी वोट दिए। अब सरकार को ईडब्ल्यूएस का सरलीकरण करना चाहिए। विवाहित महिलाओं की आय में पिता की आय नहीं जुड़नी चाहिए। पंडित नवलकिशोर शर्मा सामुदायिक भवन में ईडब्ल्यूएस जनजागृति मंच के तत्वावधान में आयोजित विचार गोष्ठी में विधायक बैरवा ने कहा कि जैसे चुनावों में एससी व एसटी की सीट आरक्षित होती है, उसी प्रकार ईडब्ल्यूएस वर्ग को भी राजनीतिक आरक्षण मिलना चाहिए। ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिए जब भी किसी को जरूरत पड़ेगी, वे हमेशा आगे मिलेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के सरलीकरण के लिए आपको मेरे साथ जयपुर व दिल्ली में होने वाले आंदोलन में चलना पड़ेगा। उन्होंने राजस्थान मॉडल केन्द्र में अपनाने की मांग उठाई। इस अवसर पर उपस्थित युवाओं, समाज के प्रबुद्धजनों और विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने ईडब्ल्यूएस वर्ग के हितों की रक्षा के लिए पात्रता प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और व्यवहारिक बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में राजपूत समाज के अध्यक्ष कुबेर सिंह, जिला उपाध्यक्ष माधोसिंह, दशरथ सिंह, तहसील अध्यक्ष सुरजीत सिंह चवंड़ेड़ा, वैश्य महासम्मेलन दौसा के जिलाध्यक्ष मनोहरलाल गुप्ता, देवेंद्र शर्मा, वैश्य समाज अध्यक्ष मुरारीलाल धोकरिया, नरेंद्र जैमन, घनश्याम शर्मा, वैद्य लक्ष्मीकांत सहित कई मौजूद रहे।

सामाजिक एकता मंच के प्रमुख शक्ति सिंह बांदीकुई ने क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर राजपूत समाज के लोगों के साथ बैठकें आयोजित कीं। अलीपुरा, डोब, लाहड़ी का बास सहित विभिन्न गांवों में आयोजित बैठकों में उन्होंने कहा कि पूर्वी राजस्थान में क्षत्रिय समाज की लगातार हो रही राजनीतिक उपेक्षा किसी भी राजनीतिक दल के लिए उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि आगामी पंचायतराज एवं स्थानीय निकाय चुनावों में संविधान प्रदत्त समानता के अधिकार के अनुरूप आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया जाए तथा क्षत्रिय समाज को उसकी जनसंख्या और सामाजिक प्रभाव के अनुरूप उचित प्रतिनिधित्व मिले।

5 प्रसूताओं की मौत मामले में एक्शन

मेडिकल कॉलेज में इंजेक्शन सप्लायर कंपनी पर गिरी गाज, लाइसेंस निरस्त

कोटा, 25 जून (एजेंसियां)। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन सप्लाई मामले में आखिरकार इंजेक्शन सप्लायर्स कंपनी पर गाज गिर गई। औषधि नियंत्रण संगठन ने इंजेक्शन सप्लाई करने वाली मेडिकल फर्म मैसर्स राजस्थान मेडिकल हॉल का औषधि अनुज्ञापन (ड्रग लाइसेंस) निरस्त कर दिया। गौरतलब है कि कोटा मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में 3 मई को 12 प्रसूताओं की सिजेरियन डिलीवरी के बाद अचानक तबीयत खराब हो गई थी। इसमें से पांच की मौत हुई थी, जबकि सात प्रसूताओं की किडनी फेल हो गई थी। उसके बाद औषधि नियंत्रक संगठन ने अस्पताल से दवा के सैंपल लिए थे। इलाज में उपयोग लिए गए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की जांच में गंभीर अनियमितता सामने आई थी। दवा जांच में पाया गया कि संबंधित इंजेक्शन में निर्धारित सक्रिय तत्व ऑक्सीटोसिन मौजूद नहीं था। जांच रिपोर्ट आने के बावजूद लंबे समय तक संबंधित ठेका फर्म के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सहायक औषधि नियंत्रक अधिकारी देवेन्द्र गर्ग ने बताया कि औषधि नियंत्रण अधिकारियों के निरीक्षण में फर्म के संचालन में कई गंभीर खामियां सामने आईं। जांच में पाया गया कि निरीक्षण पुस्तिका संधारित नहीं की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान फर्म पर कार्यरत योग्य व्यक्ति शादाब खान गैरमौजूद मिला। उसकी गैरमौजूदगी में फर्म मालिक महेश मित्तल द्वारा समस्त प्रकार की औषधियों का विक्रय किया जाना पाया गया। इस पर उनका जवाब भी संतोषजनक नहीं पाया गया। अब मेडिकल कॉलेज प्रशासन स्तर पर भी फर्म के खिलाफ कार्रवाई का इंतजार है।

एक ही परिवार के लापता 4 बच्चे अयोध्या में सुरक्षित मिले

रामलला के दर्शन की चाह में छोड़ा था घर

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। जयपुर के मुहाना इलाके से एक ही परिवार के लापता हुए 4 मासूम बच्चों के के रहस्य का पुलिस ने पटाक्षेप कर दिया है। बीते मंगलवार को ट्यूशन से घर लौटने के बाद दोपहर में चारों नाबालिग भाई-बहन बिना बताए घर से निकल गए थे। लापता बच्चों में 13 साल की लड़की, उसकी 9 साल की बहन और उनके चचेरे भाई की 11 साल की बेटी व 8 साल का बेटा शामिल थे। देर शाम तक जब बच्चे घर वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। परिजनों ने मुहाना थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिस पर पुलिस को बच्चों को तलाशने में सफलता मिल गई है। अयोध्या में बच्चों के सकुशल मिलने की खबर मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली है। वहीं थाना पुलिस की एक टीम अब बच्चों को अयोध्या से जयपुर वापस लाने के लिए रवाना हो गइ है।

4 बच्चे अयोध्या में सुरक्षित

मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी गुर भूपेंद्र ने तुरंत अलग-अलग टीमें गठित कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस ने मालपुरा गेट बस स्टैंड, स्थानीय बाजारों और सार्वजनिक स्थानों के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फुटेज में चारों बच्चे एक साथ मालपुरा गेट की ओर जाते दिखाई दिए। एक जगह वे चूड़ी की दुकान पर रुककर चूड़ियां देखते नजर आए।

जबकि दूसरी फुटेज में वे एक ई-रिक्शा के पास खड़े दिखे। पुलिस ने उस क्षेत्र के कई ई-रिक्शा चालकों से पूछताछ की, जिससे बच्चों के आगे बढ़ने के रूट का पता चला। बच्चों के पास मोबाइल न होने के कारण पुलिस को उनकी सटीक लोकेशन ढूंढने में परेशानी हुई।

पुलिस की कड़ी मशक्कत और जांच आखिर में रंग लाई। मिली जानकारी के अनुसार चारों मासूमों के मन में अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने और भव्य राम मंदिर देखने की इच्छा थी। इसी के चलते चारों बच्चे घर से बिना बताए ट्रेन पकड़कर निकल पड़े। सुल्तानपुर और कुशीनगर जाने वाली ट्रेनों के बदले हुए रूट के बीच सफर करते हुए बच्चे सीधे अयोध्या पहुंच गए।

मुहाना पुलिस के अनुसार चारों बच्चों को अयोध्या में पूरी तरह सुरक्षित ढूंढ लिया गया है। बच्चों के सकुशल मिलने की खबर मिलते ही रो-रोकर बुरा हाल कर चुके परिजनों और पुलिस टीम ने राहत की सांस ली है। पुलिस टीम परिजनों के साथ बच्चों को वापस जयपुर लाने के लिए रवाना हो चुकी है।

नकली घी कारोबार का भंडाफोड

छापे में 900 किलो पाम ऑयल और 453 किलो घी बरामद

जैसलमेर, 25 जून (एजेंसियां)। सरहदी जिले का परमाणु नगरी पोकरण क्षेत्र मिलावटखोरों और नकली घी का हब बनता जा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से एक महीने में लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की जयपुर से विशेष टीम गत 24 मई की रात पोकरण पहुंची थी। इस दौरान टीम ने 10,260 किलो मिलावटी घी, पाम ऑयल, सोयाबीन तेल, वनस्पति और चार हजार किलो मिलावटी घी जब्त किया था। बता दें कि अब मंगलवार की रात जैसलमेर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने एक मकान में दबिश देकर घी के नमूने लिए। इस दौरान मकान में नकली घी की फैक्ट्री मिली। यहां पाम ऑयल से नकली घी बनाया जा रहा था। एक महीने में ही नकली घी के विरुद्ध लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी किशनाराम कड़वासरा के नेतृत्व में टीम मंगलवार शाम पोकरण पहुंची और भवानीपुरा में स्थित एक मकान में दबिश दी। यहां देर रात तक कार्रवाई चली। इस दौरान मकान में घी की अवैध फैक्ट्री चलती दिखी। टीम ने पोकरण पुलिस के सहयोग से नकली घी की फैक्ट्री से 900 किलो पाम ऑयल और 453 किलो घी बरामद किया। साथ ही यहां विभिन्न ब्रांड के लेबल, खाली टिन, पैकिंग सामग्री, ढक्कन, गैस टंकियां, भट्ठी और पैकिंग मशीन जब्त की गई। गत महीने कस्बे में मिली फैक्ट्री में भी विभिन्न बड़े ब्रांड के नाम से नकली घी तैयार किया जा रहा था। मंगलवार रात भी मिली फैक्ट्री में शक्ति, डेयरी बैस्ट सहित अन्य ब्रांड के नाम के लेबल, टिन व डिब्बे मिले हैं, जिनमें नकली घी भरकर बाजार में आपूर्ति किया जा रहा था।

'पति, पत्नी और वो' का जयपुर की सड़क पर लाइव दंगल

महिला ने रंगे हाथों पकड़कर कर दी दोनों की कुटाई

पत्नी ने बीच सड़क पति और उसकी महिला मित्र को पीटा

जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)। जयपुर की सड़कों पर एक और हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला है। यह ड्रामा पति-पत्नी और वो की वजह से हुआ। दरअसल एक पत्नी ने अपने पति को किसी दूसरी लड़की के साथ पकड़ लिया। पति अपनी महिला मित्र के साथ बाइक से जा रहा था तो पत्नी ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया और फिर सड़क पर ही ड्रामा शुरू हो गया।

पति और पत्नी के बीच कई महीनों से विवाद चल रहा था। इसकी वजह यह थी कि पति का किसी और के साथ अफेयर चल रहा था। पत्नी ने पति को रंगे हाथों पकड़ने का प्लान बनाया और वह चोरी छिपे उसका पीछा करने लगी। एक दिन पहले पत्नी ने अपने पति को उसकी महिला मित्र के साथ पकड़ लिया। फिर क्या था। पत्नी ने पति की बाइक रुकवाई। हेलमेट उतरवाया और फिर धुनाई शुरू कर दी। महिला ने अपने पति को खूब चांटे मारे जिसका वीडियो भी सामने आया।

पति को महिला मित्र के साथ पकड़ने वाली युवती ने अपने पति की प्रेमिका की भी पिटाई कर दी। दोनों बाइक पर जाते हुए पकड़े गए थे। पत्नी ने बाइक रुकवाई तो पति की महिला मित्र तुरंत नीचे उतर गई। इसके बाद युवती ने यानी पत्नी ने सबसे पहले पति की महिला मित्र का गिरेबान पकड़ा और पिटाई शुरू कर दी।

मौके पर आए लोगों ने दोनों महिलाओं को अलग-अलग करने की कोशिश की।

जब लोगों को असली माजरा पता चला तो वे बोले कि पूरी गलती तो आपके पति की है। जिसकी गलती है, उसका इलाज करो।

युवती ने पति की महिला मित्र को भी पीटा। पत्नी बोली स लड़की ने पति को जाल में फंसा कर मेरा घर बर्बाद कर दिया है।

नशे की दवा के कोडवर्ड में 'हरा तोता' और 'नीला फोर्ड' रखे नाम, प्रशासन ने कसा शिकंजा

नशे की दवा की अवैध बिक्री पर शिकंजा

श्रीगंगानगर, 25 जून (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए जिला प्रशासन ने उन दवाइयों की खुली और अनियंत्रित बिक्री पर रोक लगा दी है, जिनका इस्तेमाल इन दिनों नशे के रूप में किया जा रहा है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर प्रीगाबलिन, टापेंटाडोल और जोपिक्लोन साल्ट आधारित दवाइयों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से सख्त नियंत्रण लागू कर दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से पूरे श्रीगंगानगर जिले में लागू हो गया है और अगले दो माह तक प्रभावी रहेगा।

श्रीगंगानगर जिला प्रशासन ने जिन दवाओं की बिक्री पर शिकंजा कसा गया है, वे एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रतिबंधित मादक पदार्थों की श्रेणी में भले न आती हों, लेकिन जिले में इनका दुरुपयोग तेजी से बढ़ा है। नशे की दुनिया की कूट भाषा में इन्हें 'सिग्नेचर', 'जॉडियर', 'हरा तोता', 'संतरी', 'हरे कैप्सूल' और 'नीला फोर्ड' जैसे नामों से जाना जा रहा है। अभी तक बाजार में नशीली दवा की धड़ल्ले से बिक्री होने की शिकायतें जिला प्रशासन को मिल रही थी। यही वजह है कि लोकहित और नवयुवकों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने इन पर सख्त निगरानी का फैसला लिया है। आदेश के तहत 75 मिलीग्राम से अधिक प्रीगाबलिन, टापेंटाडोल और जोपिक्लोन युक्त दवाइयों का क्रय-विक्रय बिना बिल नहीं किया जा सकेगा। खुदरा विक्रेता इन दवाओं की बिक्री केवल चिकित्सक की मूल पर्ची पर करेंगे और उस पर अपनी मुहर व दिनांक अंकित करना अनिवार्य होगा। वहीं थोक विक्रेताओं को इन दवाइयों का बैच नंबर सहित दैनिक स्टॉक रजिस्टर रखना होगा और उसकी साप्ताहिक रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक व प्रशासन को भेजनी होगी। डॉक्टर की पर्ची के बिना दवा बिक्री पर दवा स्टोर संचालक के खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करेगा।

तेलंगाना सरकार और पीएनबी का समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रवीन्द्र भारती भवन में तेलंगाना सरकार के वित्त विभाग द्वारा राज्य सरकार के कर्मचारियों को वेतन खाता एवं उससे जुड़ी अन्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से तेलंगाना सरकार एवं सहभागी बैंक के रूप में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

बैंक द्वारा वेतन खातों के माध्यम से ग्राहकों को 3 करोड़ तक का नि:शुल्क दुर्घटना बीमा, सावधि बीमा, रियायती दर पर ऋण सुविधा जैसे महत्वपूर्ण लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एवं उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु की गरिमामय उपस्थिति तथा राज्य मंत्रिमंडल के अनेक वरिष्ठ मंत्री, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही पीएनबी के तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश प्रमुख श्रीमती वन्दना पाण्डेय, अंचल प्रबन्धक एवं महाप्रबंधक द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर अरविंद

कालरा, मंडल प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक, हैदराबाद मंडल तथा सुजीत कुमार झा, मंडल प्रमुख एवं उप-महाप्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैंक की ओर से समारोह में मनीष कुमार सिंह, सहायक महाप्रबंधक एवं सीएसी प्रमुख, हैदराबाद तथा रमेश लंकापल्ली, वरिष्ठ प्रबंधक, सरकारी व्यवसाय प्रकोष्ठ, सीएसी, हैदराबाद ने भी सहभागिता की।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना राज्य सरकार के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को व्यापक वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के इस महत्वपूर्ण पहल में पीएनबी की सक्रिय भूमिका रही है। बैंक ने कर्मचारी हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। बैंक ने इससे पूर्व सिंगरेनी कोलियरीज़ के साथ वेतन खातों के संचालन हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) कर चुका है।

बैंक द्वारा सिंगरेनी के कर्मचारियों को वेतन खाता एवं अन्य सुविधाओं के माध्यम से विभिन्न बीमा लाभ उपलब्ध कराकर उनके सामाजिक एवं वित्तीय सुरक्षा कवच को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।इस अवसर पर अंचल प्रबन्धक श्रीमती वंदना पाण्डेय ने कहा कि बीते 132 वर्ष से पंजाब नैशनल बैंक ग्राहक-केंद्रित सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तथा जन-कल्याणकारी पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध रहा है। बैंक राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता एवं उससे जुड़ी अन्य सेवाओं के माध्यम से न केवल उन्हें वित्तीय संरक्षण प्रदान करेगा, बल्कि बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं की पहुंच को भी और अधिक सुदृढ़ करेगा।

एसएससी सप्लीमेंट्री परीक्षा में 82.61 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

कुल पास प्रतिशत 98.75 पहुंचा

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूल शिक्षा विभाग ने गुरुवार को एसएससी पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा-2026 के परिणाम घोषित कर दिए। जारी परिणामों के अनुसार परीक्षा में शामिल हुए 27,857 विद्यार्थियों में से 82.61 प्रतिशत सफल रहे। सप्लीमेंट्री परीक्षा के परिणाम आने के साथ ही इस वर्ष कक्षा 10 का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़कर 98.75 प्रतिशत हो गया है। परिणामों के अनुसार लड़कियों ने एक बार फिर लड़कों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। परीक्षा में शामिल हुए 17,568 लड़कों में से 81.29 प्रतिशत विद्यार्थी सफल रहे, जबकि 10,289 लड़कियों में से 84.87 प्रतिशत ने परीक्षा उत्तीर्ण की। विभाग के अधिकारियों ने छात्राओं के बेहतर प्रदर्शन को उत्साहजनक बताया है।

जिलावार प्रदर्शन में जयशंकर भूपालपल्ली, सिद्दिपेट और मुलुगु जिले संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर रहे। इन तीनों जिलों ने 100 प्रतिशत उत्तीर्णता दर्ज की।

694 खाली दुकानों और व्यावसायिक इकाइयों को पट्टे पर देगा टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गैर-किराया राजस्व बढ़ाने और नए व्यावसायिक अवसरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने राज्यभर के बस स्टेशनों और आरटीसी के वाणिज्यिक परिसरों में स्थित खाली व्यावसायिक स्थानों को पट्टे पर देने का निर्णय लिया है।

निगम ने विभिन्न शहरों, कस्बों और डिपो परिसरों में कुल 694 खाली दुकानों एवं व्यावसायिक इकाइयों की पहचान की है और इनके आवंटन के लिए जल्द ही निविदाएं आमंत्रित की जाएंगी। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य उद्यमियों, खुदरा व्यापारियों और स्थापित व्यावसायिक संस्थानों को आकर्षित करना है, जो अपने कारोबार का विस्तार अधिक भीड़भाड़ वाले और संभावनाओं से भरपूर स्थानों पर करना चाहते हैं। निगम का मानना है कि बस स्टेशनों और व्यावसायिक परिसरों में उपलब्ध स्थान व्यापारिक गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्यभर के बस स्टेशनों और आरटीसी परिसरों में प्रतिदिन लाखों यात्रियों का आवागमन होता है। यात्रियों की यह निरंतर आवाजाही इन स्थानों को व्यापारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण बनाती है। ऐसे में यहां संचालित होने वाले प्रतिष्ठानों को बड़ी संख्या में संभावित ग्राहक मिलने की संभावना रहती है। निगम का मानना है कि रेस्तरां, फूड कोर्ट, सुपरमार्केट, ब्रांडेड शोरूम, मोबाइल स्टोर, दवा दुकानें तथा अन्य खुदरा प्रतिष्ठान इन स्थानों का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं। यात्रियों और स्थानीय लोगों की नियमित उपस्थिति के कारण इन व्यावसायिक इकाइयों के लिए बेहतर आय और ग्राहक आधार विकसित होने की उम्मीद है। संभावित निवेशकों और किरायेदारों की सुविधा के लिए टीजीएसआरटीसी ने अपनी व्यावसायिक संपत्तियों का पूरा विवरण अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया है। इच्छुक व्यक्ति वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध दुकानों और वाणिज्यिक इकाइयों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए डेटाबेस में प्रत्येक व्यावसायिक इकाई का स्थान, वर्तमान अधिभोग स्थिति, पट्टे की अवधि, किराये की दरें तथा मौजूदा किरायेदारों से संबंधित जानकारी शामिल की गई है। निगम का कहना है कि इस पारदर्शी व्यवस्था से इच्छुक व्यवसायियों को उपयुक्त स्थान चुनने और निवेश संबंधी निर्णय लेने में आसानी होगी।

टीजीएसआरटीसी को उम्मीद है कि इस पहल से निगम की आय में वृद्धि होगी और साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसके बाद चयनित आवेदकों को निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार व्यावसायिक स्थान आवंटित किए जाएंगे।

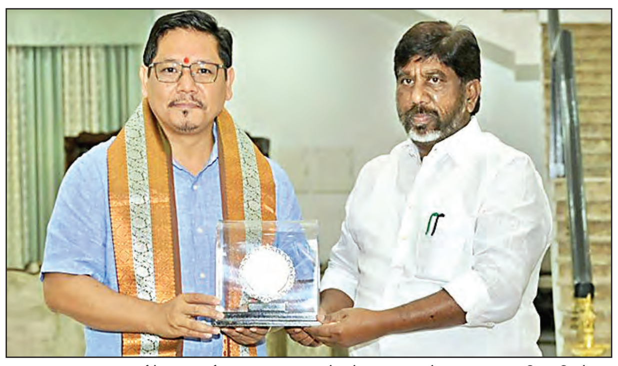

आधिकारिक दौरे पर हैदराबाद पहुंचे मेघालय के मुख्यमंत्री सी.के. संगमा ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का से शिष्टाचार भेंट की। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का ने महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन पहुंचने पर मेघालय के मुख्यमंत्री संगमा का सम्मान किया।

फ्लैट दिलाने के नाम पर 100 परिवारों से ठगी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल पुलिस ने राज्य सरकार की दो बेडरूम आवास योजना के तहत मकान आवंटित कराने का झांसा देकर करीब 100 आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से कथित तौर पर ठगी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर फर्जी आवंटन प्रमाण पत्र जारी कर लोगों से लाखों रुपये वसूलने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टी. गोपीनाथ पुष्पलता, उनके बेटे टी. गोपीनाथ विशाल तथा महेंद्र सिंह के रूप में हुई है। महेंद्र सिंह त्रिमुलघेरी क्षेत्र में एक फोटोकॉपी सेंटर संचालित करता है। पुलिस के अनुसार, इन तीनों ने मिलकर जाली आवंटन दस्तावेज तैयार करने और उनकी छपाई करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अर्बन चैलेंज फंड के प्रभावी उपयोग के लिए क्षमता निर्माण जरूरी : सांसद चामला

नई दिल्ली/ हैदराबाद 25 जून (स्वतंत्र वार्ता) । भुवनगिरी के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) की तकनीकी और वित्तीय क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अर्बन चैलेंज फंड का पूरा लाभ उठाने के लिए नगर निकायों को विशेष प्रशिक्षण और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

सांसद ने आज संसद की आवास एवं शहरी कार्य संबंधी स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया। बैठक में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्रीनिवास कातिकीथला, अतिरिक्त सचिव डी. थारा तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों तथा शहरी निकायों में परिवर्तित हो रही ग्राम पंचायतों की आवश्यकताओं पर विस्तार से

चर्चा की गई। सांसद ने कहा कि आने वाले वर्षों में तेलंगाना लगभग 50 प्रतिशत शहरीकृत राज्य बनने की ओर बढ़ रहा है, इसलिए शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये के अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत सिटीज़ ऐज ग्रोथ हब्स, क्रिएटिव रीडेवलपमेंट ऑफ सिटीज़ तथा "जल एवं स्वच्छता से जुड़े परियोजनाओं को सहायता दी जाएगी। इस योजना में परियोजना लागत का 25 प्रतिशत तक केंद्र द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा, जबकि शेष राशि नगर निगम बॉन्ड, बैंक ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से जुटाई जाएगी। चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि देश की लगभग चार प्रतिशत शहरी आबादी वाले तेलंगाना को इस योजना के तहत लगभग 3,375 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता मिलने की संभावना है, जबकि कुल आवंटन 3,600 से 4,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इन निधियों का पूरा लाभ उठाने के लिए राज्य को 13,500 करोड़ से 16,000 करोड़ रुपये तक की व्यवहार्य (बैंकेबल) परियोजनाएं तैयार करनी होंगी। उन्होंने बताया कि तेलंगाना को पहले ही ग्रेटर वारंगल, खम्मम और करीमनगर शहरों की 5,681 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए 1,420 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता स्वीकृत हो चुकी है। इसके अलावा राज्य ने टियर-3 शहरों के लिए 7,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का प्रस्ताव भी तैयार किया है और कई अन्य प्रस्ताव प्रक्रिया में हैं। बैठक के दौरान सांसद ने नगर निकायों के समक्ष मौजूद एक प्रमुख चुनौती की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अधिकांश शहरी स्थानीय निकायों में व्यवहार्य परियोजनाएं तैयार करने, विभिन्न वित्तीय स्रोतों तक पहुंच बनाने और कम ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने संबंधी तकनीकी जानकारी और विशेषज्ञता का अभाव है।

आवासीय कॉलेज से इंटर की छात्रा लापता

> दीवार फांदकर निकलने का संदेह

कुमराम भीम आसिफाबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के रेब्बेना मंडल मुख्यालय स्थित सामाजिक कल्याण आवासीय बालिका महाविद्यालय से इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की एक छात्रा के लापता होने का मामला सामने आया है। छात्रा के अचानक गायब हो जाने से कॉलेज प्रशासन और उसके परिजन चिंतित हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, लापता छात्रा बेज्जूर मंडल के मर्थीडी गांव की रहने वाली है और सामाजिक कल्याण आवासीय बालिका महाविद्यालय में इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। हाल ही में वह अवकाश के बाद वापस कॉलेज लौटी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्रा गुरुवार तड़के कॉलेज परिसर से बाहर निकल गई। कॉलेज में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच करने पर पता चला कि सुबह करीब 4:30 बजे छात्रा ने परिसर की दीवार फांदकर बाहर जाने का प्रयास किया और उसके बाद वह दिखाई नहीं दी। छात्रा के कॉलेज से गायब होने की जानकारी मिलते ही कॉलेज प्रशासन ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। शाम तक छात्रा का कोई सुराग नहीं मिलने पर चिंता और बढ़ गई।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य ने घटना की सूचना पुलिस को दी और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्रा के संभावित ठिकानों और परिचितों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

सामूहिक प्रयासों से ही मादक पदार्थों का उन्मूलन संभव : डॉ. किरणमयी

> नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मादक पदार्थों के उन्मूलन के लिए समाज के सभी वर्गों के सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। रंगारेड्डी जिले की अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. किरणमयी ने एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सम्मेलन कक्ष में जिला कल्याण विभाग द्वारा आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। अपने संबोधन में डॉ. किरणमयी ने कहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश के भविष्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए माता-पिता, शिक्षक और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की सही जानकारी मिल सके। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने यह भी कहा कि नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री या तस्करी की जानकारी मिलने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करना प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि सरकार, गैर-सरकारी संगठन, शैक्षणिक संस्थान और आम जनता सभी को मिलकर नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नशा मुक्त भारत ही विकासशील भारत की मजबूत नींव है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सभी प्रतिभागियों को नशा उन्मूलन की शपथ दिलाई, जिसमें नशामुक्त जीवन अपनाने और नशा तस्करी की जानकारी अधिकारियों को देने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी अनंत रेड्डी, जिला कल्याण विभाग एवं ग्रामीण विकास अधिकारी श्रीलता, कलेक्टर कार्यालय एओ सुनील सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कैश वैन से 17 लाख रुपये लेकर फरार हुआ चालक

> बेटों के साथ मिलकर रची थी साजिश

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईएस सदन क्षेत्र में एटीएम में नकदी जमा करने वाली कैश वैन से 17 लाख रुपये लेकर फरार होने के मामले में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। आरोप है कि कैश वैन के चालक श्रीनिवास ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर इस चोरी की साजिश कई महीने पहले ही रच ली थी और अवसर मिलने का इंतजार कर रहा था। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा आरोपियों की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, जगतियाल जिले का निवासी श्रीनिवास कुछ महीने पहले ही संबंधित कंपनी में चालक के रूप में नियुक्त हुआ था। जांच में सामने आया है कि उसने नौकरी मिलने के बाद से ही नकदी लूटने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन उसने अपने बड़े बेटे को मोटरसाइकिल से कैश वैन का पीछा करने के लिए पहले से ही निर्देश दे रखा था। पुलिस के अनुसार, जब एटीएम में नकदी जमा करने के लिए कर्मचारी वाहन से उतरकर अंदर गए, उसी दौरान श्रीनिवास ने कथित रूप से 17 लाख रुपये से भरा बैग उठाया और बाहर इंतजार कर रहे अपने बड़े बेटे की मोटरसाइकिल पर बैठकर वहां से फरार हो गया। कुछ देर बाद जब कर्मचारी वापस लौटे तो उन्होंने पाया कि चालक और नकदी से भरा बैग दोनों गायब हैं। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

कैश कस्टोडियन सुरेश की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों को पकड़ने के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें यह पुष्टि हुई कि चालक अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल पर भागा था। जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी उप्पुगुडा पहुंचे, जहां श्रीनिवास का छोटा बेटा भी उनसे आ मिला। पुलिस को संदेह है कि चोरी की गई रकम का एक हिस्सा छोटे बेटे को सौंपा गया और इसके बाद उसे वहां से भेज दिया गया। इसके बाद श्रीनिवास और उसका बड़ा बेटा एक निजी टैक्सी किराए पर लेकर शमशाबाद के पास आउटर रिंग रोड की दिशा में फरार हो गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी की गई राशि की बरामदगी के लिए लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को क्वीयर्ड सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की कैश वैन शहर के विभिन्न एटीएम केंद्रों में लगभग 30 लाख रुपये जमा करने के लिए निकली थी। वाहन में चालक श्रीनिवास के अलावा कैश कस्टोडियन सुरेश और पपय्या तथा गनमैन नबी साहब मौजूद थे। टीम ने छह एटीएम केंद्रों पर सफलतापूर्वक नकदी जमा करने के बाद आईएस सदन स्थित एसबीआई एटीएम का रुख किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

राम मंदिर चढ़ावा ...

अब संभावना जताई जा रही है कि टीम शुक्रवार को फिर अयोध्या पहुंचकर जांच की अगली कार्रवाई शुरू कर सकती है। सूत्रों के अनुसार एसआईटी की टीम बीते शनिवार की रात अब तक जुटाए गए तथ्यों और प्रारंभिक रिपोर्ट के साथ लखनऊ लौट गई थी। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपे जाने के बाद आगे की जांच की रणनीति तैयार की जा रही है। हालांकि एसआईटी से जुड़े कुछ कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ अयोध्या में ही मौजूद हैं तथा आवश्यक दस्तावेजों और सूचनाओं का संकलन जारी है।

बृहस्पतिवार को पूरे दिन राम जन्मभूमि परिसर, प्रशासनिक कार्यालयों और संत समाज के बीच यह चर्चा बनी रही कि एसआईटी कभी भी अयोध्या पहुंच सकती है। कई लोगों की नजरें संभावित पूछताछ और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी रहीं। आरोप लगाने वाले पक्षों और मामले से जुड़े कुछ लोगों में भी टीम के आगमन को लेकर उत्सुकता देखी गई।

अकाउंट सिस्टम की भी पड़ताल करेगी एसआईटी :

जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि एसआईटी अब तक प्राप्त शिकायतों, वीडियो साक्ष्यों, दस्तावेजों और दान व्यवस्था से संबंधित अभिलेखों का मिलान कर रही है। इसके बाद जरूरत पड़ने पर आरोप लगाने वालों, गणना प्रक्रिया से जुड़े लोगों तथा अन्य संबंधित पक्षों से दोबारा पूछताछ की जा सकती है। एसआईटी अब जांच के क्रम में राम मंदिर ट्रस्ट के अकाउंट सिस्टम की भी पड़ताल करेगी। राम मंदिर के आय-व्यय का विवरण कितना मौजूद है, यह देखने की कोशिश होगी। साथ ही जमीन खरीद से संबंधित पत्रावलियों व संबंधित लोगों से पूछताछ की जाएगी।

सरकार ने कहा ...

राष्ट्रीयता आपकी पहचान होती है। नागरिकता आपके अधिकार और जिम्मेदारियां तय करती है।

सरकार ने पासपोर्ट की संख्या को लेकर क्या कहा है :

मंत्रालय ने बताया कि पिछले एक दशक में पासपोर्ट सेवा केंद्र और संबंधित सुविधाओं की संख्या 77 से बढ़कर 545 हो गई है। 2025 में शुरू हुए चिप आधारित ई-पासपोर्ट की अब तक 1.47 करोड़ प्रतियां जारी की जा चुकी हैं। आवेदन निपटाने का औसत समय घटकर 5-6 दिन रह गया है। 2019 के 16 देशों के मुकाबले अब 27 देश भारतीयों को वीजा-फ्री प्रवेश देते हैं।

क्या भारतीय नागरिकता साबित करने वाला कोई एक दस्तावेज है

नहीं। भारत कोई ऐसा एक दस्तावेज जारी नहीं करता है जो सभी नागरिकों के लिए नागरिकता का अंतिम प्रमाण माना जाए। नागरिकता इस बात पर तय होती है कि इसे कैसे हासिल किया गया और नागरिकता कानून के तहत कौन से रिकॉर्ड मौजूद हैं।

पहचान पत्र अपने आप नागरिकता साबित क्यों नहीं करते

आधार, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज खास कामों के लिए जारी किए जाते हैं, जैसे पहचान की जांच, चुनाव में रजिस्ट्रेशन या गाड़ी चलाने की अनुमति। इन्हें नागरिकता तय करने के लिए नहीं बनाया गया है, इसलिए इन्हें अपने आप में नागरिकता का पक्का सबूत नहीं माना जाता है।

विदेश मंत्रालय ने क्यों कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का सबूत नहीं है

विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है, जो विदेश में धारक की राष्ट्रीयता को दर्शाता है। कानूनी रूप से नागरिकता 'नागरिकता कानून' के तहत तय होती है, जबकि पासपोर्ट 'पासपोर्ट कानून' के तहत जारी होता है और यह हर परिस्थिति में अपने आप में नागरिकता का अंतिम सबूत नहीं होता है।

थाईलैंड में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुरेश भायल का स्वागत

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित आईमाता जी बडेर में थाईलैंड में आयोजित वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश, समाज का गौरव बढ़ाने वाले सुरेश भायल का हैदराबाद आगमन पर सीरवी समाज जीडिमेटला द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आयोजित समारोह में सीरवी समाज जीडिमेटला बडेर संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार, रतनाराम भायल, उदाराम काग, भुण्डाराम बर्फा, जयरामलाल परिहार, सोहनलाल हाम्बड़, मोहनलाल काग, मुलाराम पंवार, चन्द्रप्रकाश बर्फा, राजुराम लचेटा, युवा, मातृशक्ति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने सुरेश भायल का माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया।

निलंबित तहसीलदार की 5.05 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने मेडचल-मलकाजगिरि जिले के शमीरपेट मंडल की निलंबित तहसीलदार और संयुक्त उप-पंजीयक तुम्मकोम्मा सुचरिता के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है।

एसीबी का आरोप है कि उन्होंने अपनी सेवा के दौरान भ्रष्टाचार और संदिग्ध तरीकों से अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। उसके आवास और रिश्तेदारों, बेनामी लोगों और सहयोगियों से जुड़े तीन अन्य स्थानों पर तलाशी के दौरान 5.05 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद हुई। इस संपत्ति में 2 एकड़ 17 गुंटा कृषि भूमि भी शामिल है। सिद्दिपेट जिले में तीन फ्लैट, हैदराबाद में तीन फ्लैट, कीसारा और खानमेट में दो प्लॉट, लगभग 12 लाख रुपये नकद, 38 लाख रुपये की बैंक जमा राशि, 1.20 करोड़ रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण, और दो कारें-एक फॉक्सवैगन और एक हुंडई क्रेटा।

अधिकारियों ने बताया कि अचल संपत्तियों का बाजार मूल्य दस्तावेजी मूल्य से काफी अधिक होने की संभावना है। संपत्तियों का आगे सत्यापन जारी है। इससे पहले, इस अधिकारी को एक अलग रिश्वत मामले में कथित तौर पर 30 लाख रुपये की मांग करने और आंशिक भुगतान के रूप में 2 लाख रुपये स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जांच जारी रहने तक वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप

वंशिका और शिवा ने जीता रजत पदक

16 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर भारत

सुल (जर्मनी), 25 जून (एजेंसियां)। भारत ने जर्मनी के सुहल में आयोजित हो रही आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। भारतीय निशानेबाजों ने प्रतियोगिता के 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित (मिक्सड) टीम जूनियर इवेंट में रजत पदक अपने नाम किया। इस नए पदक के जुड़ने के साथ ही चैंपियनशिप में भारत के कुल पदकों की संख्या 16 हो गई है और भारतीय टीम पदक तालिका में पहले स्थान पर मजबूती से काबिज है।

प्रतियोगिता में वंशिका चौधरी और शिवा नरवाल की भारतीय जोड़ी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए देश को रजत पदक दिलाया। इस पदक की बदौलत भारत के कुल पदकों की संख्या अब 16 (5 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य) पर पहुंच गई है। आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के व्यक्तिगत, टीम और मिश्रित टीम इवेंट्स में अपने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम अंक तालिका में नंबर-1 के स्थान पर बरकरार है। इससे पहले बीते मंगलवार को, शिवा नरवाल ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेन जूनियर व्यक्तिगत इवेंट में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के लिए रजत पदक जीता था। इसी स्पर्धा में भारत के युग प्रताप सिंह राठौर ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया था। भारतीय निशानेबाजों का जलवा यहीं नहीं रुका, भारत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मेन जूनियर टीम इवेंट में भी एक और रजत पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में शिवा नरवाल, संदीप बिश्नोई और चिराग शर्मा की तिकड़ी ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और पोडियम पर फिनिश करने में कामयाबी हासिल की।

शिवा और वंशिका

भारतीय अभियान को चैंपियनशिप में तब एक बड़ी कामयाबी और मजबूती मिली, जब प्रीतम केंद्रे ने 10 मीटर एयर राइफल मेन जूनियर इवेंट में अचूक निशाना साधते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। प्रीतम के इस शानदार प्रदर्शन से देश को इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का पांचवां स्वर्ण पदक हासिल हुआ।

इसके अतिरिक्त, भारत ने 25 मीटर पिस्टल विमेन जूनियर टीम इवेंट में भी सफलता का स्वाद चखा। यहां अंजलि महेंद्र भागवत, परिशा गुप्ता और निथिला आइवी डार्लिंग प्रवीण क्रिस्टोफर की तिकड़ी की मदद से भारतीय टीम ने कांस्य पदक हासिल करने में सफलता पाई।

आकिब नबी को प्लेइंग 11 में मौका मिलना हुआ पक्का!

इंडिया के लिए खुद को करना होगा साबित

खेल डेस्क, 25 जून (एजेंसियां)। इंडिया ए की टीम ने ट्राई सीरीज का फाइनल मुकाबला जीता. उसके बाद अब इंडिया ए की टीम श्रीलंका ए के साथ 2 अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेलने वाली है. जहां पर भारतीय टीम के चयनकर्ताओं ने रणजी ट्रॉफी में कमाल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका दिया है. जिसके कारण ही इंडिया ए के लिए जम्मू और कश्मीर के मैच विनर तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी मौका मिला है. आकिब नबी को पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच में खेलने का मौका मिलना लगभग तय नजर आ रहा है.

रणजी ट्रॉफी 2025-26 में जम्मू और कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 60 विकेट लिए थे. ऐसे में सभी की उम्मीद थी कि अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र

टेस्ट मैच के लिए जब टीम इंडिया का सिलेक्शन होगा, तो उसमें नबी का नाम जरूर होगा. हालांकि ऐसा नहीं हुआ, उनके बदले चयनकर्ताओं ने गुरनूर बरार को टीम में मौका दिया. बाद में बैकअप के तौर पर आकिब को टीम के साथ जोड़ा गया, लेकिन मुख्य टीम को वो हिस्सा नहीं बने. उनको टीम में नहीं देखने से कई दिग्गज भी नाराज थे.

ऐसे में अब इंडिया ए के लिए 25 जून से गॉल के मैदान पर शुरू हो रहे अनाधिकारिक टेस्ट मैच में श्रीलंका ए के खिलाफ वो खेलते हुए नजर आएंगे. टीम इंडिया को इस साल श्रीलंका के खिलाफ ही 2 टेस्ट मैच खेलने हैं. ऐसे में अगर इंडिया ए के लिए नबी ने कमाल का प्रदर्शन किया, तो उन्हें मुख्य टीम में जगह देना चयनकर्ताओं की मजबूरी ही बन जाएगा. हालांकि उन्हें श्रीलंका के इस विकेट पर कमाल का प्रदर्शन करना होगा. इसके अलावा अगर उन्होंने बल्ले से भी योगदान दे दिया, तो उनकी जगह लगभग पक्की ही हो जाएगी.

श्रीलंका ए के खिलाफ भारत ए की टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष पांडे, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन जगदीशन (विकेटकीपर), अमन मोखाडे, शेख रशीद और जीशान अंसारी.4

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप- इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम

वेस्टइंडीज को 38 रन से हराया, कप्तान हेली मैथ्यूज के विकेट पर विवाद

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वेस्टइंडीज को 38 रन से हराया। मैच में विंडीज कप्तान हेली मैथ्यूज के कैच आउट पर विवाद हुआ।

द लॉर्ड्स स्टेडियम में विंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 186 रन बनाए। 187 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी। अर्धशतक लगाने वाली डैनी व्याट-हॉज प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। एमी जोन्स 1 और सोफिया डंकली 11 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद डैनी व्याट-हॉज ने एलिस कैपसी (26) के साथ इंग्लिश पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। व्याट-हॉज ने 42 गेंद पर 65 रन बनाए।

हॉज के बाद कप्तान हीथर नाइट ने 43 रन बनाकर टीम को 7 विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। इस पारी के साथ व्याट-हॉज टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर बन गई हैं।

187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डिएंड्रा डॉटिन ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन चार्ली डीन ने उन्हें बड़े शॉट के प्रयास में कैच करा दिया। इसके बाद डीन और सोफी एक्लेस्टोन ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर वेस्टइंडीज पर दबाव बनाए रखा।

हालांकि, चिनेल हेनरी और जहजारा क्लैक्सटन ने 5वें विकेट के लिए 63 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की। हेनरी ने नाबाद 51 रन बनाए, लेकिन वेस्टइंडीज 20 ओवर में 5 विकेट

पर 148 रन ही बना सकी और 38 रन से हार गई।

विंडीज की पारी के चौथे ओवर में हेली मैथ्यूज ने लिंसे स्मिथ की गेंद पर कट शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद विकेटकीपर एमी जोन्स के दस्तानों में चली गई। इंग्लिश खिलाड़ियों ने कॉट बिहाइंड की अपील की, लेकिन ऑन-फील्ड अंपायर एन जनानी ने उन्हें नॉटआउट करार दिया।

इंग्लैंड की कप्तान चार्ली डीन ने डीआरएस लिया। थर्ड अंपायर निमाली परेरा ने रीप्ले में देखा कि गेंद बल्ले के बेहद करीब से गुजरी, लेकिन बैट और बॉल में कोई संपर्क नहीं हुआ। हालांकि, अल्ट्राएज में आवाज का संकेत मिला। परेरा ने यह गैप स्वीकार किया, लेकिन अल्ट्राएज के आधार पर ऑन-फील्ड अंपायर का फैसला पलट दिया। मैथ्यूज 14 रन बनाकर आउट हुईं।

आउट होने के बाद मैथ्यूज ने ऑन-फील्ड अंपायर्स से असहमति जताई। उन्होंने हेड कोच शेन डिट्ज के साथ घटना का वीडियो रीप्ले देखा। फिर बाउंड्री पर रिजर्व अंपायर केरिन क्लास्टे से भी चर्चा की। कमेंट्री के दौरान ब्रॉडकास्टर एबोनी रैनफोर्ड-ब्रेंट ने कहा कि स्टंप माइक्रोफोन में उन्हें गेंद के बल्ले से लगने की कोई आवाज सुनाई नहीं दी। मैथ्यूज की 2 बातें...

मैथ्यूज ने मैच के बाद कहा, 'कट शॉट खेलते समय मुझे एक आवाज सुनाई दी थी, लेकिन मुझे लगा कि वह बैट के हैंडल या किसी और चीज की थी। मैंने उसी समय ऑन-फील्ड अंपायर को बता दिया था कि गेंद बल्ले से काफी दूर थी।'

मैथ्यूज ने कहा कि रीप्ले में बल्ले और गेंद के बीच साफ गैप दिख रहा था, लेकिन तीसरे अंपायर को उपलब्ध तकनीक के आधार पर फैसला लेना होता है। अल्ट्राएज में उन्हें आवाज का संकेत मिला, इसलिए आखिरकार मुझे उनके फैसले का सम्मान करना पड़ा।

वैभव सूर्यवंशी को अलग चेंजिंग रूम मिलेगा

परिवार भी होटल में साथ रहेगा, आईसीसी की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण फैसला

लंदन, 25 जून (एजेंसियां)। 15 साल के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर अलग चेंजिंग रूम मिलेगा। ECB के अधिकारी ने ब्रिटिश अखबार द गार्डियन को बताया कि उनकी फैमिली भी टीम होटल में उनके साथ ही रहेगी। हालांकि, वैभव मैचों के दौरान टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ रह सकेंगे। वे टीम मीटिंग्स में हिस्सा भी लेंगे।

यह फैसला आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) की चाइल्ड सेफगार्डिंग पॉलिसी के कारण लिया है, जिसे आईसीसी ने इसे 2019 में लागू किया था। भारत-आयरलैंड टी-20 सीरीज 26 जून से शुरू होगी। इसके बाद 1 जुलाई से टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। जहां 5 टी-20

और 3 वनडे मैच होंगे।

वैभव से पहले इंग्लिश क्लब आर्सेनल के फुटबॉलर मैक्स डोमैन को दिसंबर 2025 में टीम के अन्य खिलाड़ियों से अलग चेंजिंग रूम मिला था। उस वक्त उनकी उम्र 15 साल थी।

अंडर-16 खिलाड़ियों के लिए सेफगार्डिंग पॉलिसी के तहत अलग नियम होते हैं। इसका उद्देश्य नाबालिग खिलाड़ियों को शारीरिक शोषण, मानसिक प्रताड़ना और किसी भी तरह के दुर्व्यवहार से सुरक्षित रखना है। इसके तहत खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ माहौल बनाया जाता है।

खेलों में चाइल्ड सेफगार्डिंग नियम अचानक नहीं बने। सालों तक स्पोर्ट्स अकादमी, ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग सेंटर्स में नाबालिग खिलाड़ियों के साथ यौन शोषण, मानसिक प्रताड़ना के कई मामले सामने आए। इन घटनाओं के बाद फीफा, इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी जैसी संस्थाओं को 'लॉकर रूम बैन' और 'नो 1-ऑन-1' जैसे सख्त नियम बनाने पड़े। बाद में इन नियमों को ICC ने भी स्वीकार किया।

स्टीपलचेज में सुधा सिंह का दबदबा कायम

एशियाई खेलों और एशियन चैंपियनशिप में जीत चुकी हैं कई पदक

नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज स्टीपलचेज एथलीट सुधा सिंह ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में अपने शानदार प्रदर्शन से देश को कई यादगार उपलब्धियां दिलाईं। उन्होंने ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अपनी मेहनत, प्रतिभा तथा दृढ़ संकल्प के दम पर एशियाई खेलों और एशियन चैंपियनशिप में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। सुधा सिंह का जन्म 25 जून 1986 को उत्तर प्रदेश के रायबरेली में हुआ था। उन्होंने वर्ष 2005 से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय तिरंगे का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया था और अपनी एक अलग पहचान बनाई।

सुधा सिंह के करियर की सबसे बड़ी सफलता वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित किए गए एशियाई खेलों में आई। वहां

उन्होंने 9:55.67 मिनट का बेहतरीन समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि यह एशियाई खेलों में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा का पहला आयोजन था और सुधा इस इवेंट की पहली एशियाई चैंपियन बनने का गौरव हासिल करने वाली खिलाड़ी बनीं। इसके बाद उन्होंने अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए 2017 की एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक तथा 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में रजत पदक भी जीता।

वर्ष 2012 में सुधा सिंह ने अपना ही पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए 9:47.70 मिनट का समय निकाला और लंदन ओलंपिक के लिए सफलतापूर्वक क्वालिफाई किया। उन्होंने 2012 (लंदन) और 2016 (रियो) के लगातार दो ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, इन दोनों ही ओलंपिक में वह देश के लिए पदक जीतने में सफल नहीं हो सकीं, लेकिन इस महाकुंभ में उनकी भागीदारी ही भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ी उपलब्धि रही।

सुधा सिंह की शानदार खेल उपलब्धियों पर नजर डालें तो उन्होंने 3,000 मीटर स्टीपलचेज में देश को कई गौरवपूर्ण क्षण दिए हैं।

आईपीएल में किसी ने नहीं खरीदा, कुमार कार्तिकेय हैट्रिक के साथ झटके 6 विकेट, वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटते-टूटते बचा

भोपाल, 25 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग में रॉयल निमार ईगल्स और भोपाल लेपड्र्स के बीच मुकाबला हुआ. इंदौर के होल्कर स्टेडियम पर खेले इस मुकाबले को रॉयल निमार ईगल्स ने 8 विकेट से जीता. उसकी उस जीत में 28 साल के बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय की बड़ी भूमिका रही. जिन्होंने मैच में हैट्रिक के साथ 6 विकेट झटके. कार्तिकेय वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी करने या फिर उसे तोड़ने से तो चूक गए मगर किसी एक टी20 मुकाबले में इतने विकेट लेने वाले वो दूसरे भारतीय गेंदबाज जरूर बन गए हैं. एमपीएल 2026 में करियर बेस्ट प्रदर्शन करने वाले कुमार कार्तिकेय के हाथ आईपीएल 2026 के ऑक्शन में खाली रहे थे. उन्हें किसी ने नहीं खरीदा था.

आईपीएल 2026 के मेगा ऑक्शन में कुमार कार्तिकेय ने अपनी बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखी थी. मगर फिर भी कोई फ्रेंचाइजी उन्हें ये रकम देने को भी तैयार नहीं हुई थी. बाद में सीएसके ने उन्हें अपना नेट बॉलर बनाया. अब मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के मुकाबले में भोपाल लेपड्र्स टीम के खिलाफ उन्होंने ना सिर्फ अपनी असली काबिलियत से रूबरू कराया है बल्कि आईपीएल फ्रेंचाइजियों को भी करारा जवाब दे दिया है.

कुमार कार्तिकेय ने 3 ओवर में 24 रन देकर 6 विकेट लिए. इस दौरान उन्होंने पवन निरवानी, प्रांजुल पूरी और अनुराग मालवीय को लगातार 3 गेंदों पर आउट कर हैट्रिक भी ली. टी20 की एक इनिंग में इतने विकेट लेने वाले दीपक चाहर के बाद वो दूसरे भारतीय हैं. फर्क बस इतना है कि दीपक चाहर को वो कामयाबी इंटरनेशनल टी20 में मिली थी और कार्तिकेय को घरेलू टी20 लीग के मुकाबले में. दीपक चाहर ने बांग्लादेश के खिलाफ 2019 में खेले टी20आई में 3.2 ओवर में 7 रन देकर 6 विकेट लिए थे, जो कि किसी भारतीय का बेस्ट प्रदर्शन है.

कार्तिकेय अगर एक और विकेट चटका देते तो वो मेंस टी20 में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी भी कर सकते थे. टी20 की एक इनिंग में सबसे ज्यादा 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड मलेशिया के स्याजदुल इदरूस के नाम है. उन्होंने चीन के खिलाफ 4 ओवर में 8 रन देकर 7 विकेट चटकाए थे. वहीं किसी घरेलू टी20 मुकाबले में ये रिकॉर्ड नीदरलैंड्स के कॉलिन एकरमैन के नाम है, जिन्होंने 4 ओवर में 18 रन देकर 7 विकेट झटके थे.

कुमार कार्तिकेय के बुने फिरकी के जाल का असर ये हुआ कि पहले बल्लेबाजी करने उतरी भोपाल लेपड्र्स की टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई. सिर्फ 13 ओवर में ही उसका बंटाधार हो गई. पूरी टीम बस 107 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. जवाब में रॉयल निमार ईगल्स को 108 रन का आसान लक्ष्य मिला, जिसे उसने 9.2 ओवर में ही हासिल कर लिया. इस टीम ने 2 विकेट खोकर 112 रन बनाए और 8 विकेट से मुकाबला अपने नाम किया, जिसके हीरो सही मायनों में कुमार कार्तिकेय रहे.

ब्राजील फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में: स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया

मियामी गार्डन्स, 25 जून (एजेंसियां)। 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड में प्रवेश कर लिया है। उसने गुरुवार सुबह ग्रुप-सी के मैच में स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया। मियामी स्टेडियम में ब्राजील की ओर से विनीसियस जूनियर ने दो गोल किए। जबकि एक गोल मैथियस कुन्हा ने दागा। स्कॉटलैंड 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप में खेल रहा है, लेकिन टीम एक बार फिर ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रही। टूर्नामेंट के इतिहास में यह नौवीं बार है, जब स्कॉटलैंड ग्रुप चरण पार नहीं कर सका। वहीं, ब्राजील दूसरी जीत के साथ 7 अंक लेकर ग्रुप-सी के टॉप पर है। विनीसियस ने मैच के 7वें मिनट में गोल कर ब्राजील को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने हाफ टाइम से ठीक पहले दूसरा गोल भी दागा। कुन्हा ने भी हाफ टाइम से ठीक स्कोरशीट में नाम दर्ज कराया। विनीसियस अब टूर्नामेंट में चार गोल कर चुके हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों के चार-चार गोल हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी पांच गोल के साथ टॉप पर हैं। ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने 76वें मिनट में मैदान पर उतरकर चोट के बाद वापसी की। दाएं पिंडली की समस्या के कारण वह टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। स्टेडियम में मौजूद ब्राजीलियाई प्रशंसकों ने उनकी वापसी का जोरदार स्वागत किया। ग्रुप-सी के आखिरी मैच में मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराया। इस जीत से टीम राउंड ऑफ-32 में पहुंच गई। अटलांटा स्टेडियम में मोरक्को दो बार पिछड़ा, लेकिन हार नहीं मानी और वापसी करते हुए जीत हासिल की।

मेसी का सबसे बड़ा 85 फीट का स्टैच्यू : 70 टन स्टील, 18 महीने में तैयार हुआ; वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर

पटागोनिया (अर्जेंटीना), 25 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के 39वें जन्मदिन के मौके पर उनका सबसे बड़ा स्टैच्यू बनाया गया। अर्जेंटीना के पटागोनिया के कट्राल शहर में मेसी की 85 फीट ऊंची मूर्ति का उद्घघाटन किया गया। यह दुनिया में मेसी की अब तक की सबसे बड़ी प्रतिमा है।

स्टैच्यू को बनाने में 70 हजार किलो (70 टन) स्टील का इस्तेमाल हुआ। इसे तैयार करने में 18 महीने लगे। यह सम्मान मेसी के वर्ल्डकप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर बनने के दो दिन बाद मिला। मेसी ने सोमवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2 गोल दागकर जर्मनी के मिरोस्लाव

मेसी का 85 फीट ऊंची मूर्ति

क्लोजे का रिकॉर्ड तोड़ा था। उनके नाम अब 18 वर्ल्डकप गोल हो चुके हैं।

प्रतिमा में मेसी को कतर वर्ल्डकप 2022 फाइनल के बाद घुटनों पर बैठे हुए दिखाया गया है। फ्रांस के खिलाफ फाइनल में गोंजालो मोंटिएल के पेनल्टी गोल के बाद अर्जेंटीना वर्ल्ड चैंपियन बना था।

मूर्ति में मेसी एक हाथ में अर्जेंटीना की जर्सी पकड़े हुए हैं, जबकि दूसरे हाथ की उंगली आसमान की ओर उठी हुई है। गोल करने के बाद मेसी अक्सर अपनी दादी को श्रद्धांजलि देने के लिए ऐसा जश्न मनाते हैं।

61 साल के स्थानीय मूर्तिकार एल्डो बेरोइसा ने इस प्रतिमा को तैयार किया है। इससे पहले वे डायनासोर और अर्जेंटीना के स्वतंत्रता सेनानियों की विशाल मूर्तियां बना चुके हैं। बेरोइसा ने कहा, मेसी अर्जेंटीना के राजदूत हैं। एक कलाकार और अर्जेंटीनी होने के नाते यह मेरे लिए बेहद खास परियोजना थी।

मेसी ने पिछले साल दिसंबर में भारत का दौरा किया था। इसी दौरान वेस्ट बंगाल में उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई थी। 27 दिनों में तैयार हुई उस प्रतिमा को दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉलर स्मारकों में गिना गया था, लेकिन इसी महीने स्थानीय प्रशासन ने उसे हटाने का आदेश दे दिया।

अधिकारियों के मुताबिक तेज हवा में प्रतिमा हिल रही थी और सुरक्षा के लिहाज से खतरा बन सकती थी।

वर्ल्डकप के दौरान अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में मेसी के सम्मान में म्यूरल भी बनाया गया है। करीब 20 फीट चौड़ी और 18 फीट ऊंची इस कलाकृति पर 1300 प्रशंसकों ने अपने नाम लिखे हैं।

फीफा विश्वकप के बीच नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन पर गिरी गाज! हुआ निलंबित

लॉजेन, 25 जून (एजेंसियां)। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े फीफा नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला नेपाली फुटबॉल के गवर्नेंस को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बाद आया है। इससे पहले, नेपाल की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल ने एएनएफए को तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि बाद में उस फैसले को वापस ले लिया गया था। फीफा ने अपने बयान में कहा कि काउंसिल के ब्यूरो ने फीफा नियमों के आर्टिकल 14 पैराग्राफ 1(आई) और 3 के तहत तीसरे पक्ष के दखल से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए) को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है। फीफा के सर्कुलर के मुताबिक, 24 जून 2026 से एएनएफए ने फीफा नियमों के आर्टिकल 13 में दिए गए सभी सदस्यता अधिकार अगले आदेश तक खो दिए हैं। इसके चलते अब एएनएफए के प्रतिनिधि और क्लब टीमें तब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगी, जब तक उनका निलंबन वापस नहीं लिया जाता। इस निलंबन का मतलब है कि नेपाल की राष्ट्रीय टीमें और क्लब अब फीफा और एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इसके साथ ही ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन (एएनएफए), उसके सदस्य संगठनों और अधिकारियों को फीफा औरएएफसी की वित्तीय सहायता भी नहीं मिलेगी।

नए फाटकों की स्थापना से लाखों किसानों की समस्या का भी समाधान होगा : रेवंत रेड्डी

> जल बंटवारे के मुद्दे पर तीनों मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्री की पहली बैठक

कर्नाटक/हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से तुंगभद्रा नदी के अंतरराज्यीय जल बंटवारे के मुद्दे का स्थायी समाधान शीघ्रता से निकालने की अपील की है।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज का दिन एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में तुंगभद्रा जल बंटवारे के मुद्दे पर हुई बैठक में भाग लिया। रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया है कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक राज्यों में किसानों के हित के लिए सभी राजनीतिक ताकतों को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि तीनों मुख्यमंत्रियों

तुंगभद्रा नदी के जल बंटवारे पर सीएम रेवंत रेड्डी, चंद्रबाबू नायुडु और डी.के. शिव कुमार व अन्य।

और केंद्रीय मंत्री की पहली बैठक जल बंटवारे के मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने आगे कहा कि तुंगभद्रा बांध पर 33 नए फाटकों का उद्घाटन तीन पीढ़ियों से चले आ रहे जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने की दिशा में एक बड़ी पहल है। नए फाटकों की स्थापना से लाखों किसानों की समस्या का भी समाधान होगा। उन्होंने याद दिलाया कि मैसूर के राजाओं ने भी विवादों को दरकिनार कर किसानों के हित में समाधान खोजने के लिए आगे कदम बढ़ाया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजोलीबांडा डायवर्जन योजना (आरडीएस) के तहत गद्वाल, आलमपुर और पालमुरु क्षेत्रों में आवंटित 17.9 टीएमसी पानी में से किसान केवल 5 से 6 टीएमसी पानी का ही उपयोग कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवंटित 10 टीएमसी पानी विभिन्न कारणों से उपयोग में नहीं आ रहा है। तेलंगाना सरकार तुंगभद्रा नदी में गाद जमा होने और जल आवंटन विवादों के मुद्दे को केंद्रीय मंत्री के ध्यान में पहले ही ला चुकी है।

उन्होंने कहा कि बैठक में हमने जल संकट का स्थायी समाधान निकालने का संकल्प लिया है। रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें जल बंटवारे के विवादों में उलझने के बजाय समाधान खोजने को प्राथमिकता देनी चाहिए और यह एक महत्वपूर्ण अवसर था कि तुंगभद्रा नदी के किनारे जल बंटवारे के मुद्दे पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि यह बैठक अंतरराज्यीय जल विवादों के स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगी।

सरस्वती शिशु मंदिर में 'ड्रग्स को कहें ना' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नशा विरोधी अभियान के तहत चादरघाट पुलिस कमिश्नरेट के छतरीनाका पुलिस थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल, उप्पुगुड़ा में गुरुवार को 'से नो टू ड्रग्स' (ड्रग्स को कहें ना) जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम का नेतृत्व चत्रिनाका डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त चंद्रशेखर ने किया। कार्यक्रम में छतरीनाका थाना प्रभारी निरीक्षक कोटेश्वर राव, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर आर.के. नायडू, उपनिरीक्षक प्रेम कुमार तथा पुलिस कर्मी भी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक तरीके से चर्चा करते हुए नशीले पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और समाज पर पड़ने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ड्रग्स का सेवन युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर सकता है और समाज में कई प्रकार की समस्याओं को जन्म देता है। अधिकारियों ने छात्रों को किसी भी प्रकार के नशे और गलत संगति से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही उन्हें अपनी ऊर्जा पढ़ाई, खेलकूद, अनुशासन और सकारात्मक गतिविधियों में लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह भी अपील की कि यदि कहीं भी अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों के सहयोग से आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नशे में स्कूली बच्चों को ले जा रहा ऑटो चालक गिरफ्तार, आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस ने शराब के नशे में स्कूली बच्चों को ले जा रहे एक ऑटो-रिक्शा चालक को पकड़कर उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई को बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानते हुए सख्त कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी चालक की पहचान शेख इस्माइल (35) के रूप में हुई है। उसे गोशामहल क्षेत्र में यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष शराब पीकर वाहन चलाने की जांच अभियान के दौरान पकड़ा गया। जांच के समय वह ऑटो-रिक्शा में स्कूली बच्चों को लेकर जा रहा था।

पुलिस द्वारा किए गए ब्रेथ एनालाइजर परीक्षण में चालक के रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) 60 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर पाई गई, जो निर्धारित सीमा से अधिक थी। बच्चों को ले जाते समय नशे की हालत में वाहन चलाना गंभीर लापरवाही माना गया। यातायात पुलिस ने तत्काल चालक को हिरासत में लेकर गोशामहल पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने उसके खिलाफ मानव जीवन और अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज कर लिया।

चार हत्याओं के मामले में बेटी और दामाद पर शक, संपत्ति विवाद बना जांच का केंद्र

नलगोंडा, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कॉलोनी स्थित एक मकान से पिछले सप्ताह चार सड़े-गले शव मिलने के मामले में पुलिस जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रारंभिक जांच में इस सामूहिक हत्याकांड के पीछे संपत्ति विवाद की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को मृत महिला की बेटी और उसके दामाद की संलिप्तता पर संदेह है तथा इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतकों की पहचान मोहम्मद सुल्तान, उनकी पत्नी हसीना, मुज्जमिल और अफराजा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने इन चारों की उनके घर में हत्या कर दी थी। शव कई दिनों बाद बरामद हुए थे, जिसके कारण वे सड़-गल चुके थे। घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी।

जांच के दौरान पुलिस को कुछ ऐसे सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर संपत्ति विवाद को हत्या का प्रमुख कारण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में हसीना की बेटी, उसके दामाद समेत कुल आठ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दो कुख्यात बदमाश गिरफ्तार, दो देसी पिस्तौल और सात कारतूस बरामद

> पहले भी कई वारदात को अंजाम दे चुके है दोनों अपराधी

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की कमिश्नर टास्क फोर्स (जुबली हिल्स जोन) और मैलारदेवपल्ली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो देसी पिस्तौल, सात जिंदा कारतूस, एक कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग पांच लाख रुपये बताई गई है। टास्क फोर्स के पुलिस उपायुक्त गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुदस्सिर हुसैन उर्फ शाह बाबा (24) निवासी किलवत, चारमीनार, हैदराबाद तथा आमिर खान (26) निवासी देगलूर नाका, नांदेड़ (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुदस्सिर हुसैन पहले वाहन खरीद-बिक्री का कारोबार करता था।

इसी दौरान उसकी पहचान महाराष्ट्र के नांदेड़ निवासी और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सूरज सिंह से हुई। बाद में वह उसके गिरोह के संपर्क में आया और कर्नाटक में डकैती तथा महाराष्ट्र में एक व्यवसायी के अपहरण जैसे

गंभीर अपराधों में शामिल रहा। इन मामलों में उसे महाराष्ट्र के परभणी जेल में भी रहना पड़ा था। जेल से रिहा होने के बाद उसके एक साथी ने उसे पिस्तौल और कारतूस रखने के लिए दिए थे। आर्थिक परेशानियों के कारण उसने अपने साथियों के साथ हथियारों के बल पर लूटपाट कर आसान पैसा कमाने की योजना बनाई। इसी दौरान उसकी पहचान आमिर खान से हुई, जिसे भी उसने आपराधिक गतिविधियों में शामिल कर लिया। पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति मैलारदेवपल्ली क्षेत्र में एक बलेनो कार में घूम रहे हैं और किसी संगठित अपराध को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने एक होटल के पास वाहन को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उनके पास से दो देसी पिस्तौल और सात कारतूस बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि मुदस्सिर हुसैन उर्फ शाह बाबा के खिलाफ कर्नाटक और महाराष्ट्र में डकैती, अपहरण, हथियार रखने तथा अन्य गंभीर अपराधों से जुड़े मामले दर्ज हैं। आमिर खान के खिलाफ महाराष्ट्र के नांदेड़ में हत्या सहित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2026 में मोइनाबाद थाने में भी उसके खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ था। यह कार्रवाई कमिश्नर टास्क फोर्स, जुबली हिल्स जोन के निरीक्षक सी.एच. यादंदर, उपनिरीक्षक मोहम्मद जाहेद तथा उनकी टीम ने मैलारदेवपल्ली पुलिस के सहयोग से की।

तेलंगाना में एसआईआर अभ्यास शुरू

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मतदाता सूची की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है और यह 24 जुलाई तक चलेगी। इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए, अधिकारियों ने राज्य भर में बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) को जनगणना प्रपत्र वितरित किए। इसके बाद, बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) घर-घर जाकर निवासियों को ये प्रपत्र प्रदान करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, मतदाताओं को आवेदन पत्र भरकर अपने निर्धारित बीएलए (बीएलए) को जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। बीएलए वितरण के दो दिन बाद घरों से भरे हुए फॉर्म एकत्र करेंगे। तत्काल सहायता के लिए, जनता को टोल-फ्री नंबर 1950 पर कॉल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इसके अलावा, यदि बीएलए किसी घर में नहीं जाते हैं, तो उसी टोल-फ्री नंबर के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। हैदराबाद ज़िले में आवेदन पत्र अंग्रेजी में और अन्य जिलों में तेलुगु में उपलब्ध होंगे। प्रत्येक मतदान अधिकारी (बीएलओ) को प्रतिदिन प्रति बूथ कम से कम 50 घरों में जाकर मतदाताओं को ये आवेदन पत्र वितरित करने का कार्य सौंपा गया है। ये फॉर्म तेलंगाना के सभी 3,38,26,448 मतदाताओं के लिए हैं, जिन्हें इन्हें भरकर 24 जुलाई की समय सीमा तक बीएलओ को वापस करना होगा।

ब्रिटिश काउंसिल 16 जुलाई को आयोजित करेगा स्टडी यूके प्री-डिपार्चर ब्रीफिंग

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटिश काउंसिल ने यूके में उच्च शिक्षा प्राप्त करने जा रहे भारतीय छात्रों को स्टडी यूके प्री-डिपार्चर ब्रीफिंग में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। यह वर्चुअल सत्र 16 जुलाई को दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए तैयार किया गया है, जिन्हें शरद या शीतकालीन 2026 सत्र के लिए यूनाइटेड किंगडम के किसी उच्च शिक्षण संस्थान से सशर्त अथवा बिना शर्त प्रवेश प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। ब्रिटिश काउंसिल के अनुसार, इस ब्रीफिंग का उद्देश्य छात्रों को यूके में पढ़ाई और वहां के जीवन के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को विदेश यात्रा से जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाओं और व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें नए देश में बसने और अध्ययन शुरू करने में सुविधा हो सके। सत्र में वीज़ा आवेदन प्रक्रिया, आवास व्यवस्था, यात्रा की तैयारी, स्वास्थ्य एवं कल्याण, छात्र जीवन तथा दैनिक आवश्यकताओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की जाएगी।

ऐतिहासिक बीबी-का-आलम जुलूस आज

> हजारों अकीदतमंद होंगे शामिल

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुहर्रम के अवसर पर हैदराबाद के सबसे प्रतिष्ठित और पूजनीय धार्मिक प्रतीकों में से एक ऐतिहासिक बीबी-का-आलम का पारंपरिक जुलूस शुक्रवार को पुराने शहर की सड़कों पर निकाला जाएगा। सदियों पुरानी इस परंपरा को देखने और उसमें शामिल होने के लिए देशभर से हजारों अकीदतमंद हैदराबाद पहुंचते हैं। आशूरा के दिन निकाला जाने वाला यह जुलूस शहर में मुहर्रम का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन माना जाता है। तेलंगाना शिया युवा सम्मेलन के सैयद हमीद हुसैन जाफरी के अनुसार, बीबी-का-आलम का इतिहास कुतुब शाही दौर से जुड़ा हुआ है।

ऐतिहासिक विवरणों के मुताबिक, सुल्तान मुहम्मद कुतुब शाह की पत्नी ने गोलकोंडा में पैगंबर मोहम्मद की पुत्री बीबी फातिमा की याद में एक आलम स्थापित कराया था। बाद में आसफ जाही शासनकाल के दौरान इस पवित्र आलम को विशेष रूप से निर्मित बीबी-का-अलावा, दबीरपुरा में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इसे आज भी सुरक्षित रखा गया है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस आलम में एक पवित्र अवशेष सुरक्षित है, जिसे उस लकड़ी के तख्ते का हिस्सा माना जाता है जिस पर बीबी फातिमा को दफनाने से पहले अंतिम स्नान कराया गया था। परंपरा के अनुसार यह अवशेष सुल्तान अब्दुल्ला कुतुब शाह के शासनकाल में इराक के कर्बला से गोलकोंडा लाया गया था।

आलम छह हीरों और अन्य बहुमूल्य रत्नों से अलंकृत है, जिन्हें हैदराबाद के अंतिम निजाम मीर उस्मान अली खान ने भेंट किया था। ये बहुमूल्य आभूषण आलम से जुड़ी विशेष काली थैलियों में सुरक्षित रखे गए हैं। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में एचके शेरवानी सेंटर फॉर डेक्कन स्टडीज की निदेशक प्रोफेसर सलमा अहमद फारूकी ने बताया कि बीबी-का-आलम से जुड़ी धार्मिक परंपराएं, अवशेष और अनुष्ठानिक व्यवस्थाएं कुतुब शाही काल में विकसित हुई थीं और समय के साथ यह हैदराबाद की सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गईं।

बीबी-का-आलम जुलूस के मद्देनजर 26 जून को पुराने शहर में व्यापक यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीबी-का-आलम के पारंपरिक जुलूस के आयोजन के मद्देनजर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 26 जून को दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक पुराने शहर के विभिन्न इलाकों में विशेष यातायात प्रतिबंध और डायवर्जन लागू करने की घोषणा की है। पुलिस ने नागरिकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और प्रभावित क्षेत्रों से बचने की अपील की है। यह जानकारी संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के अनुसार जुलूस के मार्ग पर पड़ने वाले कई प्रमुख चौराहों और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाएगी। बीबी-का-अलावा, शेख फैज कमान, एतेबार चौक, कोटला अलीजा, चारमीनार, मीर आलम मंडी, सालारजंग म्यूजियम, चादरघाट, नयापुल और काली खबर सहित कई संवेदनशील क्षेत्रों में यातायात को आवश्यकता के अनुसार अन्य मार्गों की ओर मोड़ा जाएगा। जुलूस के दौरान चारमीनार क्षेत्र में विशेष प्रतिबंध लागू रहेंगे। नयापुल, मदीना, गुलजार हाउस, मिट्ठी-का-शेर, मोगलपुरा और शक्करकोट से आने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा। इसके अलावा पुरानी हवेली, दबीरपुरा, याकूतपुरा और बीबी बाजार क्षेत्र में भी यातायात नियंत्रण किया जाएगा।

स्वप्नालोक कॉम्प्लेक्स में लगी आग, दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया गया काबू

हैदराबाद, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित स्वप्नालोक कॉम्प्लेक्स में गुरुवार को आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की घटना के बाद इमारत में मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग और पुलिस की तत्परता से सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय कॉम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर स्थित एक दुकान में अचानक आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

दमकलकर्मी विशेष सुरक्षा उपकरणों के साथ इमारत के अंदर पहुंचे और उस स्थान तक पहुंचने का प्रयास किया जहां से आग लगी थी। वहीं पुलिस ने एहतियात के तौर पर पूरे परिसर को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। अधिकारियों ने आसपास के क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद इमारत में घना धुआं भर गया था, जिससे दमकलकर्मियों को आग बुझाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दमकल विभाग की कई टीमों ने लगातार प्रयास करते हुए लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

रेलवे बोर्ड ने वैगन डिज़ाइन नीति में बड़े सुधारों को दी मंजूरी

> नई नीति 15 दिनों में होगी जारी

नई दिल्ली, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने माल परिवहन को अधिक कुशल, आधुनिक और उद्योग-हितैषी बनाने के लिए वैगन डिज़ाइन नीति में बड़े सुधारों का निर्णय लिया है। रेल मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि नई वैगन डिज़ाइन नीति अगले 15 दिनों के भीतर जारी की जाए। रेल मंत्रालय द्वारा की गई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मौजूदा नीति में बदलावों पर चर्चा की और अधिकारियों को तेजी से नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू सहित रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी और आरडीएसओ के महानिदेशक भी उपस्थित रहे। रेल मंत्रालय के अनुसार नई नीति का उद्देश्य उद्योगों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार वैगन डिज़ाइन करने की सुविधा देना है, जिससे माल ढुलाई अधिक सुरक्षित, तेज़ और किफायती बन सके। विशेष रूप से स्टील, सीमेंट, नमक और अन्य वस्तुओं के लिए अनुकूलित वैगनों के सफल प्रयोग के बाद अब इस मॉडल को व्यापक रूप से लागू करने की योजना है। नई नीति के तहत डिज़ाइन अनुमोदन और प्रोटोटाइप निर्माण के लिए सख्त मानक तय किए जाएंगे, ताकि सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि आरडीएसओ और सीसीआरएस इस प्रक्रिया में सुरक्षा मानकों की निगरानी करेंगे। बैठक में यह भी कहा गया कि उद्योगों और व्यापार संगठनों के साथ व्यापक परामर्श के बाद यह सुझाव सामने आया कि यदि वैगन डिज़ाइन को माल की प्रकृति के अनुसार अनुकूल बनाया जाए, तो रेल परिवहन का उपयोग काफी बढ़ सकता है। रेल मंत्रालय का मानना है कि यह सुधार भारतीय रेलवे को एक आधुनिक, ग्राहक-केंद्रित और नवाचार-आधारित माल परिवहन प्रणाली की ओर ले जाएगा, जिससे न केवल लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन लॉजिस्टिक्स को भी बढ़ावा मिलेगा।

बिजली की बाड़ से महिला की मौत, मुकदमे के डर से किसान ने की आत्महत्या

कोत्तागुडेम, 25 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के टेकुलापल्ली मंडल अंतर्गत बोडु ग्राम पंचायत में एक खेत के चारों ओर लगाई गई लोहे की बाड़ से जुड़े घटनाक्रम में 24 घंटे के भीतर दो लोगों की मौत हो गई। पहले एक खेत मजदूर महिला की बिजली का झटका लगने से जान चली गई, जबकि अगले ही दिन भूमि स्वामी किसान ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बोडु ग्राम पंचायत की सरपंच पोदेम स्वरूपा की सास और 55 वर्षीय खेत मजदूर पोदेम चुक्कम्मा बुधवार को मोक्कम्पाडु गांव स्थित एक कपास के खेत में गई थीं। यह खेत लालू नामक एक किरायेदार किसान द्वारा खेती के लिए उपयोग किया जा रहा था। इसी दौरान खेत के किनारे लगी लोहे की बाड़ को पार करते समय उन्हें तेज बिजली का झटका लग गया। गंभीर रूप से झुलसी चुक्कम्मा को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद टेकुलापल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। सहायक पुलिस अधिकारी पी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा जांच की जा रही थी कि गुरुवार को एक और दुखद घटना सामने आई। जिस भूमि पर कपास की खेती की जा रही थी, उसके मालिक किसान माडे पापाया का शव उनके खेत में एक पेड़ से लटका हुआ मिला।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999, Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.